हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

23 मार्च, 1992

खण्ड 1, अक 8,

अधिकृत विवरण

विषय सूची

सोमवार, 23 मार्च, 1992

पृष्ठ संख्या

शहीद–ए–आजम भगत सिंह तथा उनके सहयोगियों को श्रद्धांजलि	(8)1
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(8)6
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्न का लिखित उत्तर	(8)30
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(8)31
अध्यक्ष द्वारा रूलिंग–	
मेहम घटना पर ग्रेवाल आयोग की जांच रिपोर्ट को रिजैक्ट करने संबंधी	(8)49
हरियाणा ओलम्पिक ऐसोसिएशन द्वारा स्पोर्टस लाटरी परियोजना लागू करने संबंधी मामला	(8)49
वक्तव्य–	
मुख्य मन्त्री द्वारा उपर्युक्त विषय सम्बन्धी	(8)50
विभिन्न विषयों का उठाया जाना	(8)52

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव–	
भिवानी शहर तथा भिवानी जिले के कुछ गांवों में पीने के पानी की कमी सम्बन्धी	(8)53
वक्तव्य–	
लोक स्वास्थ्य मन्त्री द्वारा उपर्युक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सम्बन्धी	(8)54
वर्ष 1992–93 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)60
बैठक का समय बढ़ाना	(8)102
वर्ष 1992–93 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)102
वाक आउटस	(8)105
वर्ष 1992–93 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)106
बैठक का समय बढ़ाना	(8)111
वर्ष 1992–93 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(8)111
बैठक का समय बढ़ाना	(8)114
वर्ष 1992–93 के बजट पर सामान्य चची (पुनरारम्भ)	(8)114

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 23 मार्च, 1992

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ईश्वर सिंह)ने अध्यक्षता की।

शहीद–ए–आजम भगत सिंह तथा उनके सहयोगियों को श्रद्धांजलि

Mr. Speaker : Hon'ble Chief Minister will moveA Resolution.

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, यह सदन देश के उन महान शहीदों को जिन्होंने सन 1931 में आज के ही दिन भारत माता को आजाद करवाने के लिए चलाये गये संघर्ष में हंसते–हंसते फांसी के फंदों को चूमा और देशवासियों के गौरव की रक्षा की, अपनी भावभरी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

अमर शहीद सरदार भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु उन महान् शहीद विभूतियों के नाम है, जिन्हेंने अपने अमूल्य जीवन के बलिदान से आजादी के आन्दोलन की मशाल को जगाये रखा और देशवासियों तया खासतौर पर नौजवान पोढी को वतन के लिये मर मिटने की प्रेरणा दी।

हमारे देश की आजादी के आन्दोलन का इतिहास देशभक्तों और शहीदों के त्याग, तप और बलिदान की गौरव गाथा है। अंग्रेजी

हकूमत ने देशभक्तों पर कैसे–कैसे जुल्म ढाये, उससे सदन के सभी माननीय सदस्यगण परिचित हैं। हजारों देशभक्तों को अंग्रेजी हकूमत ने काल कोठरियों में डाल दिया। अनेक देशभक्तों को काले पानी की सजा दी गई और भगत सिंह, राजगुरु तथा सुखदेव सरीखे महान् देशभक्तों को फांसी की सजा दी गई। जब साइमन कमीशन भारत आया और उसका सख्त विरोध किया गया और अंग्रेजी हकूमत ने लाला लाजपतराय पर लाठियों के घातक प्रहार किये, जिससे बाद में वे शहीद हो गये, उससे हमारे देशभक्त नौजवानों के दिलों को और भगत सिंह, सुखदेव तथा राजगुरु के स्वाभिमान को बहुत ठेस पहुंची और भगत सिंह ने तो उसी समय ब्रिटिश हकूमत से बदला लेने का प्रण मे लिया था। हिन्दुस्तान की सैन्ट्रल असैम्बली में जब दो कानून, पब्लिक सेफ्टी बिल और ट्रेड डिपोजिट बिल हिन्दुस्तानियों के कड़े विरोध के बावजूद वायसराय ने अपने विशेष अधिकार, वीटो से पास करवाने का फैसला कर लिया, तो उसे रोकने के लिये अमर शहीद भगत सिंह और श्री बी० के० दत्त ने दो बम्ब असैम्बली में फैके और ''इन्कलाब जिन्दाबाद'' का नारा बुलन्द किया। सरदार भगत सिंह ने सिंह गर्जना करते हुए कहा था कि उन्होंने यह बन ब्रिटिश हुकूमत के बहरे कानों तक देशवासियों की आवाज पहुंचाने के लिये फैंके हैं। ब्रिटिश हकूमत ने मुकदमे का नाटक जरुर रचा और इन महान देश भक्तों को रिहा करवाने के लिये अपीलें करवाने की भी कोशिशें की गई, लेकिन शहीदों ने रहम की अपील करने से इंकार कर दिया और नैतिकता तथा कानून के सभी मानदण्डों को एक तरफ रखते हुए अंग्रेजी हुकूमत ने 23 मार्च, 1931 की रात को भगत सिह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी देकर उनके

अधजले पार्थिव शरीरों को चोरी छिपे हुसैनीवाला में सतलुज नदी में बहा दिया। यह ब्रिटिश हुकूमत का एक कायरतापूर्ण और इन्सानियत से गिरा हुआ कदम था।

इन अमर शहीदों के बलिदान की अमर ज्योति युगों–युगों तक प्रजवलित रहेगी। आने वाला इतिहास जब जब अपनी आजादी के आन्दोलन के महान् शहीदो को याद करेगा तो इन तीनों शहीदों के नाम उनके मुख से सबसे पहले निकलेंगे।

इस अवसर पर मैं इस गरिमापूर्ण सदन से अपने सभी देशवासियों भाइयों बहनों और नौजवान साथियों को आह? वान करता हू कि आइये हम राष्ट्रवाद और धर्मनिरपेक्षता तथा देश की आजादी की रक्षा और उन आदर्शों में अपनी निष्ठा को दोहरायें, जिनके लिए इन महान् शहीदों ने संघर्ष किया और अपने अमूल्य जीवन का बलिदान दिया। आज फिर इन शहीदों का लहू पुकारता है कि ''आओ और दिलों में से नफरत को निकाल कर आपसी प्रेम को बढ़ाओ और राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिये एकजुट हो जाओ।

आज मैं इस गरिमापूर्ण सदन के सभी माननीय सदस्यों के साथ मिलकर अमर शहीद सरदार भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को नतमस्तक होकर प्रणाम करता हूं औत उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हू और एक शेर कहकर अपनी बात को समाप्त करता हूं।

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले,

वतन पे मिटने वालों का यही बाकी निशा होगा।

श्री बसी लाल (तोशाम): अध्यक्ष महोदय, आज का दिन शहीदी दिवस है। वैसे तो हिन्दुस्तान की आजादी की लड़ाई में बहुत से ऐसे जाने–अनजाने आजादी के दीवाने फांसी के तख्ते को चूम गये जिनका नाम आज लोगों को पता नहीं है लेकिन क्योंकि सरदार भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ये हमारे पुराने प्रदेश पंजाब में फांसी के तख्ते पर लटकाये गये थे, इसलिये हमें उनकी याद ज्यादा है। जब साईमन कमीशन हिन्दुस्तान में आया तो हिन्दुस्तानियों ने उसका बायकाट किया। जगह–जगह पर लाठी चार्ज हुआ। उस लाठी चार्ज में पंजाब के लाला लाजपतराय को भी चोटें लगीं और वे करीब एक महीने के बाद हमसे जुदा हो गये। इसी तरह से उत्तर प्रदेश में पंडित जवाहर लाल को लाठियां लगीं। पंडित जवाहर लाल को बचाने के लिये पंडित गोबिन्द बल्लभ पंत उनके ऊपर लेट गये। इससे गोबिन्द बल्लभ पंत की रीढ़ की हड्डी पर भी चोट लगी जिससे उम्र भर उनका शरीर कांपता रहा। ऐसी बहुत सी मिसालें इस देश में हैं। शहीद सरदार भगत सिंह को फांसी देने का एक खास कारण था। वह खास कारण यह था कि अंग्रेज की इंटैलीजैसी ने यह कहा था कि इस उम्र में यह लड़का इतना पढ़ चुका है कि इसको इससे आगे पढ्ने की जरूरत नहीं है। यह आज भी एक बहुत बड़ा क्रान्तिकारी है और अगर हमने इसको जिन्दा छोड़ दिया तो यह देश का सबसे बड़ा क्रान्तिकारी बनेगा और देश का एक महान नेता साबित होगा। अंग्रेज उसको किसी भी कीमत पर इस दुनिया से मिटा देना चाहता था। सरदार भगत सिंह कितने बहादुर थे, यह तो सब को पता ही है। मैं उनकी बहादुरी की दाद देता हूं। उनको जब फांसी की सजा हुई थी तौ श्री दुर्गा दास खन्ना उनसे मिलने गये थे।

वे पंजाब लैजिस्लेटिव कौंसिल के चेयरमैन भी रहे है। जब शाम को वे भगत सिंह से मिलने गये तो भगत सिंह कार्ल मार्क्स की एक किताब पढ़ रहे थे। दुर्गा दास से बात करने के लिये उन्होंने उस किताब का पेज बन्द कर दिया और निशान रख दिया। दुर्गा दास ने यह देख लिया कि वे कौन से पेज पर पढ़ रहे थे। बात करते–करते शहीद भगत सिंह ने दुर्गा दास से यह कहा कि मुझे मरने से पहले यानी फांसी लगने से पहले–पहले इस किताब को खत्म करना है। उनको किताब खत्म करने की चिन्ता थी, फांसी लगने की बिल्कुल चिन्ता नहीं थी। उनकी फांसी के लिये 24 तारीख की सुबह 6 बजे का टाईम मुकर्रर था लेकिन उनको 23 तारीख शाम को सवा सात बजे ही फांसी दे दी गयी 1 दुर्गा दास खन्ना जब उनका सामान और किताबें वगैरह लेने के लिये गये तो जिस पेज पर उन्होने पर्चा लगाकर छोड़ दिया था, वह उसी पेज पर मिला क्योंकि जेल वालों ने उनसे कहा कि चलो–आपका टाईम हो गया है। लगता है कि वे फौरन ही उनको ले गये यह तो बड़े ही दुर्भाग्य की बात है कि शहीद भगत सिंह जैसे व्यक्ति इस देश से चले गये लेकिन उनका खून रंग लाया और देश आजाद हुआ। इसलिये जितना भी उनके लिये कहा जाये, उतना ही थोड़ा है। मैं इस प्रस्ताव के पास करने में अपने सदन के नेता के साथ शामिल होता हूं। मैं अपनी पार्टी के सभी सदस्यगण की तरफ से भी इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारु): अध्यक्ष जी, आज सदन के नेता ने सरदार भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव और दूसरे शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिये एक प्रस्ताव रखा है और श्री बंसी लाल ने उसका

अनुमोदन किया है। मैं भी इस प्रस्ताव का अनुमोदन करने के लिये और अपनी पार्टी की तरफ से इन महान् शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिये खड़ी हुई हूं। स्पीकर साहब जब भी उनका नाम आता है तो मेरा मन द्रवित हो जाता है। जब हम छोटे थे तो हमारे सामने राजगुरु और भगत सिंह का उदाहरण था कि किस तरह से इन महान हस्तियों ने देश की आजादी के लिये और देश को आजाद कराने के लिये कुर्बानी दी और आज जो लोगों के नुमाइन्दे हैं, उनका उदाहरण हमारे सामने है। आज के नुमाइन्दे एक ही उदाहरण हमारे सामने रखते है कि पांच साल में हम कितने अमीर हो गए है। स्पीकर साहब, आज का जो नौजवान अपने पथ से भटक गया है, क्या उनके लिए हम सब जिम्मेदार नहीं है? क्या आज हमारे लिये इतना ही काम रह गया है कि हम सरदार भगत सिंह और दूसरे शहीदों को याद कर लें और उनकी कुर्बानी को याद कर लें। अगर हम वास्तव में उनकी कुर्बानी को याद करना चाहते हैं तो स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा यह सन्देश देना चाहती हूं कि देश में ईमानदारी लानी पड़ेगी। अगर हम देश में ईमानदारी नहीं ला पाएंगे तो न काश्मीर मैं खून खराबा बन्द हो पाएगा और न पंजाब और दूसरी जगहो पर जो समस्याए हैं वे सुलझ पाएंगी। ओज बिहार में भी काफी खून खराबा हो रहा है। स्पीकर साहब, मैं तो इतना ही कहना चाहती हूं कि इन शहीदों ने देश की आजादी के लिये जो कुर्बानी दी, इससे बड़ी कुर्बानी और कोई नही हो सकती। लाला लाजपतराय की कुर्बानी कोई कम कुर्बानी नही थी। वे देश के सामने कुर्बानी का एक उदाहरण पेश करना चाहते थे लेकिन वे पकड़ में नही आ सके। उनका विचार था कि मेरी कुर्बानी से देश में ज्यादा जागृति

जाएगी। स्पीकर साहब, मैं अपनी तरफ से इन शहीदों को श्रद्धाजलि पेश करती हूं और देश तथा प्रान्त के युवकों को आवाहन करना चाहती हूं कि इन शहीदों का उदाहरण अपने सामने रखें न कि हमारा जो इस समय देश के नुमाइन्दे हैं, उदाहरण अपने सामने रखें।

प्रो० राम बिलास शर्मा (महेद्रगढ): अध्यक्ष महोदय, इस सदन के माननीय नेता ने जो शोक प्रस्ताव रखा है, मैं उसका समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूँ। सरदार भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ये ऐसे प्रेंरणदायक नाम हैं कि जब भी देश कितसी सकंट से गुजरेगा तो प्रेरणा के लिये भारत के नौजवान इन नामों की तरफ देखेगे। स्पीकर साहब, ये तो वे नाम हैं जिनको हम जानते है कि में आजादी के लिये बहुत से लोगों ने कुर्बानी दी हैं लेकिन हमारी जो कुर्बानी का इतिहास है वह निराला है। हमारे यहा लोगों ने ऐसी कुर्बानी दी कि फांसी के फंदे को खुशी से चूम लिया और उनके चेहरे पर कोई शिकन तक नहीं आई। उनका नाम भारत के इतिहास में सदा अमर रहेगा। दुनिया में ऐसे भी लोग हुए और इतिहास जानता है कि फांसी के नाम से उनके मन की दशा बिगड़ गई और उनकी मृत्यु पहले ही हो गर्म और उनकी जगह लाश को बोरी में डालकर फांसी की सजा देनी पड़ी।

अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां सरदार भगत सिंह और राम प्रसाद बिस्मिल जैसे देश भक्त हुए है। स्पीकर साहब, आमतौर पर फांसी की सजा प्रातरू काल ही दी जाती है। जब श्री बिस्मिल को फांसी दी जाती थी तो जेल का सुपरिन्टैडेन्ट सुबह छ. बजे श्री बिस्मिल की कोठरी में गया। वहां पर श्री बिस्मिल फांसी से पहले डण्ड लगा रहे थे।

जेल सुपरिन्टैन्डैन्ट ने पूछा कि आप क्या कर रहे है तो श्री बिस्मिल ने कहा कि मैं अपना शरीर देश को समर्पित कर चुका हू और लोग यह न कहे कि मरने से पहले मेरा वजन घट गया है। अध्यक्ष महोदय, फांसी के बाद उनका वजन सामान्य वजन से एक किलो ज्यादा वजन था। इस तरह के शहीद हमारे देश मे हुए हैं जिन्हेंने देश के लिये अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया।

मरते बिस्मिल रोशन, लहरी, असफाक अत्याचार से

पैदा होंगे हजारों इनके खून की धार से।

अध्यक्ष महोदय, ये शहीद ऐसे थे कि फासी की तिथि निश्चित होने के बाद भी उनका वजन बढ़ गया। जेल की काल कोठरी में रहते हुए भी स्पीकर साहब इनका वजन बढ़ गया था इस बात को सब लोग अच्छी तरह से जानते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और अपना सिर आदर से इन शहीदों के प्रति झुकाता हूं। मैं भारत के नौजवानों से यह आशा करता हूं कि भारत के नौजवान इन शहीदों से प्रेरणा लेंगे। इन शब्दों के साथ एक बार फिर मैं अपनी ओर से इन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हु।

श्री मोहन लाल पिपल (पटौदी अनुसूचित जाति)स्पीकर महोदय, आज सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव इस देश के महान शहीदों के प्रति इस हाउस में रखा है, मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से उन महान शहीदों को जिन्होंने देश की आजादी के लिये हंसते–हंसते अपने आपको बलिदान कर दिया, श्रद्धांजलि अर्पित करने के

लिये खड़ा हुआ हूं। उन्ही शहीदों की कुर्बानियो की वजह से आज हमारा देश आजाद है। देश कीं आजादी के लिये बहुत सी माताओ ने अपने सपूतों, बहुत सी बहनो ने उपने भाई यो को और बहुत से नौजवान साथियों ने इस देश की आजादी के लिये अपने आपको कुर्बान किया। सरदार भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव जिन शहीदों का नाम यहां पर लिया गया उनको हम सब भली प्रकार से जानते है और हमारा यह फर्ज बन जाता है कि हम उन शहीदों के पदचिन्हों पर चलते हुए उनको अपनी सच्ची श्रद्धांजलि पेश करें जोकि इस देश के लिये न्योछावर हो गये। ऐसे नौजवान ओं के ऊपर हम सब को यह गर्व होना चाहिये कि इन नौजवानों ने देश की आजादी के लिये कितना संघर्ष किया। इन्हीं शब्दों के साथ, मैं एक बार फिर अपनी व अपनी पार्टी की तरफ से इन शहीदों को फिर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और सदन के मान्यवर नेता ने जो यह शोक प्रस्ताव इस सदन में रखा बै, उस का पुरजोर समर्थन करता हुआ अपना स्थान लेता हूं।

श्री अध्यक्ष साहेबान, सदन के नेता ने शहीदों को श्रद्धांजलि के लिये जो प्रस्ताव इस सदन मैं रखा है, मैं अपने आपको उसमें सम्मिलित करता हूं। हमारा देश 1192 में तरावड़ी की दूसरी लडाई के बाद गुलाम बन गया था लेकिन जो आजादी की शमा थी, वह पूरी तरह से कभी नही बुझी। देश को आजादी के लिये वक्त–वक्त पर प्रयत्न होते रहे और 1857 में वह क्रान्ति के रूप में पूरी तरह से उभरी तथा महारानी झांसी, तातिया टोपे व और बहुत से हमारे नेता शहीद हुए। फिर उस शक को पूरी तरह से रोशनी में लाया गया। जहां 1846 में

पंजाब में सिखों की चौथी लड़ाई के बाद देश की आजादी का सूरज छुप गया था, वह इस देश के बहादुर क्रान्तिकारी लोगों ने ज्वलित किया। इस कड़ी में देश के बहुत से बहादुर नौजवान शहीद हुए जिन में शहीदे–आजम सरदार भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के नाम बहुत चर्चित है। हमारे दूसरे बहादूर नौजवान सरदार उयम सिंह व श्री मदन लाल ढीगरा ने इंग्लैड वगैरह विदेशों में जाकर उन लोगों से अपने अपमान का बदला लिया। इसी तरह से बहुत से नौजवान अन–नोन हैं और बहुत से नोन हैं। आज का 23 मार्च का दिन वही है जिस दिन इस देश के महान सपूत और शहीद सरदार भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव जी को फांसी दी गई। मैं अपने आपको इस सारे हाउस के साथ ऐसोशिएट करता हुआ इन सभी महान शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

अब मैं इस महान् सदन से यह प्रार्थना करूंगा कि इन महान् शहीदों के सम्मान में खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण करे।

(इस समय शहीदों के सम्मान में सदन के सदस्यों ने खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Mr. Speaker : Hon'ble Members, the questions -hour.

तारांकित प्रश्न सख्या 131

यह प्रश्न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य, श्री राम कुमार कटवाल सदन में उपस्थित नही थे।

Electricity Meter Testing Laboratory

***185. Shri Karan Singh Dalal :** Will the Minister for IrrigationAnd Power be pleased to state, whether the Haryana State Electricity Board intend to openA Meter Testing LaboratoryAt Palwal; if so, the location thereofAnd the time by which it is likely to be opened ?

IrrigationAnd Power Minister (Shri Shamsher Singh Surjewala) No, sir.

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, पलवल का क्षेत्र फरीदाबाद जिले में सब से पिछड़ा हुआ है। जब बिजली के महकमे की तरफ से नए कनैक्शन लगते हैं तो कोई भी मीटर नहीं दिया जाता। किसानों को अपने मीटर खरीदने के लिए कहा जाता है। मीटर खरीदने के बाद उसको चौक करवाने के लिए उनको दिल्ली जाना पड़ता है। क्या सरकार इस समस्या को दूर करने के लिए कोई विचार करेंगी?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा मे इस समय 13 मीटर टैस्टिग लैबोरेटरीज हैं। पलवल के लोगो को मीटर चौक करवाने के पिर दिल्ली नही जाना पडता बल्कि फरीदाबाद और गुड़गांव में जो उनके नजदीक पड़ते हैं वहां चौक करवाते हैं। इनके अलावा यमुनानगर, धूलकोट, सिरसा, दादरी, हिसार, जींद, नारनौल, रोहतक, करनाल तथा सोनीपत में भी हमारी टैस्टिंग लैबोरेटरीज हैं। अब एक और नई लैबोरेटरी पंचकूला या पिंजौर में खोलने की हमारी

तनबीज है। इस समय लैबोरेटरीज में प्रति महीना 10–11 हजार मीटर्ज टैस्ट होते हैं।

प्रो० राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, क्या मन्त्री जी बताएंगे कि मीटर जांच केन्द्र खोलने का नौर्म क्या है? इसके अलावा क्या हर सब–डिवीजन लैवल पर ऐसे केन्द्र खोलने का सरकार विचार कर रही हे?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला अध्यक्ष महोदय, ऐसे केन्द्र खोलने का नार्म यह है कि जिस एरिया में काम ज्यादा है, वहां खोल देते हैं। हमारी कोशिश यह होती है कि मीटर टैस्ट करवाने के लिए लोगों को दूर न जाना पड़े इसलिए लगभग हर जिले में एक–एक लैबोरेटरी है। इन लैबोरेटरीज की मौजूदा क्षमता एक महीमें मे 10–11 हजार मीटर चौक करने की है। इनकी क्षमता बढ़ाने के लिए हमने निर्णय लिया है कि यमुना नगर, हिसार, गुड़गांव, फरीदाबाद, रोहतक और करनाल की लैबोरेटरीज में डबल शिफ्ट की जाए ताकि मीटर्ज की चौकिंग और रिपेयर कूरने में ज्यादा समय न लगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मीटर उन्हीं के टैस्ट किए जाते हैं जो अपने निजी तौर पर खरीदते है। मीटर टैस्ट करने की नौबत ही न आए और सरकार अपना मीटर सभी जगह लगाए, क्या इस बारे में मन्त्री जी विचार करेंगे?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला अध्यक्ष महोदय, इन लैबोरेटरीज के दो काम हैं। एक तो मीटर की रिपेयर करना और दूसरे मीटर को

चौक करना। ये मीटर किसी कंज्यूमर के हों, फैक्टरी के हों या ट्यूबवैल के हों, सभी की चौकिंग और रिपेयर वहां होती है। अगर मैं अपना मीटर लगा। और उसे टैस्ट न करवाऊं तो ऐसा भी हो सकता है कि वह मीटर चले ही न। तो इसलिए उसकी चौकिंग करवाना जरूरी है। अब सवाल यह है कि बिजली बोर्ड मीटर सप्लाई क्यों नही करता है? यह बात नहीं है कि बिजली बोर्ड मीटर सप्लाई नही करता है। ज्यादातर मीटर तो बिजली बो ई ही सप्लाई करता है। मैं हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि बिजली बोर्ड ने दो दिन पहले डेढ़ लाख मीटर सिंगल फेज के और 2,600 के लगभग थी फेज के बनाने के लिए आर्डर दिए हैं। अभी हर महीने 10 हजार के लगभग सिंगल फेज के मीटर और दूसरे मीटर बिजली बोर्ड के पास आने शुरु होंगे। इम प्रकार से मोटर्ज की दिक्कत नही रहेगी।

श्री पीर चन्द स्पीकर साहब, किसान अपने ट्यूबवैलों पर अपने प्राइवेट मीटर्ज खरीद कर लगवा लेते हैं और कई बार उनके ट्यूबवैलो का खारा पानी हो जाने के कारण वे अपना मीटर कटवा लेते हैं। उस मीटर को बिजली बोर्ड वाले ले जाते हैं, मीटर किसानों को वापिस नही देते हैं। क्या यह बात मंत्री जी के नोटिस में है?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में क्या कह सकता हूं कि बिजली बोर्ड वाले इनका मीटर ले गए हों और वापिस न दिया हो। हो सकता है इन्होंने उनसे अपना मीटर न मांगा हो। इसमें किसानो के मीटर का और गैर किसानों के मीटर का सवाल नही है। बिजली के मीटर तो आम तौर पर बिजली बोर्ड खुद सप्लाई

करता है। अगर कहीं पर मीटर की कमी है और कोई आदमी अपना प्राइवेट मीटर ले आए तो वहू लगा दिया जाता है और उसको किराया नहीं देना पड़ता है। अगर किसी किसान को बिजली की जरूरत रही है तो वह अपना मीटर उतार कर ले जा सकता है उससे बिजली बोर्ड को कोई सरोकार नही है।

श्री अमर सिंह : स्पीकर साहब, प्रायः यह देखते में आया है कि मीटर की टैस्टिंग रिपोर्ट जाने में बहुत ज्यादा समय लग जाता है। मैं आपके माध्यम से मती जी से जानना चाहूंगा और क्या वे हाउस को आश्वासन देंगे कि विद इन टू डेज मीटर टैस्ट करके जमीदारों के हवाले कर देंगे ?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, अभी मैंने अर्ज किया था कि अभी तक 13 लैबोरेटरीज है जिनमे से 6 की क्षमता दोगुनी कर रहे हैं ताकि मीटर्ज की टैस्टिंग रिपोर्ट में ज्यादा समय न लगे। इस समय 10–11 हजार मीटर्ज हर महीने चौक और रिपेयर करते हैं। हम चाहते हैं कि हर महीने 15 हजार मीटर की रिपेयर और चौकिंग हो जाए। जहां तक चौधरी पीर चन्द जी ने जो सवाल किया, मैं इनको बताना चाहूंगा कि बहुत कम ऐसे ट्यूबवैल्ज हैं जिन पर किसानों ने आने प्राइवेट मीटर परचेज करके लगा रखे है। पता नहों चोबसे पीर चन्द जो कौन से किसानों को बात कर रहे हैं।

श्री पीर चन्द स्पीकर साहब बहुत से ऐसे किसान हैं जिन्होंने अरने ट्यूबवैलों पर अपने प्राइवेट मीटर खरीद कर लगा रखे हैं और

अगर किसी किसान के टयूबवैल का पानी खारा हो जाता है तो वह उस ट्यूबवैल के मीटर को बिजली बोर्ड वालों से उतरवाता है और बिजली बोर्ड वाले वह मीटर त्वे जाते हैं, उस किसान को वापिस नही देते हैं जबकि उस मीटर को खरीदने पर उस किसान का पैसा लगा होता है। (शोर)

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला स्पीकर साहब, पता नहीं माननीय सदस्य किस किसान की बात कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष पीर चन्द जो, आप अपना सवाल एक बार फिर रोपीट कर दें।

श्री पीर चन्द स्पीकर साहब, मेरे रतिया हल्के के और हिसार जिने के कई किसानों की तरफ से मेरे पास शिकायत आई है। जिन किसानों ने आने प्राइवेट मीटर खरीद कर अपने ट्यूबवैलों पर लगा रखे हैं उनमें से अगर किसी किसान के ट्यूबवैल का पानी खारा हो जाता है तो वह बिजली बोर्ड वालों से अपने ट्यूबवैल का मीटर उतरवाता है। बिजली बोर्ड वाले उसका मीटर उतार कर ले जाते हैं। उस किसान को वह मीटर वापिस नहीं देते हैं जबकि वह मीटर उस किसान को वापिस देना चाहिए। क्या यह बात मंत्री जी के नोटिस में है, अगर है तो वे इस बारे में क्या फैसला करेंगे?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला अध्यक्ष महोदय अगर ये व्यक्तिगत रूप से एक–दो या दम केसो की शिकायत करेंगे तो हम उनके खिलाफ कायदे–कानून के हिसाब से कार्यवाही करेंगे। दूसरे मैं यह बताना

चाहता हू कि जो कोई व्यक्ति आना मी टर लगवाता है वह जब बिजली न लेना चाहे तो अपना मीटर अपने साथ लें जा सकता है और दूसरा जो सामान तार आदि हैं वह भी अपना अरने पास रख सकता है। अगर बिजली बोर्ड के अधिकारी उनका सामान या उनके खरीदे हुए मोटर साथ ले गए हैं तो ये हमारे नोटिस मैं लाये हम बाकायदा कायदे कानून के हिसाब सै उनके खिलाफ कार्यवाही करेगे।

श्री धीरपाल सिंह अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री महोदय ने बताया है कि जो लोग अपना मीटर खरीद कर लाते हैं और कनैक्शन जारी नही रखना चाहते, वे अपना मीटर और तार जो उनकी खरीदो हुई होती है अपने पास रख सकते हैं। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि क्या इनके नोटिस में यह बात है कि जब कोई व्यक्ति अपना मीटर या तार आदि खरीद कर लाता है तो उस से कनैक्शन देते समय यह लिखवा लिया जाता है कि यह बिजली बोर्ड की सम्पत्ति हे?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला मेरी जानकारी में तो ऐसी कोई बात नहीं है। अब चूकि मैं सवाल नही कर सकता इसलिए मैं पूरी तफसील के साथ इनसे सवाल नही करूंगा। मैं सिर्फ इनसे यह पूछना चाहता हूं कि क्या किसी केस की आपने शिकायत की है और की है तो क्या उस पर बिजली बोर्ड की तरफ से ऐक्शन नहीं लिया गया? अगर ऐसी कोई बात है तो ये लिख कर नोटिस मे लायें, उस पर जरूर कार्यवाही को जायेगी।

श्री धीरपाल सिंह चौधरी साहब, जो लोगों की तरफ से शिफायत को जाती है उसको आपके ऐक्सीयन और एस० ई ० नही सुनते।

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला ऐसी बात नही हो सकती।

श्री राम पाल सिंह कंवर अध्यक्ष महोदय, इन्होंने बताया है कि सारे मीटर बिजली बोर्ड ही देता है लेकिन जब शार्टेज हो जाती है तो लोगों को अपने मोटर लाने के लिए कहा जाता है। मै इनसे पूछना चाहता हूं कि क्या इनके नोटिस में यह बात है कि' चाहे घर के लिए अपना मीटर खरीदा गया है या ट्यूबवैल्ज के लिए कोई मीटर खरीद करे लाया हैं, क्या उस मीटर को जो प्राईवेट लोगों द्वारा खरीद कर लाया गया है, उस को लैबोरेटरी से टैस्ट करवाया जाता है? क्या उस मीटर को टैस्टिंग के चिप कोई फीस कन्जयूमर्ज से ली जाती है या नहीं? जो लोग ऐसा मीटर खरीद कर लाते हैं और बिजली बोर्ड को देते हैं क्या उनका प्राईवेट सर्टिफिकेट मान विरा जाता है या नहीं?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले ही कहा है कि जो मीटर बिजली बोर्ड नए कनैक्शंज के देता है या पुराने कनैक्शंज के जिनके मोटर खराब हो जाते हैं उनको बदलता है तो उन सभी को विज नो बोर्ड को लैबोरेटरी से टैस्ट करवा कर ही खरीदते हैं। हम किसी प्राईवेट सर्टिफिकेट को नहीं मानते। जहा पर मीटर की शार्टेज हो जाती है वहां पर प्राईवेट मीटर खरीद कर लाने के लिए कहा जाता है! मैंने पहले भी कहा है कि जो लोग अपना मोटर लाते हैं

उनसे उसका किराया नहीं लेते और जब वह कनैक्शन न रखना चाहे तो अपना मीटर अपने पास रख सकता है। मैं यह नहीं कहता कि बिजली बोर्ड में या दूसरे बोर्ड में कोई गलत काम या कोई बेईमानी नही करता। अगर किसी शिकायत के बारे में ये नोटिस में पायेंगे तो उस पर हम कार्यवाही करेंगे।

श्री रामपाल सिंह कंवर अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया। मैं पूछना चाहता हूं कि जो लोग अपना मीटर खरीद कर लाते हैं, क्या उनका प्राईवेट लैबोरेटरी का लाया हुआ सर्टिफिकेट माना जाता है या नहीं?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला हम किसी भी प्राईवेट सर्टिफिकेट को नहीं मानते। हम केवल उसी सर्टिफिकेट को मानते है जो एच० एस० ई० बी० की लैबोरेटरी द्वारा जारी किया गया हो।

श्री पीर चन्द मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि जो मीटर प्राईवेट खरीद कर लाया जाता है और जिसको लैबोरेटरी से टैस्ट भी करवाना पड़ता है, क्या उस टैस्ट की फीस 25 रुपये या 40 रुपये कन्ज्यूमर्ज से ली जाती हए या नहीं?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला जब हम ऐसे मीटरों को टैस्ट करते हैं तो उसकी फीस ली जाती है और उसकी रसीद भी दी जाती है।

साथी लहरी सिंह अध्यक्ष महोदय, चाहे कोई जमींदार है, चाहे कोई दूसरे आदमी है या कोई गरीब आदमी है जब उसको

कनैक्शन दिया जाता है तो बहुत सारा सामान तो बिजली बोर्ड की तरफ से दिया जाता है और जो शार्ट होता है वह सामान कन्जूयमर्ज से मंगवा लिया जाता है। मैं मंत्री महोदय से पूछता चाहता हूं कि जितना सामान बिजली बोर्ड द्वारा कन्ज्यूमर्ज से लिया जाता है क्या उस सामान को कीमत को उसके बिल में कम किया जायेगा?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला अध्यक्ष महोदय, सवाल लोगों में और उपभोक्ता में जागृति लाने का है। बिजली बोर्ड का कोई भी अधिकारी या कोई दूसरा अधिकारी कन्ज्यूमर्ज के साथ किसी प्रकार की अगर हेराफेरी करता है यानि सामान मंगवाए कन्ज्यूमर्ज से और दिखाए बिजली बोर्ड का उसके खिलाफ अगर कोई शिकायत होगी तो ऐक्शन लिया जाएगा। सभी माननीय मैम्बर्ज की भी यह डियूटी बनती है कि कन्ज्यूमर्ज को इस बारे में जागृत करें। अगर रिकार्ड में यह बात हो कि सामान उपभोक्ता से मंगवाया गया तो उसका किराया उससे चार्ज नहीं किया जाएगा और जब वह कनैक्शन वापिस करे तो वह अपने सामान को वापिस ले जा सकता है। जब उससे मीटर का किराया न लिया जाए और अपना सामान वह वापिस ले सकता है तो फिर उपभोक्ता के साथ ज्यादती कैसे होती है?

साथी लहरी सिंह स्पीकर साहब, मेरा क्वैश्चन यह था कि जो सामान शौर्ट होता है वह बिजली बोर्ड वाले जमीदार से मंगवाते हैं और उसको बिजली बोर्ड का दिखा देते है। दूसरी बात मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हू कि जब कनैक्शन दिए जाते हैं तो बिजली के जो 10 या 15 खम्बे लगने होते हैं वे जमीदार अपनी ट्रौली

पर ले कर जाते हैं। क्या बिजली बोर्ड वाले उनके व्हीकल का किराया भी चार्ज करते हैं या नही?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला अगर बिजली बोर्ड अपने व्हीकल का इस्तेमाल नही करता तो उसका किराया भी क्लेम नही करता लेकिन अगर कोई बेईमान अधिकारी कारी ऐसी बात करता है तो उपभोक्ता को उसके खिलाफ शिकायत करनी चाहिए। सरकार बाकयदा उसके खिलाफ ऐकशन लेगी।

Air StripAt Rohtak

***124. Chaudhri Om Parkash Beri :** Will the Minister of State for CivilAviation be pleased to state—

(a) whether there isAny prcposal under consideration of the Government to constructAir StripAt Rchtak;And

(b) if so, the time by which theAfore-said strip is likely to be constructed ?

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री सूरेन्द्र मदान)

(क)रोहतक में हवाई पट्टी बनाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नही है।

(ख)'क' को मद्देनजर रखते हुये 'ख' के बारे मे उत्तर देने का प्रश्न ही नही उठता।

चौधरी ओम प्रकाश बेरी अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि एयर स्ट्रिप बनाए जाने

का क्राईटेरिया क्या है? जैसे कि सभी जानते है कि रोहतक जिले में सब से ज्यादा भूतपूर्व सैनिक रहते हैं। कालका, करनाल, सिरसा और नारनौल जैसे स्थानों पर जब एयर स्ट्रिप्स बने हुए है तो क्या मन्त्री महोदय इस बात का आश्वासन देंगे कि आने वाले समय में जल्दी ही इस प्रपोजल पर विचार करके–रोहतक में एयर स्ट्रिप बनाई जाएगी? यह बात भी सरकार के 'नोटिस में है निज नेशनल कैपिटल रीजन में सिर्फ एक पालम एयरपोर्ट पड़ता है और रोहतक में एयर स्ट्रिप बन जाने से पालम एयर पोर्ट पर यात्रियों का बोझ भी कम हो जाएगा इस बात को मद्देनजर रखते हुए क्या वहां एयर स्ट्रिप बनाने का आश्वास्न मंत्री महोदय देंगे?

श्री सुरेंद्र मदान स्पीकर सर, मेरे साथी ने जो सवाल पूछा है उस बारे में मैं इन्हे बताना चाहता हूं कि 1990 मे विभाग ने एक प्रपोजल बना कर सरकार को भेजी थी। इस हवाई पट्टी पर करीब 2 करोड रुपये का खर्च आता था इसलिए योजना विभाग ने इसे रद्द कर दिया। आगे इस पर कोई प्रपोजल विचाराधीन नही है और फिलहाल यह एयर स्ट्रिप बनाई नही जा सकती है।

साथी लहरी सिंह स्पीकर साहब, कुरूक्षेत्र सारी दुनिया में सबसे बड़ा धर्मस्थान है जहा भगवान कृष्ण ने सारी दुनिया का मार्गदर्शन किया था। मैं आपके माध्यम से माननीय मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार वहां पर हवाई पट्टी बनाने बारे विचार करेगी?

श्री सुरेंद्र मदान : स्पीकर सर, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इस समय अभी इस बारे में कोई विचार नही है।

श्री बंसी लाल स्पीकर साहब, कुरूक्षेत्र में एयर स्ट्रिप बनाने के बारे में हरियाणा सरकार को एक मिनट की भी देरी नही लगानी चाहिए और मुख्य मन्त्री जी को सीधे हां कर देनी चाहिए। वहां पर सरकार की अपनी जमीन है ओर सरकार का इस पर कोई खास जोर नहीं लगेगा। (विघ्न)

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल)अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलते हुए भी चर्चा को वो कि कुरुक्षेत्र में हवाई पट्टी बननी चाहिए, हमने उस वक्त भी कहा था कि इस पर विचार करेंगे। जीन्द मैं कच्ची हवाई पटटी पुरानी बनी हुई है। हम चाहते हैं कि जीन्द, कुरूझेत्र और रोहतक में भी हवाई पट्टी बननी चाहिए लेकिन सवाल पैसे का है। ज्यों ही पैसे की उपलब्धि होगी, हम इस पर विचार करेंगे।

Arms Licences

***137. ShriAmar Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state the Sub-Division-wise number of persons to whom Gun/ Revolver licences were issued from January, 1991 to todate in the State together with the namesAndAddresses of persons out of them belonging to HisarAnd Sirsa districts, separately ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): जारी किये गये लाईसेंसों की संख्या के बारे मे वांछित सूचना अनुलग्नक मैं सम्मिलित है।

हिसार तथा सिरसा जिलों में एक हजार सात सौ उन्नीस व्यक्ति हैं जिन्हें कि लाईसैस प्रदान किये गये थे। उनके नाम और पतों के बारे मैं सूची तैयार करने में जो समय तथा श्रम लगेगा वह उससे होने वाले, सम्भावी लाभों की अपेक्षा कम होगा।

अनुलग्नक

जनवरी 1991 से अब तक जारी किए गए अस्त लाईसैसं सम्बन्धी

क्रम.	जिला		उपमण्डल	गन/रिवालवर लाईसैसों को संख्या	कुल
1.	अम्बाला	1.	अम्बाला	80	132
		2.	पंचकूला	37	
		3.	नारायणगढ़	15	
2.	भिवानी	1.	दादरी	27	96
		2.	भिवानी	67	
		3.	लोहारू	2	
3.	फरीदाबाद	1.	बल्लबगढ़	182	336

		2.	पलवल	154	
4.	गुड़गांव	1.	गुड़गांव	236	35 0
		2.	नूह	44	
		3.	फिरोजपुर झिरका	70	
5.	हिसार	1.	हिसार	616	1272
		2.	फतेहबाद	430	
		3.	हांसी	43	
		4.	टोहना	182	
		5.	सिवानी	1	
6.	जींद	1.	जींद	122	175
		2.	नरवाना	29	
		3.	सफीदों	24	
7.	करनाल	1.	करनाल	210	225
		2.	असन्ध	15	
8.	कैथल	1.	कैथल	221	288

		2.	गुहला	67	
9.	कुरुक्षेत्र	1.	थानेसर	82	108
		2.	पेहोवा	26	
10.	महेन्द्रगढ़	1.	महेन्द्रगढ़	14	52
		2.	नारनौल	38	
11.	पानीपत	1.	पानीपत	119	119
12.	रोहतक	1.	रोहतक	88	156
		2.	झज्जर	13	
		3.	बहादुरगढ़	13	
		4.	महम	8	
		5.	गोहाना	34	
13.	रेवाडी	1.	रेवाड़ी	40	40
14.	सोनीपत	1.	सोनीपत	135	160
		2.	गोहाना	25	
15.	सिरसा	1	सिरसा	277	446

		2.	डबवाली	71	
		3.	ऐलनाबाद	98	
16.	यमुनानगर	1.	यमुनानगर	174	174

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको यह बताना चाहूंगा कि चौटाला प्रशासन के अन्तिम दिनों में हमारे फरीदाबाद और पलवल से कुछ असामाजिक तत्वों को लाईसैस दिए गए विशेषतौर पर जो यू ० पी ० के लोग या ग्रीन ब्रिगेड में भर्ती किए गए थे। ऐसे अनडिजायेरेबल एलीमैंट्स को हथियार दिए हुए हैं। क्या ऐसे लोगों की छानबीन करके उनके लाईसैस रह किए जाएंगे?

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि फरीदाबाद जिले मे बल्लबगढ़ और पलवल दो सब–डिविजन हैं। बल्लबगढ़ और पलवल में जो लाईसेंस दिए गए है वे ज्यादा ही लगते है। इन्होंने कहा है कि कुछ ऐसे अनडिजायेरेबल ऐलीमैंटस हैं, जो ठीक आदमी नहो है और उनका चालचलन ठोक नहीं है। हम उनको छानबीन करवाएंगे। मैं माननीय सदस्यों से भी कहूंगा कि जो भी ऐसे लोग है, मेहरबानी करके सरकार के नोटिस में लाएं। हम डिप्टी कमिश्नर और एस ० पी० की डियूटी लगाएंगे कि ऐसे लोगों के पास हथियार नही रहने चाहिएं।

श्री धीरपाल सिंह अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से जानकारी चाहूंगा कि 5 अप्रैल 1991 के बाद 336 में से कितने लाईसैस इन्होंने जारी किए?

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, यह जो सवाल पूछा है यह 1 जनवरी 1991 से पूछा गया है। (शोर एवं व्यवधान)अध्यक्ष महोदय, यह सवाल इसमें नही है लेकिन मैं यह कह सकता हू कि चौधरी देवी लाल ओर चौधरी ओम प्रकाश घोटाला की सरकार के समय जिस टाईप के लोगों को हथियार दिए गए थे हमने कम से कम उस टाईप के लोगों को हथियार नहीं दिए हैं।

श्री अमर सिंह अध्यक्ष महोदय, भिवानी जिले में 96 और हिसार डिस्ट्रिक्ट में 1272 लाईसेसं दिए गए है। तो क्या मुख्यमंत्री जी बताएंगे कि इन दोनों जिलो में इतना फर्क क्यों रखा गया है?

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, भिवानी में डिमान्ड हो नहीं है। भिवानी में हथियार रखने का लोगों मे रिवाज ही नहीं है और न हो उनको आदत है। अध्यक्ष महोदय, हिसार ओंर सिरसा जिने मैं लोगों के पास अगर बन्दूक नही होती है तो उनको रोटी ही नही अच्छी लगती।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय. मुख्य मंत्री जी यह बता दें कि ये 'टाडा' का मिसयूज क्यों कर रहे है और लोगों के खिलाफ झूठे मुकदमें क्यों बनाए जा रहे हैं?

चौधरी भजन लाल बंसी लाल जी यह काम तो आपका है हमारा नही है। मैं एक बात कह सकता हूं कि हिसार और सिरसा में हथियार कुछ ज्यादा दिए गत् हैं। लेकिन चौधरी देवी लाल जी के राज में जिन अच्छे लोगों को हथियारों के लाईसैस दिए गए थे गनके

लाईसैंस जब्त कर लिए गए थे। अध्यक्ष महोदय, हिसार और सिरसा जिले में कुछ जमींदारों के पास ज्यादा जननि है ओर वे 'खेतों में, ढानियों में रहते हैं। तो जो लोग ढानियों में रहते हैं उनके पास हथियार होना शो जरूरी है। इसी तरह से कुछ लोंगों के खेत पंजाब के बोर्डर के साय लगे हुए एरियाज में हैं, उनको हमने लाईसैस दिए हुए है। हमने ठीक लोगों को लाईसैंस दिए हुए हैं, बदमाश लोगों को लाईसैस हमने नही दिए है।

श्री मनी राम केहरवाला अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के कुछ जिले, जैसे हिसार, सिरसा और भिवानी, राजस्थान के बोर्डर के साथ लगते हुए हैं। इनमें जिन लोगों को लाइसैस दिये गये हैं वे केवल स्टेट लैवल के लाइसेस ही एं। अगर इन लोगों को अपने किसी काम से स्टेट के बाहर राजस्थान या कहीं अन्य जगह जाना पड़ता है तो इनके हथियार बोर्डर पर ही जमा करवा लिये जाते है। तो क्या मुख्यमंत्री जी कोई ऐसा प्रावधान करेंगे जिससे लोगों को बाहर जाते समय बोर्डर पर आने हथियार जमा न करवाने पड़े?

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, हमने दो तरह के हथियारों के लाइसैंस दिये हैं। एक तो रिवालवर/पिस्टल और दूसरा बन्दूक या राइफल। आम तौर पर ये लाइसैस स्टेट लैवल पर ही दिये गये हैं क्योंकि बन्दूक लेकर दूसरी जगह जाना बड़ा मुश्किल है। लेकिन अगर कोई आल इंडिया लैवल का लाइसैस भी लेना चाहता है तो स्टेट गवर्नमैंट आल इंडिया लैवल का लाइसेस भी इशु करती है।

श्री राम भजन अग्रवाल अध्यक्ष महोदय, मेरा भी सवाल यही था कि भिवानी मै जो लाइसैंस दिये गये हैं वे केवल हरियाणा स्टेट लैवल के ही दिये गये है जबकि वहां के लोगों को दिल्ली पास होने की वजह से दिल्ली तथा दूसरे स्वानों पर जाना पड़ता है। तो क्या सरकार वहां के लोगों को आल इंडिया लैवल के लाइसैस देने का कोई विचार रखती है?

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, आल इंडिया लैवल के लाइसैंस देने की कोई पाबदी नही है। जो भी भला आदमी इस प्रकार के लाइसैस के लिए ऐप्लाई करेगा उसके लिए हमने बाकायदा डिप्टी कमीशनर्ज को आदेश दे रखे हैं कि अच्छे लोगों को सुरक्षा की दृष्टि से लाइसैस देने चाहिए। खासतौर से जो लोग खेतों में रहतें है उनको भी हमने लाइसैस देने के लिए डी० सीज० को आदेश दे रखे हैं।

श्री हरि सिंह नलवा अध्यक्ष महोदय, क्या सरकार के नोटिस में यह बात है कि हरियाणा के बोर्डर के साथ लगते हुए यू ० पी० और दिल्ली के इलाको के बैड ऐक्टीविटीज के लोग हरियाणा में आकर लाइसैस इशू करवा लेते हैं क्योंकि इन लोगों को दिल्ली में तो लाइसैस मिलते नही हैं इसलिए ये लोग हरियाणा में आकर अउटरों की मिली भगत से या अन्य प्रकार से लाइसैस इशू करवा लेते हैं। इसलिए मैं जानना चाहूगा कि क्या सरकार ऐसे लोगों को लाइसैंस देने से पहले उन को इंक्वायरी करती है या नही, क्योंकि ये लोग अपने को हरियाणा का निवासी बताकर लाइसैंस इशू करवा लेते है? इसलिए सरकार को ऐसे लोगों को लाइसैस देने से पहले उनके बारे में अच्छी तरह से

छानबीन कर लेनी चाहिए। इसके अलावा हरियाणा के लोग जब लाइसैंस के लिए ऐप्लाई करते हैं तो उनको लाइसंस नहीं मिलते। तो क्या आप ऐसे निर्देश जारी करेंगे कि जो अच्छे लोग हैं, उनका लाईसैंस जल्दी से मिल जाये और उनको किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, जब हम लाइसैस देते हैं तो सबसे पहले उस इलाके का एस० एच० ओ० रिकमैड करता है। वह इस बात को देखता है कि जिसने लाइसैसं के लिए ऐप्लाई किया है वह आदमी कैसा है, उसका कौन सा गांव है उसका चाल चलन कैसा है तथा उसके खिलाफ कोई केस तो नहीं है। इन सब बातों को देखकर ही वह एस० एच० ओ०, डी० एस० पी० को अपनी रिपोर्ट भेजता है। इसके बाद डी० एस० पी० अपनी रिकमैंडेशन एस० पी० को भेजता है और फिर एस० पी० अपनी रिकमैंडेशन डिप्टी कमिश्नर को भेजता है। उसके बाद ही लाइसैंस किसी व्यक्ति को मिलता है। जहां तक दूसरी स्टेट के लोगों द्वारा हरियाणा से असला–ले जाने की बात है, इस बात में कुछ सच्चाई है। पिछले चार सालों में इनके राज में ग्रीन ब्रिगेड के नाम पर उत्तर प्रदेश के लोगों ने भी हरियाणा से कुछ लाइसैंस इशू करवाये हैं। लेकिन ऐसे सब लाइसैसों को हमने कैंसल कर दिया है और उन सभी के खिलाफ कार्यवाही भी कर रहे हैं।

चौधरी ओम प्रकाश बेरी अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि क्या सरकार सैमी–ओटोमैटिक वैपन्ज के लाइसैस देने का विचार रखती है? दूसरी एक और बात भी मैं जानना चाहता हू। मुख्य मंत्री महोदय ने यह बताया है कि काफी

वैरीफिकेशन करानी पड़ती है। क्या उनके नोटिस में यह बात है कि प्रोपर वैरीफिकेशन होने के बाद भी एस ० पी० ऐप्लीकेशन को अपने पास रखे रहते है, रिकोमैंडेशन करके डी० सी० के पास ऐप्लीकेशन नहीं भेजते। क्या सरकार इस बारे में इन्टरवीन करेगी कि जिन ऐप्लीकेशन्ज की प्रोपर वैरीफिकेशन हो चुकी है और रिकोमैंडेशन उनके पास आ चुकी णै, उन लोगों को लाइसैस देने के लिये डी० सी० को रिकोमैंडेशन जल्दी भेजी जाये? एक बात और है। पहले एस० डी० एम० को यह पावर थी कि वह लाइसेस इशू कर सकता था। अब केवल वह रिन्यू कर सकता है। क्या इस बात पर सरकार पुनर्विचार करेगी कि एस० डी० एम० को नये लाइसेंस इशू करने की पावर्ज दे दी जायें?

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय इनकी यह बात ठीक है कि पहले एस ० डी ० एम० को पावर थी कि वह लाइसैंस इशू कर सकता था लेकिन अब डी ० सी ० को यह पावर हमने दे रखी है। इन की इस बात पर विचार किया जा सकता 'है लेकिन प्रौपर बात तो यही होगी और ठीक भी रहेगी कि डी० सी० के पास ही यह पावर रहे। उसको जिले का हैड होने के नाते से सारा कुछ पता होता है, पूरी जानकारी रहती है और वह तह में जाकर लाइसैस इशू करता है ताकि लाइसैंस का मिसयूज न हो। जहां तक जिले के एस० पी० के अपने पास ऐप्लीकेशन्ज रखे रहने का सम्बन्ध है, उस बारे में हम यह हिदायत कर देंगे कि पंद्रह दिन के अन्दर–अन्दर एस० पी० उस ऐप्लीकेशन को या तो रिकोमैंड करके डी० सी० को मेज दे या फिर उसको रिजैक्ट कर दे। जहा तक इन्होने प्रोहिबिहेटिड और नोन प्रोहिबिहेटिड वेपेन्ज का

लाइसैस देने के बारे में बात को है, मैं यह बता देना चाहता हूं कि प्रोहिबिटिड वैपेन्ज का लाइसैस तो भारत सरकार देती है। स्टेट गवर्नमैंट को इस बारे में कोई अधिकार नहीं है। जिन वैपन्ज का स्टेट गवर्नमैंट को अधिकार है, वह स्टेट गवर्नमैंट देती है।

चौधरी अजमल खां स्पीकर महोदय मैं आपकी मार्फत मुख्य मंत्री जी से एक बात जानना चाहता हूं। मेरे इलाके में दो जिने पडते हैं एक फरीदाबाद है और दूसरा गुडगांव है। शिखराव सें उटावड जाते वक्त लाइसैंसड बन्दूक वालों से भी बौर्डर पर बंदूक रखवा ली जाती हए। एक तो ऐसी हिदायत होगे चाहिये कि ऐसा न करें। दूसरी' बात' यह है कि एस० पी० को क्या यह हिदायत दे रखी है कि उसकी मर्जी के बगैर थानेदार लाइसैंस की रिकोमैंडेशन ही न करे। कोई भी आदमी एस० पी० को ऐप्रोच कर ले तब तो रिकोमैंडेशन होती है वरना नहीं होती। अगर किसी और की रिकोमैंडेशन आ जाये तो एस० पी० 6 महीने तक उस की ऐप्लीकेशन रिकोमैंड ही नहीं करता। क्या चीफ मिनिस्टर साहब सब जिलों के लाइसैंसों को स्टेट लाइसेंस डिक्लेयर करने की कृपा करेंगे और दूसरे क्या एस० पी० साहब से यह कहेंगे कि अगर कहीं और से लाइसैंस के लिये रिकोमैंडेशन होकर आये, तो उसको भी वह रिकोमैंड करे वरना बड़ी दिक्कत है।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, ऐसा बिल्कुल नहीं है। अगर कोई ऐसी बात माननीय सदस्य के नोटिस में हो तो वे हमें बताये कि एस० पी० यह कहता हो कि मेरे कहे बगैर एस० एच ० ओ० लाईसैस की रिकोमैंडेशन न करे या किसी दूसरे की रिकोमैंडेशन वह

मानता ही नहीं है। यह बात ठीक है कि एस० एच० ओ० की अपनी डियूटी भी है, उसका इलाका जो होता है, उसका उसको ज्यादा पता होता है। उस इलाके का अफसर भी वही होता है। जहा तक इन्होंने कहा कि बौर्डर पर गांव पड़ता है, वहां पर बंदूक रखवा लेते हैं, इस वारे में स्यिति यही है कि वे रखवा लेंगे क्योंकि साथ ही गुड़गांव का बौर्डर पड़ता है। यदि फरीदाबाद से गुड़गांव जिले में कोई व्यक्ति हथियार लेकर प्रवेश करेगा और उसके पास केवल फरीदाबाद जिले का लाइसैंस हो तो उसका रखवा ही लेंगे जब तक कि उसके पास सारे हरियाणा का लाईसैंस न हो। इसलिये उनको स्टेट लाइसैंस के लिये ऐप्लाई करना चाहिये। अगर स्टेट लाइसैंस उनके पास होगा तो उनको कोई दिक्कत नहीं आयेगी। आने–जाने में फिर उनको कोई रुकावट नही होगी। दूसरी बात के बारे में जैसे मैंने पहने मो कहा, एस० पी ० को हम यह हिदायत करेंगे। ऐसी कोई बात नहीं होगी कि अगर वह कहेगा तमो रिकोमैंड होगा। थानेदार या किसी और जगह से रिकोमैंडेशन आये तब भो विचार होना चाहिये।

श्री अमर सिंह : स्पीकर साहब, मैं आदरणीय मुख्य मती महोदय से यह जानना चाहता हूं कि सिरसा जिले के 446 लाइसैसो में से कितने लाइसैस आल–इंडिया के हैं और कितने स्टेट के हैं और इसी तरह से हिसार जिले के 1,272 लाइसैसो में से कितने आल–इंडिया के है और कितने स्टेट के हैं?

श्री अध्यक्ष यह सप्लीमैंटरी मेन क्वैश्चन से अराइज नही होती। आप कृपया बैठें।

Starting of M.A. classes

***207. ShriAttar Singh Mandhiwala :** Will the Minister for Education be pleased to fstate whether there isAny proposal under consideration of the Government to start M.A. classes in J.V.M.G. R.R. College, Charkhi Dadri; if so, the time by which these classesAre likely to be started ?

शिक्षा मंत्री (श्रीमती शान्ति देवी राठी)जे ० वी ० एम० जी० आर ० आर ० महाविद्यालय, चरखी दादरी में एम ० ए ० की कक्षाएं शुरू करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

प्रो० छतर सिंह चौहान क्या मन्त्री महोदया बताने की कृपा करेंगी किं किसी भी कालेज में एम० ए ० क्लासिज खोलने का क्या क्राईटेरिया है और क्या दादरी का कालेज एम० ए० क्लासिज खोलने का क्राईटेरिया पूरा नहीं करता ?

श्रीमती शान्ति देवी राठी : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहती हूं कि एम० ए० क्लासिज खोलने का क्राईटेरिया यह है कि जिस कालेज में स्नातकोत्तर कक्षाएं खुलनी हों उस कालेज से प्रार्थना पत्र आता है और उसके बाद चार आदमियों की एक कमेटी बनाई जाती है जिसमें निदेशक, हायर ऐजूकेशन, संयुक्त निदेशक, एक प्रतिनिधि कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी का और एक प्रतिनिधि महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी का होता है। यह कमेटी इस पर विचार करती है।

प्रो ० छतर सिंह चौहान क्या मन्त्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि दादरी कालेज की मैनेजमैंट की तरफ से कोई प्रार्थना पल आया है और क्या यह कालेज उन नार्मज को पूरा नहीं करता कि वहां एम ० ए० क्लासिज खोली जा सकें?

श्रीमती शान्ति देवी राठी स्पीकर साहब, प्रार्थना पत्र वास्तव मे उपलब्ध हुआ है लेकिन धनाभाव के करण इस वर्ष क्लासिज चालू नही कर पाएंगे। आने वाले वित्त वर्ष मे इस पर विचार किया जाएगा।

श्रीमती चन्द्रावती स्पीकर साहब, वहां पर एक ही कालेज है और यह कालेज गवर्नमैट का कलेज नही है। वहां पर एम ० ए० क्लासिज न होने से वहां के विद्यार्थियों को बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। क्या मन्त्री महोदया बताने की पा करेगी कि ऐसी हालत मे दादरी के जो विद्यार्थी हैं वे कहां जाएं। अगर वहां पर इस समय एम० ए ० की क्लासिज शुरू नही हो सकती तो कम से कम आश्वासन तो दे दें कि एम ० ए ० की एलासिज किस वर्ष में शुरू की जाएंगी?

श्रीमती शान्ति देवी राठी अध्यक्ष महोदय मैं माननीय सदस्या को बताना चाहती हूं कि रोहतक और भिवानी में पहले ही एम० ए० क्लासिज का प्रावधान है और ये दोनों जगह दादरी से अति निकट हैं। दूसरी बात मैं यह कहना चाहती हूं कि आने वाले वित्त वर्ष में इस पर विचार किया जा सकता है।

RecruitmentAgainst reserved vacancies

***148. Prof. Chhattar Singh Chauhan :** Will the Minister

for Education be pleased to state—

(a) the category-wise number of personsAppointed in Haryana Education Board, Bhiwani during the period from July, 1987 todate togetherwith the number of persons belonging to reserved oategories separately;And

(b) whether there isAny backlog- of the representation of the reserved category of postsAs referred to on part (a)Above; if so, the tfme by which, it is likely to be filled up ;

शिक्षा मन्त्री (श्रीमती शान्ति देवी राठी)

(क)सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

(ख)नही।

सूचना

वर्ग	योग	सामान्य	अनुसूचित जाति	पिछड़ी जाति	अंपंग	भू ० पू ० सैनिक
द्वितीय	2	2				
तृतीय	190	87	41	18	05	39
चतुर्थ	139	56	37	22	03	21
योग	331	145	78	40	08	60

श्रेणी 111 के 117 लिपिक, जो वर्ष 1991 में नियुक्त किये गये थे, उनकी सेवाएं माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार समाप्त की गई थी।

प्रो० छतर सिंह चौहान : स्पीकर साहब, मैंने अपने सवाल में यह पूछा था कि रिजर्वेशन पूरी है या नहीं है लेकिन मन्त्री महोदया ने जो जवाब दिया है उसमें इस बात का कोई जिक्र नहीं किया है कि रिजर्वेशन मे जो बैकलौग है वह पूरा है या नहीं है। क्या मन्त्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि रिजर्वेशन में कोई बैकलौग है या नहीं है और अगर बैकलौग है तो वह कब तक पूरा कर दिया जाएगा? अध्यक्ष महोदय, इन्होंने 662 की संख्या बताई है कि कुल 662 व्यक्ति जुलाई, 1987 से अब तक भर्ती किए गए हैं लेकिन इन्होंने बैकलौग को पूरा करने के बारे में कुछ नहीं बताया है?

श्रीमती शान्ति देवी राठी स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से बताना चाहती हूं कि माननीय सदस्य ने जवाब पर गौर किया होता और रूचि लेकर विवरण को अगर पढ़ा होता तो उनको पता लग जाता। इसमें स्पष्ट बताया है कि कोई पद खाली नहीं है। सभी पद भरे जा चुके हैं चाहे वे सामान्य वर्ग के हैं या आरक्षित वर्ग के हैं।

15.00 बजे।

प्रो० राम बिलास शर्मा अध्यक्ष महोदय, क्या आदरणीय शिक्षा मन्त्री महोदया यह बताने का कष्ट करेंगी कि बैकवर्ड क्लासिज या ऐक्स सर्विसमैन के लिये जो रिजर्वेशन का कोटा सरकार ने निर्धारित किया है

वह प्रदेश की सामान्य नीति के अनुसार ही रखा गया है, अगर हां तो उसका ब्यौरा बताने का कष्ट करेंगी?

श्रीमती शान्ति देवी राठी स्पीकर सर, मैं माननीय सदस्य को आपके माध्यम से यह बताना चाहती हूं कि हमारे ऐजुकेशन बोर्ड का जो सामान्य वर्ग का और दूसरी कैटेगरी का कोटा है, वह इस प्रकार है–

सामान्य वर्ग	50 प्रतिशत
अनुसूचित जाति	20 प्रतिशत
पिछड़ी जाति	10 प्रतिशत
भूतपूर्व सैनिक	17 प्रतिशत
विकलांगों के लिये	3 प्रतिशत जिसमें 1 प्रतिशत अंगहीन, 1 प्रतिशत बहरों के लिये व 1 प्रतिशत जोकि विशेष रूप से विकलांग हो।

तारांकित प्रश्न संख्या 172

यह प्रश्न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य, श्री मोहन लाल पिपल, सदन में उपस्थित नहीं थे।

Uttawar Distributary

***194. ChaudhriAzmat Khan :** Will the Minister for IrrigationAnd Power be pleased to state--

(a) whether it isA fact that water of Uttawar distributary does not teach upto tail;And

(b) if so, the reasons therefor, togetherwith the steps so far taken or proposed to be taken to supply the water upto tail ?

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, इस डिस्ट्रीब्यूटरी में पानी तो है पर वह पानी टेल तक नहीं पहुंचता है, यत्र ठीक बात है। लेकिन इसके दो चार कारण मैं बता देता हूं। एक तो औवर साइज और गैर कानूनी मोगें लोगों ने लगा रखे हैं। दूसरा कारण यह है कि बिजली की लाईनें बहुत ही लम्बी हैं। तीसरा कारण यह है कि यह लिफट चौनल शै और इसकी लम्बाई 33 किलोमीटर है और इतनी लम्बाई के कारण हम लिफट चौनल में कामयाब नहीं हो सकते। इन कारणों से छोर तक पानी नहीं पहुंच रहा है।

चौधरी अजमत खा अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने बताया कि टेल पर पानी न पहुंचने के तीन चार कारण हैं। मैं इनको कहना चाहता हू कि इस नहर को बने लगभग 23–24 साल हो गये हैं और इस अर्से में सरकार यह भी हिमाब नहीं लगा पाई कि यहां पर पानी क्यों नही पहुंच सकता। अगर आज भी पानी लोगों के खेतों के 'कोने। तक नही पहुंच सकता तो मैं समझता हू कि इस नहर के बनने पर जो लागत आई और आज के वक्त में जो इसकी मेनटीनैन्स और दूसरी बातों पर लागत आ रही है वह बे–मायनी है। साथ में इन्होंने अपने सवाल के जवाब में कहा है कि लोगो ने गैर कानूनी–ढग से मोगे लगा

रखे है, यह बात इनकी गल्त कुए। लोगों ने पिछले 9–10 सालो मे अपनी मेहनत से खेतों के कोनों तक पानी पहुचाने के लिये प्रयत्न किये है। हमने पीछे से पुलिस लगाकर, एक–एक मोगे को उखाड़ कर या बन्द कर के उस नहर मैं से जोहड़ों तक पानी पहुंचाया और जोहडो तक पानी पहुंचाने से कुछ खेतों के कोनो तक पानी पहुंचा परन्तु खेतों की सिंचाई नही हुई। सरकार को पता है कि जब पानी छोर तक नहीं पहुच सकता तो फिर 23–24 सालों से उस नहर पर क्यो इतना खर्चा किया जाता रहा है? यूंही झूठी उम्मीदे लोगों को लगाना अच्छी बात नहीं है क्योंकि झूठी उम्मीद पर ही आदमी को ज्यादा परेशानों होता है। सरकार इस पानी की कमी को जल्दी ही पूरा करे ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। उम्मीद की घड़ियां बड़ी कठिनाई से गुजरती हैं। इसलिये मैं आपके माध्यम से सरकार से यह रिक्वैस्ट करना चाहता हूं कि लोगों की कठिनाईयों को ध्यान मे रखते हुए सरकार इसके लिये कोई नये कदम उठाये। कोई नई अलाइनमैन्ट करे, कोई नया तरीका अपनाए जिससे कि ज्यादा से ज्यादा पानी उस नहर में डाला जा सके और लोगों को छोर तक पानी मुहैया किया जा सके।

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहता हूं कि इस सरकार ने सारी बातों के उपाय किये हैं। 24 सालों का जवाब तो मैं दे नहीं सकता। इसके लिये जो जो उपाय हमने किये हैं उनका सारा विवरण मैं आपको देता हूं। यह नहर गुड़गांव कैनाल से निकलती है और गुड़गांव कैनाल की टोटल

कैपैसिटी 22 सौ क्यूसिक है जबकि गुडगांव कैनाल मे 280 क्यूसिक पानी चलता है और बाकी का पानी एस० वाई ० एल ० नहर मे चलेगा। सरकार ने पिछले 8–9 महीनों में जो उपाय किए है उनमें से सब सै पहला उगय यह है कि पहले जहां पानी 6000 आर ० डी ० तक था अब हमने 9000 आर ० डी ० तक पहुंचाया है। अगली फसल मे हम छोर तक पानी पहुचाएगे। इसके अलावा जो ओवर साइज मोगे हें या अनअथोराइज्ड मोगे हैं इनको पुलिस की पैट्रोलिंग करवा कर बन्द करवाया गया और इस वजह से 3000 आर ० डी ० और आगे तक पानी गया। जो बिजली की डिफैक्टिव लाइनें थी उनकी जगह नई लाइनें लगवाने के लिए पैसा जमा करवा दिया गया है और मौके पर काम चालू है। तीसरी बात जो की है वह यह है कि जो लाइनिंग खराब थी उसका हमने पूरी तरह से सर्वे करवा लिया है और लाइनिंग की मरम्मत का काम जल्दी चालू करवाएंगे। चौथी बात हमने यह की है कि इस नहर की 33 किलोमीटर की लंबाई कम करने के लिए हम इसको सीधे चौनल से कनैक्ट करने की योजना बना रहे है यानी टेल के पोर्शन को दूसरे चौनल से डायरैक्ट कनैक्ट कर देंगे।

चौधरी अजमल खां स्पीकर : साहब, मन्त्री जी ने बताया कि टेल तक पानी पहुचाने के लिए वे उपाय करने जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन इन उपायों की वजह सै नहर में तीन हजार बुर्जी आगे तक पानी गया। मैं इनको कहना चाहूंगा कि वह पानी नहर में ही गया होगा किसी के खेत में तो गया नही। दूसरी बात यह है कि लोगों ने बिजली के कनैक्शन लेने के लिए एक साल पहले पैसे जमा करवाए

थे लेकिन आज तक आपका डिपार्टमैंट उनको ट्यूबवैल्ज के कनैक्शन नही दे सका। तीसरी बात यह है कि यह नहर छोर की तरफ से ऊंची है और आगे से नीची है, इसलिए इस पर चाहे आप जितना भी पैसा खर्च कर लें इसका उपाय होने वाला नहीं है।

श्री अध्यक्ष आप इनमे अलग मे बैठ कर बात कर लेना।

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इनका गुस्सा बहुत ठीक है लेकिन वह गुस्सा इस सरकार के खिलाफ नहीं होना चाहिए। पिछले 24 सालों मैं क्या क्या हुआ, कैसे यह नहर खराब बनी, मैंने खुद माना है कि इसकी लाइनिंग डिफैक्टिव है जिसका सर्वे हमने करवा लिया है। बिजली की नई लाइनें लगाने के लिए हमने चार लाख रुपया जमा करवा दिया है और वह काम चालू है जो बहुत जल्द पूरा हो जाएगा। हम इस नहर की सफाई का काम भी करवा रहे हैं और इसके मोगे भी ठीक करवा दिए हैं। ये बातें हमने पिछले 8–9 महीनों में की हैं। सरकार की ठीक नियत का इससे बड़ा सबूत और नहीं हो सकता है।

श्री धर्मपाल सिंह स्पीकर साहब, अभी मन्त्री जी ने बताया कि उस नहर की लाइनिंग खराब थी जिसको वे ठीक करवा रहे हैं। तो मैं मन्त्री जी सै जानना चाहूंगा कि इसी तरह से लोहारू फीडर में एक खेड़ी बुरा माइनर की भी लाइनिंग खराब है, क्या उसका भी सर्वे करवाने पर सरकार विचार करेगी?

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला जरूर करेंगे।

30-Beds HospitalA Ratia

***165. Shri Pir Chand :** Will the Minister for Health be pleased to state whether there isAny proposal under consideration of the Government to upgrade the Ratia Hospital into 30 Beds Hospital ; if so, the time by which it is likely to be upgraded ?

स्वास्थ्य मन्त्री (बहिन करतार देवी)जी हां। निकट भविष्य में।

श्री पीर चन्द : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी का और मंत्री महोदया का इसके लिए धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने रतिया हस्पताल का दर्जा बढ़ाकर 30 बिस्तरों का हस्पताल बनाने के बारे में हां कर दी है। लेकिन इसके साथ साथ उन्होने जवाब में यह लिख दिया है कि उसका दर्जा निकट भविष्य में बढ़ाएंगे। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से यह जानना चाहूगा कि इस निकट भविष्य शब्द को हटा कर क्या उस हस्पताल को 1991–92 में 30 बिस्तरों का बना कर तैयार कर देंगे?

बहिन करतार देवी स्पीकर साहब, हम बहुत जल्दी ही 17 नए कम्युनिटी हैल्थ मैटर बकने जा रहे है जिनमें रतिया भीं शामिल है और जब फाईनैंस डिपार्टमैंट सें इनका अनुमोदन हो जाएगा हम उसको बनाने का काम चालू कर देंगे। जो भी पी ० एच० सी० अपग्रेड की जानो है उसमें स्टाफ बढ़ाया जाता है। उसमें स्पेशलिस्ट डाक्टर्ज की सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। रतिया हस्पताल में माननीय सदस्य के लिए डैंटल सर्जन की पोस्ट का प्रावधान भी हम करेंगे। उस हस्पताल की बिल्डिंग बनाने में भी थोड़ा समय लगेगा। मैं माननीय सदस्य को

बताना चाहूंगी कि वित्त विभाग से इसका अनुमोदन होने के बाद हम जल्दी ही उसका काम शुरू करवा देंगे।

Grant to Municipal Committees in the State

***245. Shri Kitab Singh :** Will the Minister of State for Local Government be pleased to state—

(a) the details of financialAssistance grants given to the Municipal Committees 'n the State during the last 4 years;And

(b) whether there isAny proposal under consideration of the Government to set upA Municipal Grants Commission in the State ?

Minister of State for Local Government (Chaudhri Dharambir Gauba) :

(a) A statement is placed on the Table of the House.

(b) No, sir.

STATEMENT

Sr. No.	Name of Scheme	Grants given to M.Cs.			
		1987-88	1988-89	1989-90	1990-91
1	2	3	4	5	6
				(Rs.	in lac s)
1.	Environmental improvement of	100.00	100.00	110.00	110.00

	Urban Slums				
2.	Adhoc Revenue Earning Scheme	77.00	75.00	—	75.00
3.	Development Works	57.56	50.00	71.00	62.25
4.	Water Supply&Sewerage Scheme	243.10	280.00	280.00	210.00
5.	Floc d Relief		100.00	—	

Note : Daring 1989-90, Rs. 75.00 Iacs were paid to LIC o n behalf of the M.Cs , towards the instalment of Loans&interest.

श्री किताब सिंह स्पीकर साहब, 1988–89 में बाढ़ राहत के लिए 100 लाख रुपए का अनुदान दिया गया। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि गोहाना, सोनीपत और रोहतक के लिए एनवायरनमैंटल इम्प्रूवमैंट औफ अर्बन स्लम्ब के लिए कितना कितना पैसा दिया गया?

चौधरी धर्मबीर गाबा स्पीकर साहब, गोहाना म्यूनिसिपल कमेटी को स्लम डिवैल्पमैंट के लिए 1988–89 में 1.25 लाख रुपए, 1989–90 में 1.50 लाख रुपए और 1990–91 में भी 1.50 लाख रुपए दिए गए। इसी तरह से ऐडहाक रैवेन्यू अरनिंग स्कीम के तहत गोहाना म्यूनिसिपल कमेटी को 1988–89 में एक लाख रुपए दिए, 1990–91 में दो लाख रुपए दिए। इसी तरह से गोहाना म्यूनिसिपल कमेटी को डिवैल्पमैंट वर्कस के लिए 1987–88 में दो लाख रुपए, 1988–89 में 80

हजार रुपए, 1989–90 में 62 हजार रुपए और 1990–91 में 50 हजार रुपए दिए।

श्री किताब सिंह स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया है। मैं आपके माध्यम सै मती जी से यह जानना चाहता हूं कि वर्ष 1988–89 में म्यूनिसिपल कमेटीज को जो एक करोड़ रुपया बाढ़ राहत के लिए दिया गया, उसमें से गोहाना, सोनीपत और रोहतक म्यूनिसिपल कमेटीज को कितना–कितना पैसा दिया गया और स्लम एरियाज की डिवैल्पमैट के लिए इन तीनों जगहों को कितना–कितना पैसा दिया गया ? चौधरी धर्मबीर गाबा स्पीकर साहब, सोनीपत म्यूनिसिपल कमेटी को दो लाख रुपए, रोहतक म्यूनिसिपल कमेटी को 6 लाख रुपए और गोहाना म्यूनिसिपल कमेटी को 3.30 लाख रुपए दिए गए।

श्री राम भजन अग्रवाल अध्यक्ष महोदय, इस सवाल के लिखित जवाब में वाटर सप्लाई एण्ड सिवरेज स्कीम के लिए भी पैसा दिया हुआ, दिखाया गया है। मैं मैली महोदय से पूछना चाहता हूं कि इस पैसे में से भिवानी कमेटी को कितना पैसा दिया गया है और इस साल इस काम के लिए कितना पैसा देने का विचार है?

चौधरी धर्मवीर गाबा अध्यक्ष महोदय, इस काम के लिए इस पैसे में से भिवानी म्यूनिसिपल कमेटी को दो लाख रुपया दिया गया है।

श्री राम भजन अग्रवाल : अध्यक्ष महोदय, एक तो मेरे पूरे सवाल का जवाब नहीं आया। मैंने यह भी पूछा है कि इस साल कितना

पैसा दिया जायेगा। दूसरे मैं यह कहना चाहता हू कि भिवानी के लिए जो दो लाख रुपया दिया गया है यह बहुत कम है।

श्री अध्यक्ष इसके लिंए आप सैपरेट नोटिस दें।

प्रो० राम बिलास शर्मा अध्यक्ष महोदय, एक एतराज तो इस सवाल के बारे में मेरा यह है कि इन्होंने अपने जवाब में लिखा है कि मलिन बस्तियों के वातावरण में सुधार के लिए इतना पैसा दिया गया है। मेरा कहना है कि यहां पर मलिन बस्तियो के वातावरण में सुधार की बजाये सुविधा रहित बस्तियां लिखा जाना चाहिए क्योंकि मलिन शब्द असंसदीय शब्द है। दूसरे मैं यह पूछना चाहता हूं कि जो म्यूनिसिपल कमेटीज को ग्रान्ट दी जाती है, क्या वह आवश्यकतानुसार दी जाती है या राजनैतिक आधार पर देते हैं?

चौधरी धर्मबीर गाबा अध्यक्ष महोदय, जो ग्रान्ट हम म्यूनिसिपल कमेटीज को देते हैं, वह हम चार हैड के तहत देते हैं। वैसे मोस्टली इस ग्रान्ट के लिए किसी कमेटी की आबादी का क्राईटेरिया ध्यान में रखा जाता है। (ए)क्लास कमेटीज, जिनकी आबादी एक लाख से ज्यादा होती हैं, को हम दो लाख रुपया या इससे अधिक देते हैं और (बी)क्लास कमेटीज को तकरीबन डेढ लाख रुपया देते हैं और (सी)क्लास कमेटीज को और कुछ कम देते हैं। ग्रांट देते समय वहां की आबादी को ध्यान में रखा जाता है।

Gram Panchayat Land

***177. Shri Satbir Singh Kadian :** Will the Minister for

Development&Panchayats be pleased to state—

(a) the totalAcreage of Gram Panchayat land in villageAsan Kalan in District Panipat;And

(b) the totalAcreage of land out of thatAs referred ro in part (a)Above under the unauthorised possession ?

विकास मन्त्री (राव बंसी सिंह)

(क)1302 एकड़

(ख)206 एकड़ 3 कनाल 14 मरला

श्री सतबीर सिंह कादयान अध्यक्ष महोदय, मती महोदय ने 206 एकड़ 3 कनाल 14 मरला जमीन पर अवैध कब्जा बताया है। इस जमीन पर स्टेट ऐग्रीकल्चर मिनिस्टर के पी० ए ० के परिवार का कब्जा है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इस नाजायज कब्जे को कब तक हटवा दिया जायेगा?

राव बंसी सिंह अध्यक्ष महोदय, यह कब्जा पहले से ही चला आ रहा है। स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने आते ही ऐसे कब्जे छुड़ाने के लिए 13—8—1991 को 54 केसिज कोर्ट में दाखिल किए। ये केसिज ए ० सी० फर्स्ट ग्रेड की कोर्ट मे चल रहे है।

श्री सतबीर सिंह कादयान स्पीकर सर, मैंने माननीय मन्त्री जी से यह जानना चाहा था कि ये कब्जे कब तक छुड़वा देंगे?

राव बंसी सिंह स्पीकर साहब, हमारी तरफ से पूरी कोशिश की जा रही है कि शीघ्रातिशीघ्र उस भूमि को छुड़ा कर पंचायतों को दे दिया जाए। आप जानते है कि कोर्ट के मामले में सरकार ज्यादा दखलअन्दाजी नही कर सकती फिर भी हम कोशिश कर रहे है कि जल्दी से जलदी पंचायतों को जमीने दिलाई जा सकें।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने वैसे तो ठीक बात कह दी है लेकिन मै बात को थोड़ी सी और क्लीयर करना चाहता हू। पिछले ३ सालों में जो सरकार रही उसका एक ही नजरिया रहा कि पंचायत की जमीन पर कब्जा करवाओ। (विघ्न)आप जरा सुनने की कृपा करें। (विघ्न)स्पीकर साहब, मैं जो बता रहा हू उससे इनको तकलीफ हो रही है। अध्यक्ष महोदय, स्टेट के अन्दर जब इनकी सरकार थी, तो चाहे वह म्युनिसिपल कमेटी की जमीन थी और चाहे पंचायत की जमीन थी, उस पर इन्होने जबरदस्ती कब्जे करवाए। (विघ्न एवं शौर)

श्री धीरपाल सिंह स्पीकर साहब, ये सदन को गुमराह कर रहे हैं। (विघ्न)

चौधरी भजन लाल पंचायतों की जमीन पर जो नाजायज कब्जे हुए हैं, मैं उनके बारे मे जिक्र कर रहा हूं।

श्री धीरपाल सिंह ये सब आपके समय में ही हुए हैं। आप 1982 से 1987 तक का सारा रिकार्ड मंगवा कर देख लें आपको पता चल जाएगा। (विघ्न)आपके भाई ने भी नाजायज कब्जे किये हैं। (विघ्न)

चौधरी भजन लाल : अगर एक पाई का भी ऐसा कोई काम आप दिखा दें तो सरकार छोड़ कर घर चले जाएंगे। चौधरी देवी लाल की तरह बैठे नही रहेगे। (विघ्न)एक चोर दूसरे को भी चोर समझता है। अध्यक्ष महोदय, हमने आते ही फैसला किया और अगस्त महीने में कोर्ट में केस बेदखली के करवाए। पिछले 4 सालों में जो कब्जे हुए हैं उन्हें छुड़ाने के लिए बेदखली के दावे कोर्ट में किए है। (विघ्न)आप जानते है कि 13–8–1991 को हमने बेदखली करवाने के दावे कोर्ट में डाले हैं। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह ये सारे कब्जे आपके ही टाईम में हुए थे। (विघ्न)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इनको तकलीफ इसलिए हो रही है कि जो कब्जे इन्होने करवाए थे वे खाली करवा कर हमने जमीन फोरैस्ट डिपार्टमैंट को दे दी है। इनको तकलीफ यह हो रही है कि जिन जमीनो पर इनके कब्जे थे उनमे से बहुत से तो खाली करवा लिए गए हैं और जो रह गए हैं उनको भी जल्दी ही खाली करवा लिया जाएगा।

Mr. Speaker : Questions hour is over please.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्न का लिखित उत्तर

Cases of Murder registered in the State

***203. Prof. Sampat Singh :** Will the Chief Minister be

pleased to state—

(a) the number of cases of rape, kidnapping/abductionAnd murder registerod in the State during the period from 1stAprl, 1991 todate;

(b) the number of cases out of thoseAs referred to in part (a)Above relating to the persons belonging to Scheduled CastesAnd Women, separately ;

(c) the number of cases, out of thoseAs referred to in part (a)Above, in which theAccused persons have been

arreted/conviotedAndAcquited separatly during the, said period;And

(d) whether the number of casesAs referred toAbove whichAre declared untraced togetherwith the number of cases whichAre under trial in the various courts during theAbove said period categorywise separately ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल)एक विवरण तालिका सदन के पटल पर रखी जाती है।

विवरण तालिका

	बलात्कार	अपहरण/ अपनयन	हत्या
(क)दर्ज किये गये अभियोगों की सख्या	149	302	532

(ख)(अ)अनुसूचित जातियों से सम्बन्धित दर्ज किए गए अभियोगों की संख्या	29	17	3
(ब)स्त्रियों से सम्बन्धित दर्ज किये गये अभियोगों की संख्या	149	199	75
(ग)(अ)अभियोगों की संख्या जिनमें अपराधी गिरफ्तार किये गये	142	142	436
(ब)सजा हुये	--	3	1
(स)बरी हुये	4	2	21
(घ)(अ)अदमपत्ता भेजे गये अभियोगों की सख्या	--	13	21
(ब)न्यायालयों में लम्बित अभियोगों की संख्या	102	137	285

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Water works in the State

36. Shri Sampat Singh : Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) the yearwise names of the water works sanctioned during . the period from 1989-90 to 1991-92 separately in the State;And

(b) whether the work on water worksAs referred to in part (a)Above have been started; if so, the names of the water works where the work has net ben startod so for together with the reasons thereof ?:

Interim Reply

अ० स० पत्र क्र०17/10/92–पी० एच ०

''जगदीश नेहरा

जन स्वास्थ्य मन्त्री

हरियाणा, चण्डीगढ़।

दिनांक 21 मार्च, 1992

तत्काल

आज ही जारी हो

विषय : अतारांकित विधानसभा प्रश्न संख्या 36, जो कि श्री सम्पत सिंह, विधायक द्वारा राज्य मे जलघरों बारे पूछा गया है तथा जो दिनांक 23–3–92 को हरियाणा विधानसभा में उत्तर के लिए देय है, की समय अवधि बढ़ाने बारे।

प्रिय श्री ईश्वर सिंह जी

मैं आपका ध्यान उपरोक्त विषय पर सचिव, हरियाणा विधानसभा द्वारा दिनांक 23–3–92 को होने वाली हरियाणा विधान

सभा की बैठक में पूछे गए अतारांकित प्रश्नो दिनांक 23–3–92 की सूची की ओर दिलाते हुए आपको यह सूचित करना चाहता हूं कि अतारांकित विधानसभा प्रश्न संख्या 36, दिनांक 23–3–92 को हरियाणा विधानसभा में उत्तर के लिए देय है। यह प्रश्न सचिव, हरियाणा विधानसभा से दिनांक 17–3–92 को हरियाणा सिविल सचिवालय मे प्राप्त हुआ है तथा इम सम्बन्ध में यह सूचित किया जाता है कि इस प्रश्न के उत्तर के लिए सूचना राज्य के क्षेत्रीय कार्यालयों से मंगवाई जा रही है जिसके कारण इस प्रश्न का उत्तर दिनांक 23–3–92 को हरियाणा विधानसभा मे देना सम्भव नहीं है। अतः आपसे अनुरोध है कि आप कृपया इस अतारांकित प्रश्न का उत्तर सरकार द्वारा हरियाणा विधानसभा में भेजने के लिए कम से कम एक सप्ताह की समय–वृद्धि प्रदान करने का कष्ट करें।

सादर

आपका,

हस्त/–

(जगदीश नेहरा)

श्री ईश्वर सिंह, अध्यक्ष

हरियाणा विधान सभा,

चण्डीगढ़।''

Earmarking ofAmount for Medicines

25. Prof. Sampat Singh : Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) the totalAmount earmarked for the medicines in Health Department for the year. 1991-92;And

(b) theAmount spent onAnAverage per person on medicine per day during the periodAs referredAbove ?

स्वास्थय मन्त्री (बहिन करतार देवी)

(क)सबहैड ''मैटीरियल एण्ड सप्लाई'' के अन्तर्गत वर्ष 1991–92 में राज्य में कुल 4.09 करोड़ रुपये की व्यवस्था है, इसमें दवाइयों, एक्सरे फिल्में, लैबोरेटरी रिजैन्टस, लिनन, रूई, पट्टियों, गाज और दाखिल मरीजों की खुराक का खर्चा शामिल है। इसके अतिरिक्त निम्न कार्यक्रमों के अन्तर्गत भी दवाइयों की खरीद के लिये राशि निर्धारित की गई है–

1	राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम	25 लाख रुपये
2	परिवार कल्याण कार्यक्रम	28.56 लाख रुपये
3	प्रसूति एवं शिशु स्वास्थ्य	60 लाख रुपये
4.	मैडीकल कालेज	175 लाख रुपये

	हस्पताल, रोहतक	
		288.56 लाख रुपये
	जमा	409.00 लाख रुपये
	कुल	697.56 लाख रुपये

(ख)वर्ष 1991 की जनगणना रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा राज्य की कुल जनसंख्या 1.63 करोड़ है। सामान्यतः प्रत्येक व्यक्ति पर प्रतिवर्ष 4 रुपये 28 पैसे और प्रतिदिन 1.175 पैसे दवाइयों का खर्चा बनता है।

Waiving of Interest

27. Prof. Sampat Singh : Will the Minister for Cooperation be pleased to state the totalAmount of interest waived off in favour of smallAnd marginal farmersAnd villageArtisans of the State during the period from December, 1991 todate under the productionAnd incentive Scheme of the State Government ?

सहकारिता मन्त्री (श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया)उत्पादन प्रोत्साहन योजना 1991 के अन्तर्गत दिसम्बर, 1991 से आज तक छोटे किसानों, सीमान्त किसानों तथा दस्तकारों को अतिदेय ब्याज की राहत के लिये जो प्रोत्साहन की राशि दी गई है, वह निम्न प्रकार है :–

क्रमांक		लाभान्वितों की	प्रोत्साहन की

		संख्या	राशि
			(राशि लाखों में)
1.	छोटे किसान	99578	1618.42
2.	सीमान्त किसान	27732	505.84
2.	दस्तकार	14422	105.72

Remittance of Loan by Haryana Harijan Kalyan Nigam

28 Prof. Sampat Singh : Will the Minister of State for Welfare of Scheduled CastesAnd Backward Classes be pleased to state-

(a) the totalAmount of loan waived off by the Haryana Harijan Kalyan Nigam during the period from June, 1987 toApril, 1991;

(b) the totalAmount of loan earmarked for distribution by the Haryana Harijan Kalyan Nigam during the current financial-year;And

(c) the total-Amount of money disbursed togetherwith the number of beneficiaries by theAbove said Nigam up to the end of January, 1992, year wise separately ?

अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग कल्याण राज्य मन्त्री (चौधरी जोगिन्द्र सिंह)

(क)468.56 लाख रुपए

(ख)

1.	सीधा ऋण	161.88 लाख रुपए
2.	अनुदान	826.46 लाख रुपए
3.	सीमान्त धन	207.87 लाख रुपए
4.	बैक ऋण	473.53 लाख रुपए
	कुल	1469.74 लाख रुपए

(ग)

क्रम सं ०	वर्ष	लाभभोगियों की संख्या	वितरित राशि (रुपए लाखों में)				
			सीधा ऋण	अनुदान	सीमान्त धन	बैक ऋण	कुल
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	1970-71	21	1.82				1.82
2.	1971-72	565	22.39				22.39
3.	1972-7	209	5.44				5.44
4.	1973-74	442	12.27				12.27
5.	1974-75	482	12.61				12.61
6.	1975-76	305	5.68				5.68
7.	1976-77	356	7.54				7.54

8.	1977-78	442	12.75				12.75
9.	1978-79	816	18.58				18.58
10.	1979-80	656	15.58				15.58
11.	1980-81	3589	77.33				77.33
12.	1981-82	6640	152.78				152.78
13.	1982-83	10578			91.36	274.08	365.44
14.	1983-84	26220		320.99	6.75	670.45	998.10
15.	1984-85	20118		266.26	36.39	621.85	924.50
16.	1985-86	21026		318.09	140.45	694.68	1153.22
17.	1986-87	24490		403.53	161.22	718.09	1282.84
18.	1987-88	14400		263.44	157.40	413.04	833.88
19.	1988-89	15086		207.08	152.30	460.34	899.72
20.	1989-90	14846		279.54	119.50	472.29	871.33

21.	1990-91	8311		256.84	79.83	229.00	565.67
22.	1991-92	5759		203.97	66.68	154.49	425.14
		175357	344.77	2599.74	1011.88	4708.31	8664.70

Shortage of Drinking Water in Jhajjar Constituency

17. Shri Daryao Singh Rajora : Will the Minister for Public Health be pleased to state whether it isA fact that there isA shortage of drinking water in Jhajjar city, Luhari PatodaAnd Kheri Sultan villages of Jhajjar constituency; if so, the teps taken or proposed to be taken to over-come the said shortage ?

जन स्वास्थ्य मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा)

(क)जी हां।

(ख)(1)झज्जर शहर में जल वितरण योजना को बढ़ाने हेतु कार्य प्रगति पर है।

(2)गांव लुहारी पटोदा और खेड़ी सुल्तानपुर में पेयजल की कमी के बारे स्कीम के लिए और अधिक नहरी जल प्रात करने के लिये प्रयत्न किए जा रहे हैं।

Plying of Buses

18. Shri Daryao Singh Rajora : Will the Minister of State for Transport be pleased to state—

(a) whether it isA fact that the Buses of Haryana Roadways which were operating from Rohtak to RewariAnd Gurgaon via JhajjarAnd Gurgaon to Rohtak via Jhajjar have been stopped,AndAre now plying via Delhi;And

(b) if so, the reasons thereof ?

परिवहन राज्य मन्त्री (श्री बलबीर पाल शाह)

(क)नहीं जी।

(ख)रोहतक से रिवाड़ी बरास्ता झज्जर और रोहतक से गुड़गांव बरास्ता झज्जर की बस सेवाएं अस्थाई तौर पर महाप्रबन्धक, हिसार, भिवानी, कैथल, जींद, यमुनानगर और करनाल ने बसों की कमी के कारण बन्द कर रखी हैं। फिर भी जनता को सुविधा देने के लिए महाप्रबन्धक, रिवाड़ी, रोहतक और गुड़गांव ने झरकर अर रिवाड़ी, रोहतक और गुडगांव के मध्य शट्ल सेवाएं चला रखी है। केवल महाप्रबन्धक, रिवाड़ी ने ही अपनी दो सेवाएं बदलकर रिवाडी से चण्डीगढ बरास्ता दिल्ली कर रखी हैं। उन्हें हिदायतें दी जा रही है कि वे अपनी बस सेवाएं बरास्ता झज्जर और रोहतक ही चलाएं।

Illegal possession on Government landAt Jhajjar

19. Shri Daryao Singh Rajora : Will the Minister for Revenue be pleased to state whetherAny case of illegal possession of the Government land near old Bus Stand Jhajjar by some one has come to the notice of the Government; if so, the details thereof ?

राजस्व मन्त्री (चौधरी बीरेन्द्र सिंह)जी हां, सर्वश्री बनारसी दास तथा सुभाष दीवान, निवासीगण झज्जर द्वारा खसरा नंबर 935/1 तथा 935/2 (1 कनाल 18 मरला)नजदीक पुराना बस स्टैड, झज्जर पर चारदीवारी बनाकर कब्जा करने का प्रयास किया गया था। जब यह तथ्य स्थानीय प्रशासन के ध्यान में आया तो नाजायज कब्जा हटा दिया गया और नाजायज तौर पर कब्जा करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही आरम्भ कर दी गई है।

Power StationAt BabainAnd Basantpura

14. Sathi Lehri Singh : Will the Minister for Irrigation&Power be pleased to state—.

(a) whether there isAny proposal under consideration of the Government to upgrade the Power StationAt Babain (Kurukshetra)And Basantpura (Yamuna Nagar) ;

(b) whether there isAny proposal under consideration of the Government to set upA New 66 K.V. Sub-stationAt JathlanaAnd Berthala;And

(c) if the reply to part (a)&(b) in theAffirmative, the time by which the proposalsAre likely to be materialized ?

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला):

(क)हां, श्रीमान जी

(ख)बेरथला में 66 के ० वी ० उपकेन्द्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नही है। यद्यपि, बेरथली में एक 66 के० वी ० उप केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव है जो कि बेरथला के बिल्कुल पास ही है जोकि इस समय परीक्षणाधीन है। जठलाना मे एक 66 के० वी ० उप केन्द्र का निर्माण उसकी चालू होने की अनुसूची तथा धन की उपलब्धि के स्त्रोत को ध्यान में रखते हुए समीक्षा के अधीन है।

(ग)बबैन मे 66 के० वी ० उप केन्द्र मार्च 1993 तक पूरा होना सम्भावित है और 66 के० वी ० उप केन्द्र बसन्तपुरा की क्षमता वर्ष 1992—93 के दौरान बढ़ाने की योजना है।

Officers/Offrcials in ExciseAnd Taxation Department

15. Sathi Lehri Singh : Will the Minister for ExciseAnd Taxation be pleased to state—

(a) the category-wise total strength of officersAnd officials in the Excise fand Taxation department togetherwith the number of offrcers/offrcials belonging to Scheduled CastesAmongst them;And

(b) whether there isAny backlog in the reservation; if so, the time by which it is likely to be wiped off ?

आबकारी तथा कराधान मन्त्री (श्री ए ० सी ० चौधरी):

(क)विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

(ख)श्रेणी–3 में आरक्षित पदों के सम्बन्ध में कुछ बैक–लौग है। इस बैक–लौग को दूर करने के लिए शीघ्रता से पग उठाये जा रहे हैं।

विवरण

(क)आबकारी व कराधान विभाग में अधिकारियों तथा कर्मचारियों की श्रेणीवार कुल संख्या तथा अनुसूचित जातियों से सम्बन्धित की संख्या निम्न प्रकार है

क्रम संख्या	पदों का वर्गीकरण	कुल संख्या	अनुसूचित जाति से सम्बन्धित की

			संख्या
1	श्रेणी–1	38	3
2.	श्रेणी–2	319	48
3.	श्रेणी–3	1783	281
4.	श्रेणी–4	950	280

Caine growers Co-operative Society

16. Sathi Lehri Singh : Will the Minister for Co-operation be pleased to tate—

(a) the categorywrse total number of employees in the Radaur Cane Growers Cooperative Society, Radaur, Ditrict Yamuna Nagar togetherwith the number of employees belonging to Scheduled CastesAmongst them;And

(b) whether there isAny shortfall in the reservation; if so, the time by which it is likely to be wiped off ?

सहकारिता मन्त्री (श्रीमती शकुन्तला भगवाडिया)

(क)रादौर गन्ना उत्पादक सहकारी समिति लि० रादौर में वर्गवार कर्मचारियों की संख्या तथा उनमें अनुसूचित जातियो से सम्बन्धित कर्मचारी निम्न प्रकार हैं :–

	कर्मचारी वर्ग	कर्मचारियों की संख्या	अनुसूचित जातियों के

					कमचारी		
		स्थाई	सीजनल	दैनिक वेतन भोगी	स्थाई	सीजनल	दैनिक वेतन भोगी
1.	सचिव	1					
2.	लेखाकार	1					
3.	लिपिक	2					
4.	सुपरवाईजर	3					
5.	कामदार	7	1 3	48			
6.	सेवक	1					
	जोड़	15	13	48	1		

(ख)उपरोक्त समिति में कर्मचारियों की भर्ती में अनुसूचित जातियो के आरक्षण का कोई प्रावधान नही है। अतः इस समिति में आरक्षण में कमी का प्रश्न ही उत्पन्न नही होता।

Construction of Houses for the persons belonging to Scheduled CastesAnd Backward Classes

29. ShriAmar Singh : Will the Minister of State for Housing be pleased to state the total number cf Houses constructed by the Housing Board, Haryana on the plots of 100 yards for the

persons belonging to Scheduled CatesAnd Backward classes during the period from 1983 todate in the State togetherwith the number of housesAllotted so far ?,

आवास राज्य मन्त्री (राव धर्मपाल)

1983 से आज तक बनाए गए मकानों की संख्या 3033

आबटित मकानों की संख्या 1773

Amount spent by Haryana Backward Classes Kalyan Nigam

31. ShriAmar Singh : Will the Minister of State for Welfare of Scheduled CatesAnd Backward Classes be pleased to State the scheme-wise/district-wiseAmount spent by the Haryana Backward Classes Kalyan Nigam for the Welfare of the persons belonging to Backward classes during the period from July, 1991 todate-together with the number of beneficiaries ?

अनुसूचित जाति एव पिछडे वर्ग कल्याण राज्य कवी (चौधरी जोगिन्द्र सिंह)विवरण विधान सभा के पटल पर रखा है।

विवरण

स्कीमवार/जिलावार लाभ पात्रों की संख्या तथा वितरित राशि 1–7–91 से 29–2–92 (रु० लाखो में)

क्र० सं०	जिले का नाम	कृषि तथा उस से सबंधित क्षेत्र			औद्योगिक क्षेत्र			व्यवसायिक क्षेत्र			व्यापारिक एवं स्वयं रोजगार क्षेत्र			कुल			
		लाभ पात्रों की संख्या	निगम शेयर	बैंक शेयर	लाभ पात्रों की संख्या	निगम शेयर	बैंक शेयर	लाभ पात्रों की संख्या	निगम शेयर	बैंक शेयर	लाभ पात्रों की संख्या	निगम शेयर	बैंक शेयर	लाभ पात्रों की संख्या	निगम शेयर	बैंक शेयर	कुल
1.	अम्बाला	33	0.46	1.38	13	0.29	0.87	25	0.47	1.41	14	0.24	0.72	85	1.46	4.38	6.84
2.	यमुनानगर	2	0.05	0.15							4	0.04	0.12	6	0.09	0.27-	0.36
3.	भिवानी	48	0.75	2.25	6	0.14	0.42	31	0.58	1.74	45	0.88	2.64	130	2.35	7.05	9.40

4.	फरीदाबाद	14	0.20	0.60	12	0.28	0.S4	42	0.84	2.50	17	8.35	1.05	85	1.67	5.01	6.68
5.	गुड़गांव	33	'0.70	2.10	3	0.36	0.18	20	0.40	1.20	17	0.29	0.87	73	1.46	4.35	5.80
6.	हिसार	14	0.21	0.63	16	0.08	1.08	38	0.67	2.01	17	0.35	1.05	85	1.59	4.77	6.36
7.	कुरुक्षेत्र	30	0.50	1.50	10	0.25	0.75	18	0.37	1.11	8	0. 17	0.51	66	1.29	3.87	5.16
8.	कैथल	9	O. 13	0.39	4	0.10	0.30	2	0.04	0.12	2	0.03	0.09	.17	0.30	0.90	1.20
9.	करनाल	18	0.21	0.63	6	0.12	0.36	16	0.37	0.11	9	0.16	0.48	49	0.86	2.58	3.44
10.	पानीपत	7	0.10	0.30	5	0.98	0.24	2	0.06	18	7	0.10	0.30	21	0.34	1.02	1.36
11.	नारनौल	16	0.19	0.57	24	0.45	1.35	28	0.35	1.05				68	0.99	2.97	3.96
12.	रिवाडी	17	0.22	0.66	15	0.35	1.00	16	0.22	0.66				48	0.79	2.37	3.16
13.	रोहतक	7	0.12	0.36				14	0.27	0.81	13	0.24	0.72	34	0.63	1.89	.2.52
14.	सोनीपत	12	0.17	0.51	11	0.15	0.45	14	0.19	0.57	9	0.16	0.48	46	0.67	2.01	2.68

15	जीन्द	26	0.32	0.96	6	0.13	0.39	30	0.40	1.20	51	1.07	3.21	113	1.92	5.76	7.68
16.	सिरसा	11	0.22	0.66	1	0.02	0.06	26	0.55 1.65		2	0.06	0.18	39	0.85	2.56	3.40
		297	4.55	13.65	132	2.78	8.54	321	6.78	17.4	215	4.14	12.42	965	17.25	51.75	69.00

Amount spent by Harijan Kalyan Nigam

32. ShriAmar Singh : Will the Minister of State for Welfare of Scheduled CastesAnd Backward Classes be pleased to state the schemewise/district-wiseAmount spent by the Haryana Harijan Kalyan Nigam for the Welfare of the persons belonging to Scheduled Castes during the period from July, 1991 todate together with the number of beneficiaries.

अनुसूचित जाति एवं पिछड़ी वर्ग कल्याण राज्य मंत्री (चौधरी जोगिन्द्र सिंह)विवरण विधान सभा के पटल पर रखा है।

विवरण

स्कीमवार/जिलावार लाभ पात्रों की संख्या तथा वितरित राशि 1–7–91 से 29–2–92 (रु० लाखो में)

क्र०	जिले का नाम	कृषि तथा उस से सबंधित क्षेत्र			औद्योगिक क्षेत्र			व्यवसायिक क्षेत्र			व्यापारिक एवं स्वयं रोजगार क्षेत्र			कुल			
		लाभ पात्रों की संख्या	निगम शेयर	बैंक शेयर	लाभ पात्रों की संख्या	निगम शेयर	बैंक शेयर	लाभ पात्रों की संख्या	निगम शेयर	बैंक शेयर	लाभ पात्रों की संख्या	निगम शेयर	बैंक शेयर	लाभ पात्रों की संख्या	निगम शेयर	बैंक शेयर	कुल
1.	अम्बाला	1 91	6.35	5.30	60	2.39	0.91	132	6.74	2.44	3	0.03	0.03	376	15.51	8.68	34.19
2.	भिवानी	613	23.00	20.48	27	1.90	0.70	121	7.72	3.02	-	-	--	761	32.62	24.20	56.82

3.	फरीदाबाद	242	7.42	6.42	102	6.11	2.1 7	246	14.75	5.31	--			592	28.28	13.90	42.10
4.	गुडगांव	234	7.80	7.76	173	11.03	4.01	136	8.77	3.33	3	0.03	0.03	546	27.62	15.13	42.75
5.	हिसार	608	27.77	19.46	73	4.05	1.6,1	254	12.82	4.52	2	0.06	0.02	937	44.70	25.62	70.32
6.	जीन्द	375	18.03	11.03	30	1.96	0.78	202	13.84	4.84	2	0.02	0.03	609	33.85	16.68	50.53
7.	कैथल	118	4.16	4.60	50	2.79	1.03	59	3.27	1.31	1	0.08	0.04	228	10.90	6.98	17.88
8.	करनाल	180	6.93	5.54	27	1.34	0.47	39	1.71	0.56	2	0.02	0.02	248	10.00	6.59	16.17
9.	कुरुक्षेत्र	193	6.67	5.42	24	1.65	0.63	131	7.90	2.94	1	0.01	0.01	349	16.13	9.00	25.23
10.	महेन्द्रगढ	276	12.09	9.88	65	2.88	1.06	69	3.49	1.34	1	0.02	0.01	401	18.48	12.29	30.77
11.	पानीपत	157	6.23	4.91	31	1.82	0.62	33	1.57	0.54		-	--	221	9.62	6.07	15.69
12.	रेवाड़ी	113	4.31	3.93	76	3.93	1.44	78	4.17	1.44	1	0.01	0.02	268	12.42	6.83	19.25
13.	रोहतक	95	3.03	3.20	22	1.37	5.52	79	4.97	1.79				196	9.37	5.51	14.88

14.	सिरसा	219	10.13	8.41	89	'6.42	2.24	59	3.74	1.54	3	0.03	0.03	370	20.32	12.22	32.51
15	सोनीपत	246	6.49	7.29	82	4.95	1.75	189	11.23	3.99	2	0.02	0.02	519	22.69	13.05	35. 74
16.	यमुनानगर	275	10.17	6.79	50	1.83	0.63	72	3.43	1.14	3	0.26	0.36	400	15.69	3.92	24.8 1
	कुल	4135	161.08	130.42	961	56.41	20.68	1901	110.12	40.00	24	0.59	0.62	7021	328.20	191.67	519.87

Recruitment/Promotion in Revenue Department

33. ShriAmar Singh : Will the Minister for Revenue be pleased to tate whether the reservation policy/intructions in respect of recruitment/promotion of employees belonging to Scheduled CastesAnd Backward Classes in the Revenue department is being implemented ?

Interim Reply

"BIRENDER SINGH D.O. No. RM/1955-E-I-92/

Revenue Miniter,

Haryana.

Dated 20-3-1992.

Subject : UnstarredAssembly Question No. 33Asked by ShriAmar Singh, M.L.A. regarding recruitment/Promotion in Revenue Department.

Dear Shri Ishwar Singh ji,

TheAnswer toAssembly unstarred quetion No. 33Appearing in the list of unstarred quetions for 23rd March, 1992 in the name of ShriAmat Singh, M.L.A. is not readyAs information isAwaited from the field. I will be grateful ifA fortnight's extension is granted for furnishing reply to the question.

With regards,

Yours sincerely,

Sd./-

(BIRENDER SINGH)

Shri Ishwar Singh,

Speaker, Haryana Vidhan Sabha."

Construction of Roads byAgricultural Marketing Board

30. Shri Rumesh Kumar : Will the Minister forAgriculture be pleased to state-

(a) whether there isAny proposal under consideration of the Government to construct the following roads in Baroda Constituency by the Haryana StateAgricultural Marketing Board :—

Mohmudpur to Sainipura

Gharwal to Ridhana

Jwara to Busana via Bharauti

Nizampur to Meharara

Isapur Kheri to Gangana

Siwanamal to Bagru

Kohala to Banwasa

Dhurana to Kat Shahpur

Butana to Bichpari

Sersadh to Siwanka

Mundlana to Siwanka

Mehmudpur to Sarsadh

(GOHANA)

Katwal to Rewara

Rithal to Jasrana

Daudva to Bhadi via Raulad Latifpur

Buana Lakhu to Shamari

Tihar to Bhainswal

Moi Hooda to Rukhi

Jasrana to Gaurar

Gudha to Rohtak road;And

(b) if so, the time by which theAfore-said roadsAre likely to be constructed ?

कृषि मन्त्री (श्री हरपाल सिंह): अपेक्षित सूचना संलग्न विवरण में दी गई है।

विवरण

क्रम संख्या	सड़क का नाम	क्या निम्न सड्कों के निर्माण हेतु कोई प्रस्ताव	समय जब तक सड़कों के निर्माण किये जाने की

		विचाराधीन है	सम्भावना है
1	2	3	4
	बड़ौवा विधान सभा क्षेत्र		
1.	महमूदपुर से सैनीपुर	नही	
2.	गढवाल से रिढाणा	नहीं	
3.	ज्वारा से बसाना बरास्ता भारौटी	नहीं	
4.	निजामपुर से मेहरडा	नहीं	
5.	ईसापुर खेड़ी से गगाणा	हां	जनवरी, 1993
6.	सिवानामाल से बागडूद	नही	
7.	कोहला से बनवासा	हां	जनवरी, 1993
8.	दुराणा से कात शाहपुर	नही	
9.	बुटाना से बिचपड़ी	नहीं	

10.	सिरसाढ से सिवानका	नहीं	
11.	मुण्डलाना से सिवानका	नही	
12.	महमूदपुर से सिरसाढ	हां	मार्च, 1993
	गोहाना विधान सभा क्षेत्र		
1.	कटवाल से रिवाड़ा	हां	मार्च, 1993
2.	रिठाल से जसराणा	हां	जुलाई, 1993
3.	दोदवा से भादी बरास्ता रौलद लतीफपुर	नहीं	
4.	बुआना लाखु से शामडी	नहीं	
5.	तिहाड़ से भैसंवाल	हां	मई, 1993
6.	मोई हुड्डा से रूखी	नही	
7.	जसराणा से गौरड	नही	
8.	गुढ़ा सेरोहतक रोड	नही	

अध्यक्ष द्वारा रूलिंग–

मेहम पटना पर मेवात आयोग की जांच रिपोर्ट को रिजैक्ट करने संबधी

Mr. Speaker : I have to giveA ruling.

Hon' ble Members on the 17th March, 1992, I reserved my ruling on the point raised by Shri Sampat SinghAs to whether the Government is empowered to reject the Report (Grewal Commission of Inquiry Report), which had been laid on the Table of the House, without taking it into confidence.

I have examined the matter. The Commission of Enquiry headed by Mr. Justice S.S. Grewal wasAppointed by the State Government under the Commission of InquiryAcr, 1952. By laying the Report on the Table of the House on the 20th December, 1991, the Government fulfilled the statutory obligation enjoined upon it under sub-section (4) of Section 3 of the saidAct.

So farAs the taking ofActron on the Report is concerned, it isAn executiveActionAnd the Government is well within its jurisdiction to takeA decision thereonAs it may deem fit.

हरियाणा ओलम्पिक ऐसोसिएशन द्वारा स्पोर्टस लाटरी परियोजना लागू करने संबधी मामला

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला अध्यक्ष महोदय. हमारे प्रदेश में ट्रिब्यून की लारजैस्ट सेल है और यह कल का ''संडे ट्रिब्यून'' है। इसमेँ अभय सिंह जो कि ओम प्रकास चौटाला का साहबजादा है उसके बारे में 'सैट पेज पर हैठिग है "PromiseA crore. showA lakh".

अध्यक्ष महोदय, चौटाला राव में आज तक जितने भी कांड हुए हैं उनमें से सबसे बुरा कांड यह है। अभय सिंह हरियाणा ओलम्पिक ऐसोसियेशन के प्रैजिडैंट हैं और उन्होंने दो करोड रुपए की हेराफेरी की है। (शोर एवं व्यवधान)अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के नेता का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि यह बहुत बड़ी न्यूज पै और इस केस में वहुत भारी घोटाला हुआ था। मैं सदन के नेता से निवेदन करूगा कि इसकी इन्कवायरी होनी चाहिए और केस रजिस्टर्ड करके ऐसे लोगों को सजा होनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : राजेन्द्र सिंह जी आपने यदि कोई भी बात कहनी है तो आप अलग से नोटिस दें। (शोर एवं व्यवधान)

जन स्वास्थ्य मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा)अध्यक्ष, महोदय, यह बहुत ही सीरियस मामला है इस पर डिस्कशन होनी चाहिए। (शोर एव व्यवधान)

श्री अध्यक्ष नेहरा साहब, आप बैठिए और राजेन्द्र सिंह जी जो कुछ भी आपको कहना हो उसे पहले लिख कर दें।

वक्तव्य–

मुख्य मन्त्री द्वारा उपर्युक्त विषय सम्बन्धी

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल)अध्यक्ष महोदय, कल के अखबार में यह बात आई और मैंने भी यह दिखवाया कि यह क्या बात है। यह बात बिल्कुल सही है कि हरियाणा औलम्पिक संघ के प्रधान अभय चौटाला हैं जो कि ओम प्रकाश चौटाला के सुपुत्र है और उन्होंने गलत तरीके सै, गलत ढंग से लाटरी इनको दे दी क्योंकि उस समय इनकी सरकार थी। उन्होंने आज तक किसी भी पैसे का हिसाब नहीं दिया और कम से कम हर महीने 15 लाख की लाटरी बिकती हैं और यह एक करोड़ का घपला नहीं है, यह छ करोड रुपए से भी ज्यादा का घपला है। अध्यक्ष महोदय, उन्होंने आज तक उसका कोई हिसाब–किताब नहीं दिया है। (शेम–शेम की आवाजें)मै राजेन्द्र सिंह जी की भावनाओं की कदर करता हूं और इस केस को विजिलैसं को देता हू ताकि इसकी इन्कवायरी हो सके।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, इस सब्जैक्ट पर मैं भी कुछ बोलना चाहता हूं। कल के अखबार में जो लाटरी के बारे में प्रपोजल बनाई गई थी उगका जिक्र है कि 1988–89 में जब चौधरी देवी लाल या चौधरी ओम प्रकाश चौटाला मुख्यमंत्री थे तो यह प्रपोजल बनी कि 50 प्रतिशत तो ओलम्पिक ऐसोसिएशन को, 25 प्रतिशत स्पोर्टस डिपार्टमैंट को और 25 प्रतिशत लाटरी

डिपार्टमैंट को जाए। उस के बाद जो डिपार्टमैंट की प्रपोजल बन कर आई उसमें से एक बात डिलीट हो गई। अध्यक्ष महोदय, गवर्नमैंट को कौन गाईड करना है? मुख्य मली जो को बार बार उधर से कभी कोई अफसर या कोई डिप्टी–सैक्रेटरी पर्ची भेजता रहता है। (विष्य)मुझे भी पर्चियां आती थीं जब मैं मुख्यमंत्री था। तो गवर्नमैंट को ब्यूरोक्रेसी गाईड करती है। उस समय जब डिपार्टमैंट ने यह प्रपोजल बना कर भेजी थी तो कैबिनेट में जब वह एजैन्डा गया तो उसमें से एक बात मिस थी। 50 प्रतिशत और 25 प्रतिशत वाली बात सारी की सारी डिलीट हो गई और सारे का सारा पैसा औलम्पिक ऐसोसियशन के लिए रख दिया। उस समय इस महकमे के सैक्रेटरी कौन थे, फाइनैंस सैक्रेटरी कौन थे? आज जो चीफ सैक्रेटरी हैं वही उस समय फाइनैंस सैक्रेटरी थे, वही उस समय स्पोर्टस के सैक्रेटरी थे। इसलिए उन्होंने ही मिस गाइड किया। इसमे हिस्सा तो उनको भी मिलेगा। इसलिए मुख्य मंत्री जो इंक्वायरी में उनका भी नाम लिख लो। असली जड़ तो वह ही हैं।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, आज के जो चीफ सैक्रेटरी हैं उनके नाम से चौधरी बंसी लाल जी को फोबिया हो रहा है। (शोर)

श्री धीरपाल सिंह अध्यक्ष महोदय, किसी को भी फोबिया नही हो रहा है। चौधरी साहब आपने कहा है कि इंक्वायरी हो रही है। (शोर)

चौधरी भजन लाल आप सुनने की कृपा करिये। अध्यक्ष महोदय, मैंने एक बात कही है कि इसमें हम जांच करवायेंगे और जांच में जिसका भी कसूर मिलेगा, उसको माफ करने का सवाल ही पैदा नही होता। लेकिन कैबिनेट का ऐजेन्डा चीफ सैक्रेटरी ही बनाता है और उस समय आज के चीफ सैक्रेटरी इस पोस्ट पर नहीं थे इसलिए ऐजेन्डा उन्होंने नही बनाया।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी या आप वह फाईल निकलवा कर देख सकते हैं कि उस समय फाइनैस सैक्रेटरी और स्पोर्टसं सैक्रेटरी ने क्या प्रोपोजल बनाकर चीफ सैक्रेटरी के पास भेजी थी। इसलिए इस फाइल को आप सदन के पटल पर रख दें।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, वह भी हम कल इनको बता देंगे। (शोर)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने कहा किं इसमें 8 करोड़ रुपये हरियाणा ओलम्पिक ने लिये। यह बात बिल्कुल झूठ है 1 हरियाणा सरकार ने इस साल कोई भी स्पोर्टस नही करवाये। (शोर)

चौधरी जगदीश नेहरा स्पीकर सर, यह करोड़ों का मामला है इसमें आठ करोड़ रुपये का रण सवाल है? (शोर)

श्री अध्यक्ष जो के कुछे सी० एम० और मिनिस्टर कहते हैं It is to be believed.

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि ऐजेन्डा चीफ सैक्रेटरी बनाता है। तो चाहे ऐजेन्डा चीफ सैक्रेटरी बनाता है या सैक्रेटरी बनाता है मगर ऐजेन्डा सैक्रेटरी के यहां से चलता है और जब कैबिनेट की मीटिंग होती है तो कंसर्ड सैक्रेटरी मीटिंग में बैठता है और उसको अपनी राय देने का अधिकार भी है। इसलिए यह बात मैरी समझ में नहीं आयी कि ये एक आदमी को बचाने के लिए इतना सब कुछ क्यों कर रहे है? वे तो ..... थे और यही अधिकारी उनको पढाता था और यही इसे पढ़ाता है।

श्री अध्यक्ष : यह मूर्ख शब्द ऐक्सपंज कर दिया जाये।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, एक कहावत है कि–

हाथों से तराशे कल जो सनम, मन्दिर में भगवान बने बैठे हैं।

बंसी लाल जी आप तो हमारे सिखाये हुए हैं। आपका राज तो भजन लाल ही चलाता था। आपको बनाने वाला भजन लाल है। आप भजन लाल को क्या पढाओगे?

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, यह जो पढ़ाई पढ़ाते है वह मैं नही पढ़ना चाहता। इसके लिए मैं भगवान से माफी मांगता हूं कि मुझे ऐसी पढाई न पढाये।

विभिन्न विषयों का उठाया जाना

श्रीमती चन्द्रावती अध्यक्ष महोदय, मैंने आज एक कालिंग अटैंशन मोशन हो है कि जींद में एक जे ० ई० ने आत्म हत्या कर ली। उन्होंने आत्म हत्या इसलिए कर ली क्योंकि एक एस० के० गुप्ता एस० ई० हैं जो पहले वीजिलेन्स में अफसर थे। इन्होंने कुछ साल पहले ईटें मंगवा ली थीं और उसके बाद उसने पैसा मंगाना शुरू कर दिया। पांच हजार रुपये देने के बावजूद भी यह उसको परेशान करने रहे। इसलिए उमने आत्म हत्या कर ली। यह बात अखबारों में भी आयी है और कर्मचारियों ने भी इसका विरोध किया है। इसके बाद अब निछत्तर सिंह नाम के जे० ई० ने उसको फिर पैसा दिया है। उसके बाद उसने उससे दिल्ली से सामान खरीदकर लाने के लिए कहा, लेकिन जब वह सामान नही लाया तो उन्होने उसको घर बुलवाया।

श्री अध्यक्ष चन्द्रावती जी, आपने अपनी कालिंग अटेंशन मोसन आज ही दी है। श्रीमती चन्द्रावती स्पीकर साहब, जो एस० के० गुप्ता हैं उनके खिलाफ सारे कर्मचारी हैं। इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी से कहना चाहती हूं कि ये देखें कि कहीं इस तरह से कोई दूसरा आदमी भी आत्म हत्या न कर ले। (विष्य)मैं चाहती हूं कि इरीगेशन मिनिस्टर या मुख्य मंत्री जी के नोटिस में यह बात आये ताकि दूसरा कोई आदमी इस तरह से आत्म हत्या न कर ले। इस बात की पूरी तरह से इन्कवायरी होनी चाहिये और मेरा इस बारे में कालिंग अटैशन मोशन ऐडमिट होना चाहिए। इस तरह से छोटे मुलाजिमों को इस बात के लिये मजबूर न करें कि वे

आत्महत्या जैसा कदम उठाये। जो जे० पी ० गुप्ता एम० डी० हैं, ये वही आदमी हैं जो ड्रेनेज के घोटाले मे फैसे हुए हैं।

Mr. Speaker : It is under consideration.

चौधरी भजन लाल स्पीकर साहब, बहिन जी ने अभी मुझे यह बतलाया है। मुझे इससे पहले इस बारे में कोई इन्तलाह नही है। स्पीकर साहब, आप इनका कालिंग अटैशन मोशन ऐडमिट करें या न करें, यह तो आपका अधिकार है लेकिन रूम सदन को इस बारे में पूरी जानकारी कल दे देंगे।

श्री किताब सिंह स्पीकर साहब, मैंने भी आपकी सेवा मैं एक कालिंग अटैशन मोशन आज दिया है। 16–17 तारीख को गोहाना में एक टीचर को पुलिस ने हथकड़ी डालकर उसके साथ ज्यादती की और उसके खिलाफ झूठा मुकद्दमा बनाकर उसमें उसको फंसा दिया है। उस कालिंग अटैंशन मोशन की क्या स्थिति है?

Mr. Speaker : It isAlso under consideration.

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

भिवानी शहर तथा भिवानी जिले के कुछ गांवों में पीने के पानी की कमी संबंधी

Mr. Speaker : Hon' ble Members , I have receivedA callingAttention motion No. 17 from Sarvshri Chhattar Singh Chauhan,

Amar Singh, Dharam Pal SinghAnd Ram BhajanAggarwal M.L.As. regarding shortage of drinking water in Bhiwani cityAnd some villages of district Bhiwani. IAdmit it. Shri Chhattar Singh Chauhan may read his motionAnd the minister concerned may makeA statement thereafter.

Prof. Chhattar Singh Chauhan : Mr Speaker Sir, I on my ownAnd on behalf of other members giving the notice draw theAttention of thisAugut Howe towardsA sensitive matter that there isAcute shortage of drinking water in Bhiwani cityAndAlmotAll villages of drstrict BhiwaniAs the water tanks of this district have notAdequate quantity of raw water due to short supply of canal water, In Bhiwani city drinking water is supplied for one timeA dayAnd moreover the present tored water cannot meet the requirement of the residents of Bhiwani city forA weekAnd worse is the condition of the people living in villages. If such is the position in winter season, then what would be the fate of the people of district Bhiwani in coming summer season ? The water of the wells of the district has gone unfit for human consumption.As water is the primary need of the peopleAnd henceAcute shortage of drinking water has becomeA very serious problem. It isA very sensitive matter. Therefore, we request that the Government of Haryana should makeA statement in this matter on the floor of the House.

वक्तव्य–

लोक स्वास्थ्य मन्त्री द्वारा उपयुक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संबंधी

Public Health Minister (Chaudhri Jagdish Nehra) : The drinking water for Bhiwani Town is based on canal water

filteration. The raw water for this purpose is obtained from Jui FeederAnd Bhiwani Distributory. Both theseAre the subordinate channels of Western Jamuua Canal system. Bhiwani distributary runs withAntagroupAnd Jui Feeder with Sunder group. This year, there has beenAnAcute shortage of flow in the Wetern Jamuna CanalAt the headAnd consequentlyAt MunakAs compared to the lat year. MonthlyA verage figures of discharge from October onwards for the year 1990-91And 1991-92Are given below :-

Available flow in Western Jamuna Canal System

Month	Western Jamuna Canal Head			Up stream of Munak Excluding Munak Escape		
	1990-91	1991-92	%age.Available compared to last year	1990-91	-1991-92	%AgeAvailable compared to last year
October	7137	5061	71	5850	4981	85
November	3557	2545	72	5114	3350	66
December	3180	2611	82	4801	3601	75
January	4727	2562	54	6232	3655	59
February	3064	3433	112	4240	4667	110
March						
1-10	5463	2111	39	6887	3133	45

11-20	5729	2370	41	6037	3631	60
21-31	4573	N.A.	N.A.	5600	N.A.	N.A.

It would be seen that position of waterAvailability has deteriorated seriously during month of March, 1992.

OnAccount of the poorAvailability of water this year the channed systems have beenAble to run only during the first prefer(ntial turnAnd the second preferential turn has operated very rarely.At times even during the first turn, the full quantity of water is notAvailable in the system. This further results in shortage of water in the tail reaches. Bhiwani water works isAt the tail end of Bhiwani distributory,Ability of water has been suffering badly during this year. In the Inc nth of March, onAccount ofAcute shortage ofAvailability of raw water, the supply of water to the town had to be curtailed w.e.f. 12-3-1992. Earlier the water was being supplied forApproximately 3 hours in two shifts of morningAnd evening to both zones of the town. Now , w.e.f. 12-3-1992, the supply has been reduced to only 2 hours. ThereAre two zones in the townAnd now each zone is getting supply for one hour onlyAsAgainst supply of 1 hours to each zone earlier.

The rotational turn of Bhiwani distributory was upto 18-3-1992. With effect from 19-3-1992, the rotational turn of Jui feeder has started. Since the water works is not locatedAt the tail of this system, the dischargeAvailable there fromAs moreAs compared to theAvailability from Bhiwani distributoryAndAs such the position of stored waterAt the water works is likely to improve by the time this turn comes toAn end on 26th of March.

The Government is fullyAware that onAccount of the factual PositionAs brought outAbove, regarding inadequateAvailability of water in River Yamuna, there isA general shortage onAlmostAll the ruralAnd urban installations in the state including water works located in Bhiwani district. Diversion of more water toA particular ditrict would naturally result in water famine in otherAreas. Therefore,All theAreas have to bear with this shortage which is caused by nature.

I mayAlso bring to the notice of the House that w.e.f. 27th March, Bhakra Main Line is going to be shut down for repairs upto 10th ofAprilAnd taking into consideration the time taken for this water to travel from head works of Bhakra Canal System, water can be expected to beAvailable in Haryana from this system only from 13th or 14thApril onwards. The waters from Bhakra canal were heretofore being used toAugment the meagre flows of waterAvailable in Wetern Jamuna CanalAnd with this shut down, the shortage of waterAvailable from the various channels of western Jamuna Canal System is likely to get furtherAggravated.

However, I want toAssure to the House that the GovernmentAre fully conscious of the top most priority of drinking water supply for the people of the StateAnd would makeAll possible efforts to make the maximum possible canal waterAvailable to drinking water supply intallations. The total effective raw water storage capacityAvailableAt Bhiwani water works is 900 lakh gallonsAnd daily supply to the town is 30 lakh gallons. However, it has to be understood by usAll that some shortage of water supply for some more time in the near future would be unavoidable onAccount of

inadequateAvailability of water in river Yamuna. The State Government is determined to make every possible efforts to mitigate the inconvenienceAnd hardship to the people of the State onAccount of shortage of water supply in the river YamunaAnd we will do our best to reach the essentral requirement of drinkrng water supply toAll townsAnd villages through better managementAnd distribution control.

श्री राम भजन अग्रवाल अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों इरीगेशन एंड पावर मिनिस्टर ने बताया था कि पानी पूरा दिया जा रहा शै और वाटर वर्क्स के अन्दररू पूरा पानी है लेकिन आज पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर कह रहे हैं कि पानी की कमी है। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यह विरोधाभास क्यों शै और भिवानी के लिए जो बापोड़ा की वाटर सप्लाई की योजना है उसकी क्या स्थिति है?

चौधरी जगदीश नेहरा स्पीकर साहब, कोई विरोधाभास नहीं है। इरीगेशन एंड पावर मिनिस्टर ने जो कुछ कहा था वह भी ठीक था लेकिन आज यमुना में पानी की कमी है। पिछले साल और इस साल में फर्क है। जैसा कि टेबल में दिखाया गया है उससे पता लगता है कि मूनक नदी में मार्च के महीने में 1 से 10 तारीख तक पिछले साल 6887 क्यूसिक पानी था लेकिन इस साल 3133 क्यूसिक रहा। 11 मार्च से 20 मार्च तक पिछने साल 6037 क्यूसिक था लेकिन इस मान 3631 रहा और 21 मार्च से 31 मार्च तक पिछले साल 5600 क्यूसिक पानी था लेकिन इस साल जैसा कि इरीगेशन एंड पावर मिनिस्टर ने बताया था कि 3500 क्यूसिक

रहा है। कहने का मतलब यह है कि इस सान पानी की कमी यमुना कैनाल में रही है। स्पीकर साहब, भिवानी में ज्यादातर वाटर वर्क्स, भिवानी और आसपास के इलाकों के लिए वैन्टर्न यमुना कैनाल से फीड होते हैं ओर यमुना में पानी की शार्टेज है। भिवानी शहर में हम दो तरीके मे पानी देते हैं। एक भिवानी डिस्ट्रीब्यूटरी से और जुई फीडर मे। भिवानी डिस्ट्रीब्यूटरी टेल ऐन्ड पर है और जुई फीडर टेल पर नहीं है। अब 19 मे 26 तक जो पानी चल रहा है वह हम जुई फीडर से 300 क्यूसिक लेगे और आगे भाखड़ा मेन सिस्टम में जो बन्दी आएगी उमके लिये हम पूरा स्टोर कर रहे शै। पानी की कमी को रैशनेलाईज करके, जो पानी की बन्दी का सिस्टम है, उसको ठीक करेंगे फिर पानी की कोई कमी नही रहेगी।

श्री अमर सिंह अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि भिवानी में 900 लाख गैलन पानी की बजाय 300 लाख गैलन पानी दिया जा रहा है लेकिन शहर की आबादी बहुत ज्यादा है जिस कारण से पानी की कमी काफी महसूस की जा रही है। इसी तरह से गांवों की स्थिति भी काफी खराब है। सिकन्दरपुर वाटर वर्कस मै साढे तीन महीने तक पानी नहीं आया। लोग ताहि ताहि करते रहे। इसी तरह से नलवा वाटर वर्कस में 14 दिनों तक पानी नही मिला। मैं 15–3–92 को सिवानी मे गया था। अव मुख्य मन्त्री महोदय ने उस सिवानी सब डिवीजन को अपने हिसार जिले मे ले लिया है। सिवानी के गांव ढानी बलारा, ढानी

हुनात ढानी धीरजा, ढानी मीरान से जो 6 किलोमीटर्ज पर है, वहां से लोग आठ गाड़ियों मे ड्रम जोहड के पानी के भर कर ला रहे थे और वह पानी पीने के लिये व पशुओं के प्रयोग के लियें था। स्पीकर मर अगर सर्दियों में यह हालत है तो फिर गर्मियों मे तो और भी दुर्दशा होगी। मन्त्री जी यह पर कहते हैं कि यमुना में पानी बहुत कम है। चलो मान लिया कि यमुना में पानी बहुत कम है लेकिन सरकार का यह फर्ज बनता है कि सरकार हर हालत में लोगों को पीने का पानी मुहैया करे। चाहे सरकार कही से भी इस का प्रबन्ध करे चाहे भाखड़ा नहर से ले चाहे और कही से पानी का इन्तजाम करे लेकिन लोगों की रोजमर्रा की जरूरियात पूरी होनी चाहिये। भाखड़ा का कैथल के पास वैस्टर्न यमुना कैनाल का लिंक बना हुआ है, उस को भी प्रयोग में लाया जा सकता है। भिवानी जिला में किसी भी टेल पर पानी नहों जा रहा है। इसी तरह से बापोड़ा वाटर वर्कस से तकरीबन 84 गांवों को पानी मिलता है लेकिन अब वहां टैक मैं पानी नहीं है न हो नलवा मैं हो पानी का कोई प्रश्न है। वाटर वर्कस खाली पड़े हैं। इसी तरह से सिकन्दरपुर का हाल है। मैं यहां मन्त्री महोदय को यकीन के साथ कह सकता हू कि सिवानी के अन्दर एक टाइम पालो मित्रता एं। सिवानी एक सब डिवीजन है। लेकिन मन्त्री महोदय ने बड़ो हो खूबसूरती से कह दिया कि यमुना में पानी नही है इसलिये सप्लाई कम है। जब यमुना में पानी नहीं है तो क्या इस सरकार को यह जिम्मेदारी नहो बनती, चाहे सरकार कहीं से भी पानी का प्रबन्ध करे, लोगों को पानी मुहैया करवाया जाए। तो मैं सरकार से यह

जानना चाहता हूं कि क्या सरकार इस तरह का कोई आश्वासन देना चाहेगी कि अगर इस तरह की स्थिति आगे रहती है तो सरकार भिवानी जिले में गर्मियों के अन्दर लोगों को पीने व पशुओं के प्रयोग के लिए पानी का प्रबन्ध करेगी?

चौधरी जगदीश नेहरा अध्यक्ष महोदय, मैंनै पहले हो कहा है कि हम इस पानी के रोटेशन के सिस्टम को आगे के लिये ठीक कर रहे हैं। जहां तह इन्होंनें गाव बापोड़ा की बात कही, यह बात ठीक है कि वहां पर बहुतरू बड़ी स्कीम है। उस बड़ो स्कीम को छोटा करके हमने 12 स्कीम्ज वहां पर बनाई हैं. जो आने वाले समय में चालू होंगी। सूई, लालवास, जुई कला, भानगढु, असलवास दोबिया, ढांगर, चांद दास, लेधाभाना, कुमाशी, देवराला, कैरू और सुन्दरपुर ये 12 नई स्कोमे हैं। इनमें सुई, भानगढ, लेवा भाना, कुमाशी और सुंदर पुर ये पाव स्कीमें 1992–93 में कमिशन हो जाएंगी।

इन 12 नई स्कीमों में 28 गांव हैं और इनका एस्टीमेट 2.90 करोड़ रुपए का है। इस साल इसके लिए हमारे पास 1.40 करोड़ रुपए के फंडज थे। क्योंकि यह 70 गांवों की इतनी बडी स्कीम थी इसलिए टेल एंड तक पानी नहीं पहुंचता था। अब हम बूस्टिंग स्टेशन लगा रहे हैं। अभी दो तीन महीने पहले खास तौर पर भिवानी को 1 करोड़ 42 लाख रुपए दिए गए थे ताकि वहां को आगमैंटेशन स्कीम ठीक ढंग से चले। इसी तरह मे लोहारू में भी प्रोबलम है। जहां जल ट्यूबवैल्ज लगे हुए है हम उनको और

नीचे लगा कर पानी की स्थिति को ठीक करेंगे और आने वाले सीजन में हमारी कोशिश होगी कि पानी की कमी न रहे।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, भिवानी जिले के सभी माननीय सदस्य पीने के पानी के मामले पर चिन्तित हैं ओर उनका चिन्तित होना स्वभाविक भी है। लेकिन इसमें मुश्किल यह आई कि चौधरी बंसी लाल जी जब मुख्य मन्त्री थे तो इन्होंने 84 गांवो की इकट्ठी स्कीम बना दी। तो इतने गांवों की स्कीम कामयाब होनी मुश्किल है। आज तो 20 गांवों की स्कीम भी कामयाब नहीं है उसको भी हम दस दस गांव की स्कीम बना रहे हैं। इन्होंने गांव वालों को पानी दिखाने के लिए वह स्कीम बना दी और पैसा लगा दिया। अब दोबारा दस–दस, बारह–बारह गाँवों की सारी वाटर सप्लाई की लाईन बनानी पड़ेगी। वह सारा काम गल्त तरीके से हुआ और उस सारे काम को ठीक करना पड़ेगा। चाहे हिसार जिला हो भिवानी हो, रोहतक हो या करनाल हो, मेरे कहने का मतलब यह है कि हरियाणा प्रदेश का कोई भी जिला हो वहां सब से पहले हम पीने का पानी हर गांव में देने का इन्तजाम करेंगे। जो सरकार लोगों को स्वच्छ पानी भी नही दे सकती वह सरकार रहने के लायक नहीं है। इसलिए हम विश्वास दिलाते हैं कि पीने के पानी का पूरा इन्तजाम करेंगे। इसमें कुछ समय तो लग सकता है क्योंकि हमारे पास पैसे का अभाव है। जैसे ही पैसा उपलब्ध होगा तो जहां जहां पर पीने के पानी की

ज्यादा कठिनाई है उसको सब से पहले टेक अप करेंगे। उसमें भिवानी जिला भी शामिल है।

श्री बंसी लाल स्पीकर महोदय, मुख्य मन्त्री जो ने कहा कि मैने 84 गावो को ऐसी स्कीम बना दी। मै वक्त में इन 84 गांवों के आदमी भी पानी पीते थे, मवेशी भी पीने थे और ऊंट भी पानी मे नहा लेते थे। यह तो इनके आने से टोटा पड़ा है।

श्री धर्मपाल सिंह स्पीकर साहब मैं मुख्य मन्त्री जी और पब्लिक मिनिस्टर को यह कहना चाहूंगा कि चौधरी बंसी लाल जी ने जो 80,30 या 20 गांवों की स्कीमें बनाई थीं, उनमें पानी भी बहुत बढ़िया आया करता था लेकिन अब स्कीमें तो बना रहे हैं और पानी नही है। मैं यह जानना चाहता हू कि पानी के लिये ये क्या इन्तजाम कर रहे हैं?

चौधरी जगदीश नेहरा अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री धर्मपाल सिंह जी के हल्के में 59 गांव हैं जिनमें से 48 गांवों में पीने के पानी की पूरी तरह से सप्लाई हो रही है। जो बाकी 11 गांव है उनमें पीने के पानी की थोड़ी प्रोब्लम है क्योंकि वे 11 गांव टेल एंड पर हैं। उन गांवों मे भी हम पीने के पानी की प्रोब्लम को सुधारने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। जो वाटर टैक चौधरी बंसी लाल जी ने अपने समय में बनवा दिए उनको हम पूरी तरह से यूज नही कर सकते हैं क्योंकि इन्होंने एक करोड़ गैलन पानी के टैक बनवा दिए अब हम उनको पानी से नहीं भर सकते।

अब उन टैकों से 10 गांवों से आगे पानी सप्लाई नहीं होता। जिस समय इन्होंने वे पानी के टैंक बनवाए उस समय गांवों के अन्दर पानी की टूटिया बहुत कम लगवाई हुई थीं। उस समय एक गांव में ज्यादा से ज्यादा 10 पानी की टूटिया लगाई गई थी और आज गांव के हर मोहल्ले में लोग–घर घर में पीने के पानी का कनैक्शन चाहते हैं? ऐसी बात नही है कि पानी के टैक खाली पडे हैं। जहां जहां भी पानी की कमी है उसको पूरा करने के लिये हम जौन बना रहे हैं। बूस्टिंग स्टेशन लगा रहे हैं और वाटर वर्कस की आगमैंटेशन कर रहे है। हम पीने के पानी की सप्लाई सुनिश्चित कर रहे हैं ताकि लोगों को दिक्कत न हो।

श्री राम भजन अग्रवाल स्पीकर साहब, पीने के पानी के बारे में मैं एक सुझाव देना चाहता हूं कि गांवों में जो मीठे पानी के कुएं हैं उनको वाटर सप्लाई की मेन लाईन से जोड़ा जा सकता है। जिन जिन एरियाज में मीठे पानी के ट्यूबवैल्ज हैं, उनको वाटर सप्लाई की लाइन से जोड़ दिया जातु ताकि गांव वालों को कोई दिक्कत न हो।

चौधरी जगदीश नेहरा स्पीकर साहब, माननीय सदस्य का सुझाव अच्छा है जहां जहां पर भी गांवों में कुओं का मीठा पानी है उनको वाटर सप्लाई के साथ जोड़ दिया जाए। हम भी यही चाहते हैं कि जो गांव टेल एंड पर हैं और उनमें कुओं का मीठा पानी है तो उनको वाटर सप्लाई स्कीम की लाइन के साथ

जोड़ दिया जाए। माननीय सदस्य ने जो सुझाव दिया है उसके बारे में विभाग विचार करके कार्यवाही करेगा।

श्रीमती चन्द्रावती : जनाब स्पीकर साहब, मैं परसों ही अपने हल्के के गांवों में जा कर आई हूं। मेरे हल्के के पातवान गांव में पीने का पानी बिल्कुल भी नही जा रहा है। मेरे हल्के में 10–12 गांव तो खारे पानी की बैलट में है और जिन गांवों में मीठा पानी है वे अपने ट्यूबवैलों का बिजली का खर्चा नहीं दे सकते हैं क्योंकि उन गांवों में खरीफ की फसल नहीं हुई। जिन जगहों पर मीठा पानी था उन जगहों पर रबी की फसल थी लेकिन चने की फसल में से हवा निकल गई। स्पीकर साहब, जो 230 क्यूसिक्स पानी की कमी है उसको ये पूरा करें। चाहे ये भाखडा कैनाल से पानी लें लेकिन लोगों को पीने का पानी दें। यह बात ठीक है कि वाटर सप्लाई की स्कीमें चौधरी बंसी लाल जी के समय में बनी थी लेकिन उस समय आज के मुख्य मन्डी चौधरी भजन लाल इनके बहुत बड़े सलाहकार थे। उस समय चौधरी बसो लाल जो कहा करते थे कि भजन लाल तो रफू हैं अगर कही से कपडा भी फटा हो तो ये वह भी ठीक कर देते हैं। (हंसी)।

चौधरी जगदीश नेहरा स्पीकर साहब, मैडम के हल्के में 101 गांव हैं जिनमें से 69 गांवों में पीने के पानी की ठीक सुविधा है। बाकी गांवों में थोड़ी दिक्कत है उसको भी हम ठीक करेगे। जिन जिन गांवों में कुओं का मीठा पानी है उन कुओं को वाटर सप्लाई स्कीम की लाइनों से कनैक्ट करने के बारे में विचार

करेंगे। इसके अलावा मैडम ने एक बात कही कि हवा निकल गई। वहा किस किस्म की हवा निकल गई। बह हवा भिवानी जिले में निकली है या इनमें से निकली है। यह बात मेरी समझ में नही आई। उसका मैं क्या जवाब दूं। (हंसी)

श्रीमती चन्द्रावती स्पीकर साहब, हवा फसलों में से निकल जाती है जिसके कारण अनाज नहीं होता है। यदि मन्त्री जी खुद खेती करते हैं तो इनको पता होना चाहिए कि फसल में से हवा कैसे निकलती है?

प्रो० छतर सिंह चौहान स्पीकर साहब, आई० पी ० एम० साहब ने मेरे एक प्रश्न का उत्तर देते हुए बताया था कि भिवानी जिले में जनवरी, 1992 के सिवाए जुलाई 1991 से ले कर अब तक पानी पूरा पूरा दिया जा रहा है और अब जनस्वास्थ्य मन्त्री जी कहते णै किं पानी अवेलेबल नहीं है। स्पीकर साहब, मेरी कांस्टीच्यूएसी के बामला, बौद, भागेश्वरी तिगडाना बापोड़ा और धनाना गांवों में जो पानी के टैक्स हैं उनमें रा वाटर भी नहीं है। फिर पीने का पानी कहां से आएगा? मैं चाहता हूं कि सभी जगहों पर पानी का ठीक प्रबंध किया जाये। नलों में बिल्कुल पीने का पानी नही जाता। उनमें पानी कैसे जाये जब टैक खाली पड़े हैं। नलों में तो पानी तभी जायेगा जब टैकों में पानी होगा। इसलिये इनको इस समस्या की ओर ध्यान देते हुए उचित पग उठाने चाहियें।

16.00 बजे

चौधरी जगदीश नेहरा अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी बात पूरी तरह से समझ नही पाया। पता नहीं ये क्या कह रहे है कि टूटियों में पानी चल रहा है लेकिन टैकों में पानी नही है। जब टैंकों मे पानी नहीं है तो नलों में पानी कैसे चल सकता है यह बात मेरी समझ में नही आई। भिवानी में वैस्ट्रन यमुना कैनाल से पानी जाता है। भिवानी की डिस्ट्रीब्यूटरी जुई डिस्ट्रीब्यूटरी के साथ जुड़ी हुई है। यह भिवानी डिस्ट्रीब्यूटरी टेल एंड पर पडती है और इस डिस्ट्रीब्यूटरी के ऊपर जो गांव टेल एंड पर है उनमें तो पानी की कुछ ज्यादा ही कमी है। हम कोशिश करेगे बि? बहां पर पानी की कमी दूर हो सके।

वर्ष 1991–92 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Hon'ble members, now discussion on Budget Estimates for the year 1992-93 will be resumed.

Sh.Amar Singh was on his legs on 17th March. 1S92 when the Hc useAdjourned. He may resume his speech.

श्री अमर सिंह (दबानी खेडा, अनुसुचित जाति)स्पीकर साहब, मैं 17–3–1992 को इसी सदन में बता रहा था कि एस० वाई० एल० और चण्डीगढ़ के बारे में मुख्य मन्त्री ने कैटेगरिक्ली हाउस को कांफीडैस में लेकर बहुत तगड़ा जवाब दिया था। बशर्ते कि वे इस तगड़े जवाब पर कायम रहें क्योंकि एस ० वाई० एल० के बारे मे चर्चा यह है कि इस को (एस० वाई० एल०)को हाई

कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में ले जा कर लटकाया जायेगा और चण्डीगढ के बारे मे चर्चा यह है कि चण्डीगढ़ ट्रासफर होगा और डसके बकरे हरियाणा को कुछ नही मिलेगा। इसके बारे में मुख्य मन्त्री ने जवाब दिया था और हाउस को काफीडैस में लेकर कहा था कि चण्डीगढ़ के बदले हम अबोहर फाजिल्का और 107 गाव लेंगे। उसके बाद चण्डीगढ़ ट्रासफर होगा। हम भी यही चाहते हैं कि ऐसा ही फसला हो। साथ ही रावी लगन का पानी मिलना चाहिए। अगर ऐसा फैसला होता है तो हम इनके साथ हैं। लेकिन कही ऐसा न हो कि बाप और बेटे के रिश्ते में हरियाणा के लोगों के साथ धोखा हो इस बात का ये ध्यान रखें। इस मामले मे मैं ज्यादा समय न लेते हुए कहना चाहता हूं कि सरकार ने जो नारा दिया कि हर खेत मे हरियाली और हर घर मे खुशहाली, यी तभी होगा जब हरियाणा को पूरा पानी मिलेगा। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)। इस बात को मुख्य मंत्री जी भी जानते है कि पानी के बगैर कोई हरियाली नहीं होगी। बगैर पानी के अगर ये हरियाली किसी जादू की छड़ी से करना चाहते है तो उस छड़ी को सारी जगह घुमा दें ताकि हर जगह हरियाली हो सके। मेरे कहो का मातर यह है कि हरियाली बगैर पानी के नही हो सकती। भिवानी जिले में अमी अमी पीने के पानी के बारे में सवाल जवाब हो रहे थे। मैं बताना चाहता हूं कि भिवानी जिला टेल एंड पर पड़ता है और वहां पर पीने के पानी की बहुत भारी कमी है। सी ० एम ० साहब ने अपने बहुत ही बेहतरीन आई० पी० एम० लगा रखे है। इन बेहतरीन आई० पी ० एम ० साहब ने अपने नरवाना

के लिए तो भाखड़ा से पानी ले रखा है तेकिन दूसरी जगहों को पानी मिले या न मिले और किसी खेत मे जाये या न जाये इसकी इन्हें कोई चिन्ता नहीं है। जब हम पूछते हैं तो ये बेहतरीन तरीके से बढा चढा कर फिगर्ज यहां पर पेश करते है जिनका कोई जवाब नही। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा बवानी खेड़ा हल्का है और यह भिवानी जिले मे आता है। मेरे हल्के मे तालू माईनर, दाग माईनर बवानी खेड़ा माईनर, धमाना माइनर, नलवा माईनर, मेतीपुरा माईनर, बी ० एन० चक्रवर्ती माईनर और हरिता माईनर आदि बहुत सी माईनर ऐसी है जो टेल पर पड़ती हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, वित्त मन्त्री जी तथा मुख्य मन्त्री जी यह आवाज दें कि इन टेलों पर अगर पानी नही पहुचेगा तो वहां पर किसान अपने खेतो में हरियाली केसे पैदा करेगा, कैसे खेती मे हरियाली पैदा होगी। डिप्टी स्पीकर साहब कई गांव तो ऐसे है जहां पीने का पानी तक उपलब्ध नही है। मै मुख्य मन्त्री जी की जानकारी के लिये बताना चाहता हूं वित्त मन्त्री जी ने बहुत बढिया ढग से फिर्ग्ज पेश किये है, जिस तरह से कोई हिसाब किताब बिजनैसमैन तैयार करते है उसी तरह से उन्होंने बजट तैयार किया है। मैंने सारा बजट पढ़ा णै इसमें इन्होंने कही भी एक्सप्लेनेशन नही दिया है कि इरिगेशन पर या कौन–कौन सी मद पर कितना खर्च होगा। कैसे स्कीमों के बारे में, कैसे खालों केबारे में, कैसे नालो को पक्का करने के बारे में काम होगा बजट मे इसका कोई वर्णन नही बै। उपाध्यक्ष महोदय, पता नही बजट तैयार करते वक्त वित्त मन्त्री जी सो रहे थे या कि जाग रहे थे। मैं चाहता हूं कि मई, 1987 में सिवाड़ा

माईनर को बनाने के लिये आई० पी० एम० साहब ने बुनियादी पत्थर रखा था। पिछले बकाया काम कोई नही हुए तालू माईनर की टेल पर अभी भी पानी नही जाता है। डस माईनर के साथ चार गांव जुडे हुए हैं। पिछले चार साल में इस नहर पर कोई काम नही हुआ है और पत्थर तोड़ कर नहर मे डाल दिए। वित्त मन्त्री जी और आई० पी० एम० एक ही जिले के हैं इसलिये मैं उनसे गुजारिश करता हूं कि टूटे हुए पत्थरों को जोड कर नहर बनवाए ताकि चारों गांवों सिवाड़ा पुर, मठांना लुहारीजाटू को पानी मिल सके।

उपाध्यक्ष महोदय, हरिता माईनर में भी पूरा पानी नही जाता है टेल पर भी पानी नही है। 34000 आर और 35000 आर हरिता माईनर पक्के बनै हुए हैं, जो ठीक नही हैं। हरिता मे आई० पी० एम ० साहब का ससुराल पड़ता है और हमें यह कहते हुए दुख होता है कि इन्होंने अपनी ससुराल की माईनर को तो पक्का करवा दिया वाटर कोर्सिज सारे कच्चे के कच्चे रहे और लैवल ठीक न होने से किसान को पानी नही मिला। भूरे ओर सिहाडवा ऐसे गांव हैं जिनको पानी नहीं मिलता है। इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, भिवानी जिले में डि–सिल्टिंग पर मैंने बहुत जोर दिया लेकिन अभी तक कोई काम नहीं हुआ। इरीगेशन मिनिस्टर साहब अगर यहां पर होते तो मैं उनको बताता। पेहोवा मे एक एस० डी० ओं० लगा हुआ है जिसका नाम मैं नही लेना चाहता। उस एस० डी० ओ०, पेहोवा ने लाखों रुपये का घोटाला किया,

विजिलैस इन्ववायरी हुई लेकिन वह एस० डी ० ओ ० वहा पर ज्यो का त्यों कायम है, उसके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई। भालोट सब–ब्रांच मे 40 लाख रुपये का डि–सिल्टिंग का काम हुआ, केस दर्ज हुआ। इस मामले की भी विजिलैस इन्कवायरी हुई लेकिन वह वहां पर वैसे ही दनदना रहा है और वहीं पर बैठा हुआ है। मुझे यह पता नहीं कि विजिलैस इन्कवायरी क्या औंर कैसे होती है कि किसी को कुछ नही कहा जाता। (विघ्न)आप इन 2–3 केसिज की इन्कवायरी करवा कर देखें तो आपको पता लगेगा कि कितना बड़ा गबन है, कितनी बड़ी हेरा–फेरी हुई है और कितना नुकसान ये लोग वहां पर कर रहे हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, मै मुख्य मन्त्री जी को एक बात कहना चाहूंगा। हरिजनो के बारे में नया खूब किसी ने कहा है–

शूद्र के लिये हिन्दुस्तान गमखाना है,

दर्दे इन्सानी से इस बस्ती का दिल वीराना है।

गवर्नर महोदय के ऐड्रैस मे हरिजनों के बारे में एक डेढ़ लाईन का जिक्र है 1200 प्लाटस के बारे में। उस में जिक्र है कि 200 रुपये फी गज के हिसाब से 1200 प्लाटस हुड्डा हरिजनों को देगा। स्पीकर सर, हरिजन सारे हरियाणा की पापूलेशन का वन फोर्थ हैं और 1200 प्लाटस उनको देने से क्या 40 लाख हरिजनों का कल्याण हो जाएगा? हमें विल मन्त्री जी से यह उम्मीद थी कि वे हरिजनों के लिए अधिक पैसे का प्रावधान बजट

में रखेगें लेकिन वित्त मन्त्री ने कहा है कि अधूरी चौपालों को पूरा करेंगे। इस का ऐक्सप्लेनेशन तो बजट में दिखा दिया लेकिन बजट में एक भी रुपये का प्रावधान नहीं किया है तो आखिर यह पैसा आए गा कहां से? कितनी चौपाले अधूरी पड़ी हैं, उन पर कितना पैसा खर्च होगा there is no explanationAtAll in the Budget उपाध्यक्ष महोदय, काफिले प्यार के अन्जान है कितने, यारो लूट लेता उन्हें कोई भी रहबर बन कर ''उपाध्यक्ष महोदय, ताऊ ने पिछली बार गूद के पीपे का नाम लेकर हरिजनों को बहका दिया वह तो गरीब टोल था जो बहक गया (हंसी)। तो मैं मुख्य मन्त्री जी को याद दिलाना चाहता हू कि जब भी कोई बात आती है तो पिछले चार सालों का हवाला दे देते हैं और बच निकलते हैं। पिछले चार सालो में हरिजनो का क्या काम हुआ इससे काम नही चलेगा उनके लिये तो आपको भी काम करना होगा।

उपाध्यक्ष महोदय वित्त मन्त्री जी ने अपने अभिभाषण मे बताया कि 6वी से 8वी जमात के बच्चो को 15 रुपए स्टाईफैड देंगे। 15 रुपयें तो आज कल का बच्चा हाथ मे ही नही पकडता। आप उसको बढ़ाकर 50 रुपए करें और हायर क्लासिज में 9वी से 11 वी तक के बच्चों को जो आप 20 रुपए देते है वह भी बढायें और 100 रुपए पर मन्थ दे। डिप्टी स्पीकर साहव, सरकार रजत जयन्ती मना रही है। (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदय, हरिजनों के लिये 3 हजार 33 मकान बनाए और उनमे से 17 सो 97 मकान अलाट हुए है। जो 3 हजार 33 में से 16 सौ मकान रह गए है उनमे आज कोई भी हरिजन बैठने के लिये तैयार नहीं है क्योंकि वहां पर हाऊसिग बोर्ड ने मेहरबानी कर दी है। उन्होंने बहुत ही घटिया मैट्रियल प्रयोग किया है। उपाध्यक्ष महोदय, 3 हजार 33 मकान बने तो उनमें से 17 सौ 97 अलाट हुए। 1236 मकान 17 लाख मे बने और 13 लाख 70 हजार में नीलाम हुए। उनमें हरिजन इसलिये नही बैठे क्यों कि उनमें मैटीरियल घटिया था फिर वे हरिजन ईस्ट में रहते हैं और मकान बना दिए वैस्ट मे। तो उनका लिंक नही बनता था इसलिये वे वहां रहने के लिये नही गए। अब ये कहते हैं कि इस साल 10 हजार की बजाए 20 हजार मकान बनाएगे। तो मैं इनसे गुजारिश करुंगा कि ऐसे मकान नं बनाएं (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष अमर सिंह जी आपको बोलते हुए 13 मिनट हो गए हैं। अब आप जल्दी वाइंड–अप कीजिए।

श्री अमर सिह सर, दो मिनट और बोलूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आप के माध्यम से मुख्यमन्त्री जी से निवेदन करुंगा कि तुक तो इवैल्यूशन कमेटी बनाई जाए ताकि जो हमारे साथ आज भी वैल्फेयर स्कीम में ऐडमिनिस्ट्रेशन के हिसाब से सर्विसिज में धक्का हो रहा है जिनके रिकार्ड खराब किए जा रहे हैं वह न हों। मैं जब 1963 में एम ० एल० ए० था डस समय मेरे साथ और एम० एल० एज० ने स्वर्गीय सरदार प्रताप सिंह कैरों से एक निवेदन

किया था। हमारे साथ कई मिनिस्टरर्ज भी थे। सब ने मिलकर कहा था कि इवैल्यूएशन कमेटी बनाई जाए जिसके द्वारा सर्वे हो। वह कमेटी बनी और उसमें एक आई० ए० एस० हमारे मैम्बर सैक्रेटरी थे। उस कमेटी ने छानबीन की जिसकी बिनाह पर डिस्ट्रिक्ट वैलफेयर आफिसर्ज को गजटिड औफिसर्ज बनाया गया और उनको कई रियायतें दी गई। इसी प्रकार से मुख्य मन्त्री जी इवैल्यूएशन कमेटी बनाएं और बताए कि हरियाणा का नौकरियो का बैकलौग कब तक पूरा हो जाएगा। उपाध्यक्ष महोदय, मैं तो यह कहता हू कि रोस्टर सिस्टम को हर महकमें में लागू किया जाये क्योंकि न अब रोस्टर सिस्टम है और न ही किसी भी डिपार्टमैट में रोस्टर सिस्टम मेनटेन किया जा रहा है। इसके अलावा पैकेज डील मेँ जो 1963 में जमीन हरिजनों के नाम मिली थी उसमें से काफी जमीन पर सड़क के दोनों तरफ पंचकूला से कालाआम और नारायणगढ़ तक आई ० ए० एस० और आई० पी० एस० औफिसर्ज ने बेनामी कब्जा किया हुआ है। मुख्यमन्त्री जी आप तो नर्म दिन हैं और हरिजनों पर मेहरबान होने का दम भरते हैं। तो आप उसका पता लगायें कि बेनामी ट्रांजैक्शन किस बिनाह पर है। अगर वह बेनामी ट्रांजैक्शन हुई है तो वह किस तरह से असल गरीब हरिजनों को दी जा सकनी है। इसके अलावा सिक्योरिटी आफ लैड टैन्योर ऐक्ट 1953 में अभी नोटिफिकेशन जारी हुई है। मै इस बात को मुख्यमन्त्री जी के नोटिस में लाना चाहता हूं कि जिस तरह से रैट कन्ट्रोल एक्ट के तहत एक मालिक अपने किरायेदार के खिलाफ दावा करता है। तो उसमें लैड ओनर

को तीन साल का 15 दिन के अन्दर अन्दर किरायेदार को किराया देना पडता है। इसी तरह से लैड टैन्योर ऐक्ट मे सैक्शन 14 ए (11)के तहत यह प्रोवीजन रखा गया कि यदि लैड ओनर टेनेंट के खिलाफ दावा करता है तो उसमें लिमिट दी जाती है लेकिन इन्होंने उसमें भी लिमिट नही दी। अगर कोई दस साल या 15 साल का एरियर मांगे और अगर वह मुजारा एरियर 15 दिन के अन्दर जमा नहीं करवाता तो उसकी अदालत को इजैक्टमैंट करनी पड़ेगी। यह सब पंजाब लेड टैन्योर ऐक्ट 1953 के सैक्शन 14 ए (11)के तहत किया गया है। इसके अलावा मै को–ओप्रेशन के बारे में कहना चाहता हूं कि को–ओप्रेशन में बहुत ज्यादा गड़बड़ घोटाला है। हरियाणा लेबर एंड कन्र्क्रक्शन फैडरेशन का एक एम० डी० है जिसके खिलाफ 90 लाख रुपये का ऐलीगेशन विजीलैन्स में गया हुआ था। उसकी एफ0 आई० आर० भी दर्ज हुई और यह केस हाई कोर्ट में भी गया सुप्री म कोर्ट में भी हरियाणा सरकार ने उसके खिलाफ अपील की लेकिन वह केस बाद में विद ड़ा कर लिया और उसी को फिर एम ० डी० बना दिया तो अब क्या वह गंगा में नहा गया है तथा क्या वह आज साफ हो गया है। इसके अलावा हरियाणा हाऊसिंग फैडरेशन में 2.50 लाख रुपये का लोन गलत दिया गया। इसके लिये इंक्वायरी भी हुई।

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल)आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। किसी अफसर के बारे में यह कहना मुनासिब नहीं है क्योंकि वह हाउस में अपने आपको डिफेंड नहीं कर सकता इन्होंने

कहा कि उसे दोबारा फिर उसी जगह लगा दिया। वह तो निहायत ईमानदार तथा अच्छा अफसर है, इन्हें किसी वजह से उससे तकलीफ हो सकती है। जिस बिरादरी का आदमी होता है उस बिरादरी के लोगों को कुछ उससे शिकायत हो सकती है। इसलिये ऐसा नहीं होना चाहिए। आप सबकी बात करिये।

श्री अमर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने तो उस एम० डी० का नाम नहीं लिया और न ही मैं उसके गांव को जानता हूं तथा न ही मुझे उसकी जात का पत। है। मुझे यह भी नहीं पता कि वह कौन सा एम० डी० है। मैं तो यह कहता हूं कि को–ओप्रेशन महकमें में बहुत गड़बड़ है। यह आप अगर सुधारें तो अच्छी बात है, अगर नहीं सुधारना तो उसको मुरब्बे दे दो। मुझे इससे कोई गरज नहीं मैंने तो क्लीन ऐडमिनिस्ट्रेशन के लिये यह कहा है।

श्री उपाध्यक्ष अमर सिंह जी, आप अब वाइंड अप कीजिए।

श्री अमर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा कैथल और मेहम की शूगर मिलें हैं जिनमें अरली कमीशनिंग की वजह से वायलट टयूब जली और उनमें करोड़ों रुपये का नुक्सान हुआ। विल मन्त्री जी इसका ब्यौरा भी हाउस को दें कि इनमें कितना नुक्सान हुआ। इसी तरह से भूना शूगर मिल में लेट कमीशनिंग की वजह से नुक्सान हुआ। वित्त मन्त्री जी इसके नुक्सान के बारे

में भी हाउस को बतायें। इसके अलावा पब्लिक हैल्थ के बारे में काफी सारी बातें पहले ही आ चुकी हैं। मैं दोहराना नहीं चाहता। मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि हमारे यहां पर पीने के पानी की बहुत जरूरत है। पीने के पानी के बगैर जीवन कुछ भी नहीं है। इसलिये मैं तो मुख्य मन्त्री जी को सुझाव ही देना चाहता हूं (घंटी)....

IAm not speaking for the sake of opposition only. IAm giving you concreteAnd constructive proposal. अगर मेरी बातों को या सुझावों को आप सही नहीं मानते तो मैं बैठ जाता हूं।

Mr. Deputy Speaker :Amar Singh ji, you haveAlready taken 20 minutes.

श्री अमर सिंह : आप मुझे 5 मिनट और दे दें।

श्री उपाध्यक्ष नहीं जी, अब आप बैठिए।

श्री अमर सिंह : अच्छा जी, मैं अपनी बात समाप्त कर लूं। डिप्टी स्पीकर साहब अलखपुरा वाटर सप्लाई स्कीम मेरे इलाके में मंजूर कर रखी है। वहां पर दो लाख ईंटें भी गिरी पड़ी हैं। लेकिन वहां पर कोई भी ठेकेदार काम नही कर रहा है। कल को ये दो लाख ईंटें कहीं और ले जायेंगे और किसी दूसरी जगह पर काम हो जायेगा इसलिये मेरी गुजारिश यह है कि पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर कृपया नोट कर लें। अलखपुरा किरावड दायेमें, कमरी

और षिडौद जो चारों वाटर सप्लाई स्कीमें अधूरी पड़ी हैं, उन पर काम जल्दी कराया जाये। इसके अलावा री–आर्गेनाईजेशन के बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि सिवानी को मुख्य मन्त्री महोदय ने हिसार में ले लिया है, हमें कोई आपत्ति नहीं है। हम समझते हैं कि इससे सुधार होगा लेकिन सुधार होना अवश्य चाहिए। वहां पर भी पीने के पानी की बहुत कमी है। वहां पर सब डिवीजन होने के बाद भी कोई स्टैड पोस्ट ऐसी नहीं है जहां पर पानी मिलता हो। किसी पर भी पानी नहीं मिलता। केवल एक टाईम वहां पर पानी मिलता है। इसके अलावा मैं एक बात की तारीफ करूंगा। विल मन्त्री जी ने कितनी अकलमन्दी का काम किया है। बजट तैयार करते वक्त किसानों को खुश करने के लिये झोंटा बुग्गी, ऊंट रेहड़ी और बैल गाड़ी के पहियों पर लगने वाले टायरों पर टैक्स माफ किया है। मैं वित्त मन्दी से यह पूछना चाहता हूं कि एक करोड़ किसानों में से किसान एक या दो ऐसे होंगे जो नये टायर खरीदते होंगे। बाकी सारे पुराने टायर इन बुग्गियों या रेहडियों में डालते हैं। हम इनसे यह कहना चाहते हैं कि आप शराब पर 10 गुना ज्यादा टैक्स कर दो, हमें इस में कोई आपत्ति नहीं होगी। शराब की 4.50 रुपये की बोतल आप एकदम से 150 रुपये की कर दो, हमें कोई आपत्ति नहीं है लेकिन किसान की बुग्गी के टायरों पर टैक्स हटाने की बजाये किसान के ट्रैक्टर के टायरों पर टैक्स हटाते तो हम मानते। यह हम मानते हैं कि आपने इसे घटाया जरूर है, इसके लिये हम आप का धन्यवाद करते हैं। लेकिन खाद पर, बीज पर कोई सबसिडी नहीं दी, आपने किसानों को झूठा

खुश किया। अन्त में मैं अपनी बात यह कहते हुए खत्म करूंगा–

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो,

न जाने किस गली में जिन्दगी की शाम हो जाये।

मुख्य मन्त्री ध्यान दें किसी ने क्या खूब कहा है–

इधर उधर की न बात कर, यह बता कि काफिले क्यों लुटे

मुझे रहजनों से गर्ज नहीं, मेरा रहबरों से सवाल है।

धन्यवाद।

चौधरी आनन्द सिंह डांगी (मेहम)उपाध्यक्ष महोदय, 16 तारीख को वित्त मन्त्री महोदय ने हरियाणा सरकार का बजट प्रस्तुत किया जिसमें हर तरह की बातों का, हर तरह के विकास का, हर वर्ग के उत्थान के बारे में सरकार की तरफ से प्रावधान रखा गया है। इस पर पिछले दो दिन से चर्चा चल रही है। इस चर्चा में विपक्ष की तरफ से भी और सरकार की तरफ से भी माननीय सदस्य बोले हैं। विपक्ष की तो आदत होती है कि चाहे सरकार की कितनी ही बढ़िया पालिसी हो, कितने ही बढ़िया काम हों, उनकी नुक्ता–चीनी करनी ही है। नुक्ता–चीनी करना तो विपक्ष अपना धर्म समझता है। उपाध्यक्ष महोदय, जिस ढंग से हरियाणा प्रदेश का बजट रखा गया है वह हर तरह से हरियाणा के विकास के लिए है। इसके लिये मैं विल मन्त्री महोदय को और मुख्य मन्त्री महोदय को बधाई देता हूं। लेकिन इसके साथ ही साथ कुछ बातों

के बारे में जो बजट में आई हैं और जिनका सीधा सम्बन्ध हमारी जनता से और हमारे गरीब लोगों से है, मैं कुछ कहना चाहूंगा। पहली बात कृषि की ही है। उपाध्यक्ष महोदय? हरियाणा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। इसकी नब्बे प्रतिशत जनता कृषि पर निर्भर करती है और बजट में जितना पैसा कृषि के विकास के लिये और कृषि के उत्थान के लिये वित्त मन्दी महोदय ने रखा है, वह थोड़ा है। इस बात पर सरकार विचार करे और कृषि को बढ़ावा देने के लिये विचार करके इस मद में और बढ़ौतरी की जाए ताकि हमारे प्रदेश में चहुमुखी विकास हो सके। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे दूसरे साथी बजट के बारे में काफी चर्चा करेंगे लेकिन मैं उस बात की ओर आता हूं जो 1990 में मेहम के अन्दर उपचुनाव हुआ और उस उपचुनाव में जो कुछ घटनाएं घटीं, उपाध्यक्ष महोदय, वह जग जाहिर हैं कि हजारों आदमियों ने हर घटना को घटित होते हुए देखा। हमारे समाजवादी पार्टी के साथी हर बार उसी बात को उठाते हैं और अब की बार–भी अपोजीशन के नेता श्री सम्पत सिंह ने ग्रेवाल रिपोर्ट पर कार्यवाही करने के लिए सरकार के सामने प्रस्ताव रखा और उसमें कहा कि सरकार दोषियों को सजा दे। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस बात से पूर्ण सहमत हूं कि वहां पर जो दोषी थे और जिन लोगों ने जुल्म किए तथा अत्याचार किए उनको सरकार सजा अवश्य दे।

उपाध्यक्ष महोदय, कौन नहीं जानता कि मेहम में किसने क्या किया। सारा देश जानता है, सारी जनता जानती है और देश

की प्रैस जानती है कि किस तरह से वहां के लोगों के साथ सलूक किया गया किस ढंग से निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या की गई और उस समय के मुख्य मन्त्री औम प्रकाश चौटाला ने अपने अत्याचारों को दबाने के लिये बगैर सदन से सलाह किए और बगैर मन्त्रिमण्डल से सलाह किए एक कमीशन मुकर्रर कर दिया। उस कमीशन ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी और उस रिपोर्ट में जिस ढंग से जो कुछ लिखा है उसकी मंशा अपने आप में क्या है, आप सदन के साथी पढ़े लिखे हैं, आप सब ने उसको पढ़ा होगा। उस रिपोर्ट को पढ्ने से साबित हो जाता है कि जज की मंशा क्या थी। जज लिखता है कि वहां भीड़ ने पथराव किया और गोलियां चलाई। उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर गोली भीड़ की तरफ से चले और कोई जख्मी न हो यह कितने ताज्जुब की बात है। उसमें 25 आदमियों की मैडीकल रिपोर्ट का जिक्र है। एक तरफ तो कमीशन ने कहा है कि मौब ने गोलियां चलाई लेकिन मैडीकल रिपोर्ट में लिखा है कि किसी के घुटने में दर्द था, किसी के टखने में सूजन थी और किसी के कमर में दर्द था। उपाध्यक्ष महोदय, जब गोलियां किसी जगह चलती हैं तो लोगों की छाती फटेगी लेकिन पच्चीस पच्चीस आदमियों की मैडीकल रिपोर्ट में लिखा जाता है कि किसी के घुटने में दर्द किसी का टखना सूजा हुआ था और किसी के कमर में दर्द था। उपाध्यक्ष महोदय, अगर मैं रिपोर्ट के एक–एक पैराग्राफ पर बोलूंगा तो कई घंटे लग जाएंगे। मैं तो मैन मैन बात बात ही कहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, कमीशन लिखता है कि 28 तारीख को आठ बूथों पर दुबारा

मतदान हुआ और इसमें से दो बूथ वैसी गांव के थे। कमीशन लिखता है कि वहां पर मतदान 8. 30 बजे तक शान्तिपूर्वक था। आगे कमीशन कहता है कि वहां एक जिप्सी आई। उपाध्यक्ष महोदय, जिप्सी के अन्दर तीन जनता दल के कार्यकर्ता थे। वह जिप्सी स्कूल के बिल्कुल सामने आकर के रुकी। उस जिप्सी को देखते ही भीड़ ने उग्र रूप धारण कर लिया जबकि आधा घंटा पहले वहां पर बड़े शान्तिपूर्वक ढंग से चुनाव सम्पन्न हो रहे थे। हमारे देखते ही देखते पुलिस ने एकत्रित हुई उग्र भीड़ पर गोलियां चलानी शुरु कर दीं। कमीशन की रिपोर्ट के अनुसार ए ० एस ० पी ० की एफ ० आई ० आर ० के अनुसार उस जिप्सी में केवल तीन ही आद मी थे लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, वह जिप्सी पूरी तरह से भरी हुई थी। लगभग सात आठ आदमी उस जिप्सी के अन्दर सवार थे और उस जिप्सी के पीछे पूरी इनकी पुलिस फोर्स भी थी जिन्होंने वहां आते ही बूथों पर हमला करके कब्जा करना शुरू कर दिया। उन लोगों की अगवाई श्री अभयसिंह व डी ० आई ० जी ० शमशेरसिंह कर रहे थे। 27 तारीख को उन्होंने बूथों पर कब्जे किये थे। हमारे लोगों ने उन को ऐसा करने से रोकने की पूरी पूरी कोशिश की और लोगों ने कहा कि हम कल की तप आज बूथों पर कब्जा नहीं करने देंगे तो अभयसिंह वगैरह ने पुलिस को कहा कि इनको मजा चखाओ। इतना कहते ही दनादन गोलियां चलनी शुरु हो गई और दो भले लोग तो वहीं पर ही ढेर हो गये। जब लोगों ने उन लोगों को पकड़ने की कोशिश की तो पुलिस ने अभयसिंह और उन साथियों को चारों

ओर से अपने घेरे में लेकर स्कूल के अन्दर बाड़ दिया स्कूल के चारों तरफ उनकी रख–वाली के लिए फोर्स लगा दी चूंकि अभय सिंह के प्रति भीड़ उग्र रूप धारण कर चुकी थी अतः अभय सिंह को बचाने के लिये इनकी पुलिस ने बड़ा घिनौना काम किया पुलिस वाले बाहर से एक सिपाही हरबंस सिंह जोकि अभय सिंह के ही साईज का था, उसी के डील डाल जैसा था उसको पकड़ कर स्कूल के अन्दर ले गई और उसके कपड़े उतरवाकर अभयसिंह को और अभयसिंह के कपड़े उतरवाकर के उस बेचारे हरबैस सिंह को डलवा दिये फिर उस को पब्लिक के अन्दर धक्का मार कर भेज दिया गया और इन्हीं के कुछ आदमियों ने यह कहा कि यही अभयसिंह है लोगों ने उस को अभयसिंह समझकर वहीं पर मार गिराया। दूसरी तरफ अभयसिंह पुलिस के घेरे से बाहर निकल गया। इस तरह से 6 बहनों के भाइ को ऐसी घिनौनी हरकत करके इन लोगों ने पब्लिक के हाथों से मरवा दिया। उस हरबंस सिंह की बहन की शादी दो तारीख को होनी थी। जिस दिन बहन की डोली उस घर से निकली थी उस दिन उस घर से उसके भाई हरबंस सिंह की अर्थी निकली। हरबंससिह के घर वाले तो उस की इन्तजार कर रहे थे कि कब वह आए और कब अपनी बहन की डोली को विदा करे लेकिन इन जालिमों ने वह दिन आने ही नहीं दिया। कितनी बेरहमी और चालाकी के साथ उस मासूम का कत्ल करवा दिया और 6 बहनों के इकलौते भाई को उन से छीन लिया। हमें जहां उसकी बहन की डोली को हाथ लगाना था वहां हरबंस सिंह की अर्थी को हाथ लगाना पड़ा।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं जुडीशियरी की बड़ी इज्जत करता हूं। उन्होंने अपनी रिपोर्ट के अन्दर लिखा है कि जो आदमी मारा गया, वह नंगा था। उस के जिस्म पर कोई कपड़ा हीं नहीं था। मैं यह कहता हूं कि जिस सरकार के गृहमन्त्री प्रो ० सम्पत सिंह हों क्या उनके राज में सिपाही नंगे ड्यूटी देते थे? हुआ क्या कि वहां के मैडीकल कालेज के मोरचरी हाउस से दो दिन पहले इनकी दल्ला पुलिस उसके कपड़े उतार कर ले आई ताकि यह पता न चल सके कि ये अभयसिंह के कपड़े हैं। मैं समझता हूं कि जज साहब को इनकी कैसेट हाथ नहीं लगी होगी अगर वे कैसेट देख लेते तो शायद उस भाई को नंगा कोई न लिखता। वह कैसेट सारे देश ने देखी है कि हरबंससिंह ने कैसे कपड़े पहने हुए थे। एक सुरेश चन्द्र ए० एस ० पी ० करनाल में अम्बांयटिड था। सारे हरियाणा की पुलिस इन्होंने मेहम में डाका डालने के लिए इक्ट्ठी कर रखी थी। तो उसी सुरेश चन्द्र ने अपने व्यान में कहा था जो 4 मार्च के अखबार में माया था कि मैं वैसी में मौजूद था उसके बाद उस ए ० एस ० पी ० को इन्होंने गायब कर दिया और 10—15 दिन के बाद डी ० आई ० जी० के दफतर में लाकर उससे व्यान लिखा लेते हें। (शोर)

श्री सतबीर सिंह कादयान उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। एक तो ये बजट पर नहीं बोल रहे हैं। (शोर)दूसरे परसों इनके दामाद के भाई को गोहाना में पब्लिक रिलेशज आफिसर को गाली गलोच देते हुए गिरफतार किया गया है।

(शोर)

श्री उपाध्यक्ष आप बैठिए, यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : आपको क्या दर्द हो रहा है? वह हमारे घर का मामला है और हम खुद निपट लेंगे। मंगलवार को सम्पत सिंह जिन बातों का जिक्र कर रहे थे मैं उनके बारे में बता रहा था। उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर दसियों एफ० आई० आर्ज० लिखवाई गई और वे सारी की सारी पुलिस के नाम से लिखवाई गई। क्या इनके पास सिविल में कोई ऐसा आदमी नहीं था जो सच्चाई लिखवा देता। क्योंकि सिविल का आदमी सच्चाई नहीं लिखवा सकता था इसलिये सारी एफ० आई० आई पुलिस के लोगों से लिखवाई गई। इस कमीशन ने ये सारी की सारी क्वैश कर दी।

श्री सतबीर सिंह कादयान ये कमीशन को कैसे चौलेंज कर सकते हैं? (शोर)

चौधरी आनन्द सिंह डांगी जब मेहम की बात चल रही है तो मैं यह बात भी बता सकता हूं। चौटाला प्रदेश के अन्दर ढोल पीटता फिरा कि मेरा–लड़का वहां नहीं था। उसको प्रैस वालों ने देखा क्योंकि उनके भी वहां पर सिर फटे थे। उसकी वीडियो वालों ने कैसेट भरी थी जोकि ये लोग छीन कर ले गए। अगर वह कैसेट न छीनी होती तो यह कमीशन बैठाने की जरुरत

नहीं थी। किस ढंग से एफ० आई० आर्ज० लिखवाई गई, उपाध्यक्ष महोदय, एक जगह कमीशन कहता है धर्म पाल, पी० के० चौधरी, मूल चन्द जैन और सतवीर कुडु इन आदमियों में से वहां कोई नहीं था और दूसरी तरफ इन लोगों ने कहा कि इनके पास पिस्टल, रिवालवर और लाठियां थीं। (शोर)

श्री सतबीर सिंह कादयान : वे लोग कहां थे।

चौधरी आनन्द सिंह डांगी वह सामने ..... बैठा है, उससे पूछ लें।

श्री उपाध्यक्ष : यह बाप वाला शब्द रिकार्ड न किया जाए।

चौधरी आनन्द सिंह डांगी उपाध्यक्ष महोदय, अभय सिंह स्कूल से भागते हुए एक जाकैट वहां पर छोड़ गया। उस जाकेट के बारे में कमीशन लिखता है कि ऐसी जाकेट बाजार में हजारों मिल जाती हैं। उपाध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि बाजार में जाकेट कोट, पाजामे मिलते हैं और वे बाजार से ही खरीदे जाएंगे। लेकिन मैंने उस कमीशन को वह जाकेट किस बात के लिये दी थी। वह मैंने इसलिये दी थी कि वह जाकेट कमीशन अभय सिंह को अपने सामने पहना कर देखे। (शोर)

श्री सतबीर सिंह कादयान डिप्टी स्पीकर साहब, उस रिपोर्ट के बारे में स्पीकर साहब की तरफ से रुलिंग आ चुकी है कि उसके संबंध में कोई चर्चा नहीं हो सकती। मैं आपसे यह

रुलिग चाहता हूं कि क्या स्पीकर साहब की रुलिंग के बाद उस रिपोर्ट के संबंध में कोई चर्चा हो सकती है? (शोर)

श्री उपाध्यक्ष आप कृपया बैठिए।

श्री सतबीर सिंह कादयान .....

Mr. Deputy Speaker : Whatever has been said without my permission will not go on record.

श्री सतबीर सिंह कादयान उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य बजट पर बोलें। गुप्ता जी की बड़ाई करें हमें कोई एतराज नहीं है। (शोर)

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला)उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट औफ आर्डर है अगर कोई मैम्बर बजट पर बहस के दौरान जो बात स्टेट से ताल्लुक रखती हो वह कहे, चाहे वह किसी कमीशन से भी संबंधित है तो क्या उस बारे में कोई बहस बंद हो सकती है? इस बार में मैं आपकी रुलिंग चाहता हूं। (शोर)

Mr. Deputy Speaker : I have the record with me. Mr. Sampat Singh spoke for full 50 minutes on this subject.

चौधरी आनन्द सिंह डांगी डिप्टी स्पीकर साहब, सम्पत सिंह जी ने बजट पर बोलते हुए इस बात को उठाया था और यह बात मेरे से सीधा संबंध रखती है और मेरे हल्के से संबंध रखती है इसलिये मैं इनके रोकने से रुक नहीं सकता। मैं अपनी सारी

बातें कहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर 7 आदमी मारे गए और उन सातों आदमियों को मारने के लिये किसी को भी जिम्मेदार नही ठहराया कि वे किसने मारे, कैसे मरे। उनको कोई तो मारने वाला होगा। केवल चही कहा गया और उन लोगों पर यह इल्जाम लगाया गया कि उन्होंने पथराव किया और गोलियां चलीं जिसके कारण वे मर गए। वे सात आदमी किसने मारे और यह बात भी क्लीयर होनी चाहिए थी कि वे सात आदमी कौन थे। उपाध्यक्ष महोदय, वे सातों आदमी मेरे समर्थक थे। उपाध्यक्ष महोदय, उन सातों आदमियों के दाह संस्कार में जाने की बात तो दूर रही इनमें से उनके पर में शोक प्रकट करने के लिये भी कोई नहीं गया। हमारे सामने जितने भी एक विशेष नस्ल के लोग बैठे हैं इनमें से एक भी उनके घर शोक प्रकट करने के लिये नहीं गया। (शोर)

श्री धीरपाल सिंह डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। (शोर).....

श्री सतबीर सिंह कादयान डिप्टी स्पीकर साहब, ...

.....

Mr. Speaker : This will go out of the record.

श्री सतबीर सिंह कादयान डिप्टी स्पीकर साहब, अगर हाउस को ठीक ढंग से चलाना है तो पहले इनको सदन से माफी मांगनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष मेरी परमीशन के बगैर जो चोला जाए वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री धीरपाल सिंह उपाध्यक्ष महोदय, ...

श्री सतबीर सिंह कादयान .....

(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।)

चौधरी भजन लाल आप सबसे मेरी प्रार्थना है कि मेहरबानी करके बीच में टोका–टाकी न करें जिससे हाउस मे बदमजगी फैले। अगर इनके मुहं से कोई ऐसी बात निकल गई है तो हमें खेद है।

चौधरी आनन्द सिंह डांगी स्पीकर साहब, मैंने विशेष नस्ल की बात कही. थी। इस बात पर ये एतराज करते है। चलो मैं विशेष नस्ल की बात विदड्रा करके विशेष पार्टी की बात कह लेता हूं। इन विशेष पार्टी के लोगों ने उस समय क्या कुछ किया वह सभी को पता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 500–600 आदमियों का एक पूरा ग्रुप आया और जो भी उसके आगे आता गया वह सभी को मारते पीटते गये और फूंकते चले गये। इसके अलावा जो मेरा धर्मरथ था उसको भी जला दिया गया और सैकड़ों आदमियों को चोटे लगी। मैं पूछना चाहता हू कि वे 500–600 लोग कौन थे? वे हमारे लोग नहीं थे बल्कि पुलिस वाले थे। अध्यक्ष महोदय, वहां पर उस समय जो कुछ हुआ वह बहुत ही शर्मनाक हुआ था। ऐसी शर्मनाक बात उस समय हुई जो हरियाणा

के इतिहास में आज तक नहीं हुई है। उस समय पुलिस ने बाकायदा बायकाट किया। पुलिस वालों ने अपनी पेटियां और टोपियां उतार फैकी। यह सब क्यों हुआ। वह सब इसलिये हुआ क्योंकि इन लोगों ने जुल्म किया था। लोगों को हर तरह से दबाने की कोशिश की गई। उस समय पुलिस के कुछ दल्ले आफिसर्ज जो इनके साथ थे उन्होंने लोगों पर जुल्म करे। लेकिन जो छोटे कर्मचारी थे उन्होंने गलत काम करने से इंकार कर दिया। उस समय के गृह मन्त्री चौधरी सम्पत सिंह और एक एम० पी० श्री जय प्रकाश की पुलिस नैं ही खुद जम कर पिटाई की। उसी प्रदेश का गृह मच्छी हो और उसी प्रदेश की पुलिस से पिटे यह कितनी बुरी बात है। जिस गृह मन्त्री को उसी की पुलिस पीटे उसकी क्या इज्जत हो सकती है? मैं इस विषय पर ज्यादा न कहते हुए यह कहना चाहता हू कि जो रिपोर्ट आई है वह सच्चाई से परे है। वैसे तो मैं इन जय साहब की कद्र करता हू

श्री सूरज भान काजल आन ए प्वायट आफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, जिस रिपोर्ट को रिजैक्ट कर दिया गया है और जिस पर आपकी रुलिग आ गई है, क्या उस पर ये अब बोल सकते है?

श्री अध्यक्ष आप बैठिए। हरेक चीज पर बोला जा सकता शै।

चौधरी आनन्द सिंह डांगी अध्यक्ष महोदय, जो रिपोर्ट

सरकार ने कैंसिल की है वह इसलिये कैसिल की है ताकि सच्चाई को जाना जा सके। इसकी जांच करने के लिए, इस बात का पता करने के लिये कि इसके अन्दर कोई सच्चाई है या नहीं, सरकार ने 5 आदमियों की एक कमेटी बनाई और उस कमेटी ने रिपोर्ट दी। स्पीकर साहब, कमीशन की रिपोर्ट में जो भो बातें है वे सारी की सारी सच्चाई से परे हैं और असलियत से दूर हैं। उस घटना में कितने आदमी मारे गए उसकी चची तो है लेकिन वे कैसे मरे, किसने मारे इस का कोई चची नही है। स्पीकर साहब, हद की बात तो यह है कि जिनके खिलाफ जेरे दफा 302 एफ० आई० आर दर्ज है, उन्हें कमीशन नें ब्यानों के लिंये बुलाया ही नहीं। स्पीकर साहब, यह बड़े गजब की बात है कि श्री शमशेर सिंह और श्री अभय सिंह अपनी सफाई देने के लिये नहीं आए। अगर वे नहीं आए तो कोई बात नहीं लेकिन कमीशन ने उनको बिना सफाई दिए ही निर्दोष करार दे दिया है। स्पीकर साहब, यह इतनी अन्धी रिपोर्ट है कि जिसकी कोई हद ही नहीं है। (विघ्न)

श्री कृष्ण लाल स्पीकर साहब, मेरा प्वायट औफ आर्डर है। मैं आपके माध्यम से श्री आनन्द सिंह डांगी से यह जानना चाहता हूं कि जो रिपोर्ट इस वक्त ये पढ़ रहे हैं, ये उस वक्त कहां थे?

श्री अध्यक्ष यह कोई प्वायंट औफ आर्डर नहीं है, आप बैठिए।

चौधरी आनन्द सिंह डांगी यह रिपोर्ट सब के सामने है और इसको सब पद सकते हैं। सीकर साहब, जो रिपोर्ट रद्द को गर्व शै हमारे विपक्ष के साथियों ने इसका विरोध किया है। मैं तो यह कहना चाहुंगा कि जो लोग सदन मे इसको रद्द करने का विरोध कर रहे हैं वे अमली दोषी हैं और सरकार को इनके खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए थी (घंटी)स्पीकर साहब, जो कमीशन बिठाया गया वह हरियाणा विधान सभा ने नहीं बिठाया बल्कि एक आदमी ने बिठाया जो कि इलीगल बात है। सरकार ने उस कमीशन की रिपोर्ट को 6 महीने के अन्दर विधान सभा के पटल पर रखा. है। यह कमीशन उस समय के चीफ मिनिस्टर ने बिठाया था लेकिन इस कमीशन की रिपोर्ट को अब पूरी कैबिनेट ने रद्द किया है। इस रिपोर्ट को रद्द करने का कैबिनेट को पूरा अधिकार है। अगर इस रिपोर्ट को ठीक ढंग से पेश किया जाता और जो सच्चाई थी, उसको पेश किया जाता तो जो लोग इसमें दोषी पाए जाते उनके खिलाफ सरकार द्वारा कार्यवाही होती।

श्री अध्यक्ष डांगी साहब, आपको बोलते हुए काफी समय हो गया णै अब आप अपनी बात को खत्म करे।

चौधरी आनन्द सिंह डांगी स्पीकर साहब, अपोजीशन के नेता चौधरी सम्पत सिंह जी ने पिछले दिनों सदन में एक बात उठाई थी कि आदमपुर हल्के के अन्दर पिछले दिनों पार्टी के कार्यकर्ताओं से पोलिटिकल दुश्मनी निकालने के लिये उन पर नाजायज दबाव डाला गया। स्पीकर साहब, वहां पर जो कुछ हो

रहा है वह ठीक हो रहा है जिन लोगों के खिलाफ मुकद्दमे दर्जा किए जा रहे हैं, मेहम के इलैक्शन के दौरान उन सब के हाथों में हथियार थे और हरि सिंह उन लोगों की लीडरशिप कर रहे थे। आज सरकार ने उनके खिलाफ कार्यवाही शुरू को है और बताया है कि किस तरह से उनके पास' नाजायज, हथियार हैं और कैसे वे लोग उन हथियारों से नाजायज काम करते हैं। स्पीकर साहब, हम लोग चौधरी सम्पत सिंह जी की तरह नही हैं कि 1989 में एक आदमी को उठवा दिया और 53 दिनों तक उसका पता ही नही चला। स्पीकर साहब, होम मिनिस्टर के खिलाफ हाईकोर्ट ने स्ट्रिक्चर पास किया और ये भाई उसको निर्दोष बता रहे है। जिस आदमी को इन्होंने 53 दिन के बाद छोड़ा वह आदमी आज कह रहा है कि यह सरकार गलत काम कर रही है, इससे घटिया बात और कोई हो नहीं सकती। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं लौटरी वाली जो बात अखबार में आई है उसके बारे में कुछ कहना चाहूंगा (विघ्न)। एक करोड़ की आमदनी में से एक लाख की आमदनी दिखाई और बाकी रकम खुद हड़प कर गए। लाख दो लाख की बात होती तो और बात थी लेकिन एक करोड़ रुपये में से 99 लाख रुपये हजम कर गए। (विघ्न)इसके साथ ही ये लोग कहते हैं कि सुरजेवाला जी अलग जलसे कर रहे हैं। (विघ्न)स्पीकर साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह और चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला ने पार्टी और सरकार से अलग कोई बात नहीं की है। ये कल वाले अखबार में पढ़े कि रणजीत सिंह अपने बाप के बारे में क्या कहता है। अध्यक्ष महोदय, यह बात तो वह हुई कि बिल्ली

सौ चूहे खाकर हज को चली। ऐसी ऐसी तो बातें ये करते हैं।

श्री सतबीर सिंह कादयान अध्यक्ष महोदय, जो आदमी सदन में न हो, उसके बारे में ये न बोले। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी आनन्द सिंह डांगी अध्यक्ष महोदय, ये क्या बात कर रहे हैं, उस देवी लाल को दिल्ली पहुंचाने वाला आनन्द सिंह डांगी है और यह हमारी हिम्मत है कि हम यहां भी आए हैं जीत कर खुद ही आए हैं और आते रहेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष कृपया सब अपनी अपनी सीटों पर बैठें।

चौधरी आनन्द सिंह डांगी अध्यक्ष महोदय, इन भाईयों को सच्चाई से बहुत दर्द होता है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी न तो खुद कोई गलत बात करते हैं और न ही अपनी पार्टी के आदमियों को करने देते हैं और ये सारे नंगे होकर लगे हुए हैं, कही भी कोई बात हो भै'–भै करने लग जाते हैं।

एक आवाज ये तो अनपढ़ है।

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : अनपढ़ किसको बताते हो। अरे तुम्हारे जैसे तो मैंने नौकरी लगाए हैं। (शोर एव व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आनन्द सिंह जी आप वाईड–अप करें।

चौधरी आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आदेश मानते हुए अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह (नारनौंद): अध्यक्ष महोदय, यह बजट 16 तारीख को पेश किया गया था और 17 तारीख को बजट पर चर्चा आरंभ हुई थी लेकिन आज सदन में ऐसा माहौल देखने को मिल रहा है कि हम बजट को भूलकर किसी और बात पर चले गए हैं। अध्यक्ष महोदय, बजट में प्रान्त के बारे में सरकार अपनी नीति प्रदर्शित करती है, इसलिए उस बजट को सरकार को प्रान्त की अच्छाई को ध्यान में रखते हुए पेश करना चाहिए। गुप्ता जी ने बहुत लम्बी स्पीच दी और पढ़ी लेकिन मुझे बहुत ही अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि मौजूदा बजट में एक भी बात उत्साह–जनक नही है जिसके लिए गुप्ता जी की तारीफ की जा सके। वैसे गुप्ता जी या रूलिंग पार्टी के लोगों से मेरा कोई द्वेष नही है। मैं सब की कद्र करता हूं। परन्तु जहां तक प्रदेश का सवाल है और आज जो सदन में माननीय सदस्य बैठे है इन सभी को एक एक लाख लोगों ने यहां पर चुनकर भेजा है। स्पीकर सर, विधानसभा में लिखा हुआ भी है कि जो बोलो सत्य बोलो। इसलिए प्रदेश के हित मैं तो हमें बोलना ही पडेगा, जनता के हित में भी हमें बोलना ही है। यह हमारा नैतिक कर्तव्य है। फाइनैसं मिनिस्टर साहब ने जो बजट पेश किया है उसमें कहा गया है कि सारा घाटा 119.81 करोड़ रुपये का है और मैंने 60 करोड़ रुपये का प्रबंध कर लिया है तो इस तरह से यह घाटा 59.81 करोड़ का रह जायेगा। हरियाणा प्रान्त की जितनी भी बालिग और नाबालिग जनता है वह सब इन बसो में सफर जरूर करेगी इसलिए इन्होंने 15 प्रतिशत तक किराया बढ़ा दिया है। जहां तक मेरी यादाश्त है

कि जब से हरियाणा प्रान्त बना है तव से आज तक कभी भी इतनी जबरदस्त किराये में बढ़ौतरी नहीं हुई है, किसी भी फाइनैस मिनिस्टर ने किसी साल में भी इतनी बढौतरी किराये में नहीं की होगी। इस तरह से मांगे राम जी ने बसों में किराये की बढ़ोतरी के लिए अपना नाम हरियाणा के इतिहास में रख दिया। इस काम के लिए मांगे राम जी का नाम हरियाणा के इतिहास में जरूर रहेगा।

17.00 बजे

श्री किताब सिंह : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने कहा है कि सत्य बोलो। इन्होंने किराये में वृद्धि की बात भी कही है लेकिन जब ये स्वयं मत्रिमंडल में थे तो उस समय इससे ज्यादा किराये में वृद्धि हुई थी। इसके अलावा ये न्याय की बात कर रहे हैं लेकिन एस ० वाई० एल० का मामला 20 साल से लटका आ रहा है इन्होने इसके लिए क्या किया?

श्री अध्यक्ष यह कोई प्वायट आफ आर्डर नही है। आप कृपया बैठिए और जब आपको टाईम देंगे तो बोल लेना।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह स्पीकर सर, आठवी पंचवर्षीय योजना एक अप्रैल, 1992 से चालू होगी। जब मैं मांगे राम जी की स्पीच पढ़ रहा था तो उसमें लिखा था कि आठवीं पचवर्षीय योजना मे प्लानिंग कमीशन मे गवर्नमैट आफ इडिया ने यह तय किया है कि इस प्लान में हमारा जोर पापुलेशन के कन्ट्रोल पर

होगा। इल्लीट्रेसी को समाप्त करने पर होगा, लीट्रेसी को लाने पर होगा और ऐय्म्पलायमैंट को जनरेट करने पर होगा। एटथ फाईव ईयर प्लान में इन बातों पर जोर दिया जायेगा। सारे देश के स्तर पर यह जोर दिया जायेगा। हमने सारा बजट भाषण गुप्ता जी का पढा है। हमें कही कोई ऐसी बात पढ्ने के लिये नही मिली। अगर कहीं पर हो तो ये अपने जबाव में बता दें कि पापुलेशन कन्ट्रोल करने के लिए सरकार ने क्या ध्यान देने का संकल्प किया है। हरियाणा प्रान्त में ही नही, सारे हिन्दुस्तान यानी भारतवर्ष मैं पापुलेशन दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है मगर हम इस पर कोई इफैक्टिव कन्ट्रोल नही कर सके है। स्पीकर साहब, वह स्टेज इस तरह से जल्दी ही आ जायेगी जब देश में सिविल वार हो जायेगी इसलिये पापुलेशन कन्ट्रोल करना बहुत जरूरी है। गुप्ता जी या मुख्य मंत्री महोदय अपने जवाब में यह बतायें कि क्या कदम उन्होंने, इसके लिये उठाये है। हरियाणा प्रान्त में इस दिशा में सरकार ने क्या–क्या काम किये है ताकि इस बढती हुई आबादी को कन्ट्रोल किया जा सकै। इसी के साथ जुड़ी हुई अन–एम्पलायमैंट की प्रौब्लम भी है। अन–एम्पत्रायमैंट आज बेइन्तहा है। आज चौधरी भजन लाल की सरकार है। कल चौधरी देवी लाल की सरकार थी। परसों चौधरी वैसी लाल की सरकार थी। जो भी मंत्री, मुख्य मंत्री या विधायक बनते हैं यानी जो भी रूलिंग पार्टी में होते है, उन सब के सामने एक ही माग होती है कि मेरे लड़कों को भर्ती कराओ, मेरी बेटी को नौकरी दिलाओ, मेरे लड़के की बहू को नौकरी दिलवाओ। एक ऐसा जबरदस्त

बेकारी का सिलसिला क्रुप, यह इम प्रदेश में ह्रीं नहीं सारे देश में होगा, जिसे हल करना जरूरी है। इस प्रदेश में तो बड़ी जबरदस्त बेकारी फैली हुई है। जमीनें कम हो गयी है, जमीनों का बंटवारा होता चला गया है क्योंकि पापूलेशन बढ़ती चली गयी है। इसलिये काटेज इंडस्ट्री या स्माल स्केल इंडस्ट्री वगैरह लगाने की कोई बात इस सारे बजट भाषण में अगर मांगे राम जी गुप्ता ने कह दी होती तो हम इनको मुबारिकवाद देते लेकिन इसमें कोई ऐसी बात नही है कि कैसे ये अन–एम्पलायमैंट को कन्टेन करेंगे। किस प्रकार से इस बेकारी को रोकेंगे। 17 तारीख को एक बात हो गयी थी। हमारे साथी अखबार लेकर यहां पर कह रहे थे, शायद मक्कड़ साहब या नलवा साहब थे कि हमारे कुछ साथी ऐसे हैं जिन्होंने ऐसी स्पीच दी कि यहां पर भी पंजाब जैसे हालात हम पैदा कर देंगे। वह बात निन्दनीय है, कोई भी अगर ऐसा कहता है तो वह ठीक नहीं है। मगर शायद हम करे या न करे अगर बेकारी इसी तरह से बढ़ती रही तो इन हालात को पैदा होने से कोई नहीं बचा सकेगा। आप किसी प्रकार से बेकारी को या अन–एम्पलायमैंट को रोक न पाये तो इन हालात को पैदा होने से कोई भी रोक नहीं सकेगा। इसलिये मैं मुख्य मती महोदय से यह निवेदन करूंगा कि आप भी हरियाणा के हैं और हम भी हरियाणा के हैं, इस अन–एम्पलायमैट को दूर करने का कोई न कोई तरीका अपनायें। मेरी समझ कें मुताबिक तो काटेज इंडस्ट्री के अलावा दूसरा कोई तरीका नजर नही आता है। केवल यह कहने से कि हम इतनी एम्पलायमैंट जनरेट कर लेगे, 500 लोगों को एक साल

में नौकरी दे देंगे या 5,000 को या 20,000 को नौकरी दे देंगे, यह बात नही बनेगी। अगर हम उनको सही दिशा नही देंगे तो सिविल वार होने से यहा कोई रोक नही सकेगा। पंजाब जैसे हालात यहां पर भी पैदा होने से कोई नहीं रोक सकेगा। हालात इसलिये पैदा होंगे क्योंकि यहां पर बेरोजगारी बहुत है। इसलिये मेरी गुजारिश यह है कि ऐसी नीति बनायी जाये कि इस बजट में काटेज इंडस्ट्री पर ज्यादा जोर दिया जाये। ऐसी पालिसी बनायी जाये कि दबादब इस प्रदेश में आकर पटे–लिखे लड़के और अन–पढ़ लडके भी अपना धन्धा शुरू करें। मेरा कहना यह है कि ऐसे धन्धों के द्वारा उनको रोजगार दिया जाये ताकि इस प्रदेश मे अमन चौन रहे, खुशहाली रहे और लोग अपने काम मे व्यस्त रहें। स्पीकर साहब, एस० वाई० एल० और टैरेटरी का मामला इस सदन में बहुत बार आ चुका है। स्पीकर साहब, कल फिर अखबारों में छपा है और यमुना के वाटर को उछाला जा रहा है और कही किसी और रात को उछाला जा रहा है। इस सदन में इस बारे मे ऐडजर्नमैंट मोशन भी आया, मुख्य मन्त्री जी ने उसका जवाब भी दिया और बडा मजबूत स्टैड लिया। ट्रेजरी बैन्चिज का अगर यही स्टैंड है तो अपोजीशन का भी यही स्टैड है। फिर ऐसी हालत में गवर्नमैंट की तरफ से एक रैजोल्यूशन क्यों न आ जाए कि इरैडी कमीशन ने पानी का जो फैसला किया है और उस फैसले में जो पानी हमें दिया है वह फरदर नेगोशिएबल नही है। 38 एम० ए० एफ० पानी जो दिया है उससे कम पानी हम नही लेंगे। इस तरह का रेजोल्यूशन यहा सदन में आ जाए तो अच्छा रहेगा। चण्डीगढ़

के बदले मे जो भी हिन्दी भाषी क्षेत्र है वे लिए जाएंगे। इस बारे में भी रैजोल्यूशन आ जाए। रोज रोज सदन में इस बारे मे चची हो तो सदन का टाईम खराब होता है। अगर इस सदन के नव्वे के नव्वे सदस्य एक स्वर से इस तरह के रैजोल्यूशन पर अपनी मोहर लगा दे तो ज्यादा अच्छा रहेगा। स्पीकर साहब, अगर सरकार इस तरह का रैजोल्यूशन मूव न करना चाहे तो हम मूव करने के लिए तैयार हैं। स्पीकर साहब, एक यूनानिमसली रैजॉल्यूशन असैम्बली की तरफ मे पास हो जाए तो ज्यादा अच्छा रहेगा।

स्पीकर साहब, मैं पावर सैक्टर के बारे में थोड़ी सी चर्चा करूंगा। स्पीकर साहब, मैं पावर सैक्टर के बारे मैं विपक्ष के नाते नही कह रहा हू। यह ठीक है कि हमने गबर्नर ऐडैरस में भी पढ़ा और बजट स्पीच मे भी पढ़ रहे हैं कि पावर का रिकार्ड उत्पादन हुआ है और 310 लाख यूनिट बिजली ज्यादा पैदा की है। मैं मुख्य मन्त्री जी को कहना चाहता हू कि यदि आप नई इंडस्ट्रीज लगाएगे और पानी के लिए नए ट्यूबवैल्ज को कनैक्शन देंगे तौ मांग नैचुरली बढ़ेगी। स्पीकर साहब, दिन प्रति दिन बिजली की माग बढ़ती चली जाएगी। स्पीकर साहब, इस बजट स्पीच में न मांगे राम जी ने और न ही मुख्य मन्डी जी ने किसी नए प्रोजैक्ट की बात की है। यमुना नगर मे थर्मल पावर स्टेशन के बारे मे जिक्र किया है। स्पीकर साहब, इस प्रोजैक्ट को सैडल गवर्नमैंट की मन्जूरी नही मिली और यह प्रोजैक्ट एक हजार करोड़ रुप ये का

हो गया लेकिन इस प्रोजैक्ट के लिए हमारें प्रान्त की सरकार ने केवल पांच करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। स्पीकर साहब, यह मजाक नही तो क्या है कि हजारों करोड़ रुपए का तो यह प्रोजैक्ट है और इसके लिए केवल पांच करोड़ रुपया दिया जा रहा है। गुप्ता जी कह रहे हैं कि पाच करोड़ रुपया हम दे रहे हैं।

वित्त मन्त्री (श्री मांगे राम गुप्ता)स्पीकर साहब. जो जमीन ऐक्वायर की थी उसका पैसा दे चुके हैं।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह स्पीकर साहब, चौधरी शमशेर सिंह जी ने कहा कि यह प्रोजैक्ट पिछली सरकार ने एन० टी० पी० सी० को दे दिया, इस प्रोजैक्ट को तो हरियाणा बनाता। स्पीकर साहब, मैं कहना चाहता हूं कि अब तो केवल बीस पच्चीस परसैन्ट पैसा एन० टी० पी० सी० को देना पड़ेगा। यही रुपया दे लो आप सारा रुपया कहां खर्च कर सकते हो? स्पीकर साहब, पिछली सरकार ने इसलिए एन० टी० पी० सी० को देने का फैसला किया था कि प्रदेश को बिजली की आवश्यकता थी और दिन प्रतिदिन यह मांग बढ़ती जा रही है। एन ० टी० पी० सी० को बड़ी मुश्किल से मनाया था। बसन्त साठे और कल्पनाथ राय को बहुत कहना पड़ा था। तब जाकर एन० टी० पी० सी० को दिया था और स्पीकर साहब, यह सरकार उसके लिए केवल पांच करोड़ रुपए का प्रावधान करने जा रही णै। मांगे राम जी बिजली का बहुत बड़ा संकट पैदा होने वाला है इसलिये मेहरबानी करके इस तरफ ध्यान दीजिये और जितने जहां से भी आप प्राजैक्ट ले सकने हो, ले

लो। हिमाचल प्रदेश से भी बात चल रही थी और अखबारों में भी हम इस बारे में पढ़ रहे हैं लेकिन हो सकता है कि कुछ फायनैशियल कन्स्टैरटस हों। फायनैंशियल कंस्ट्रेटस हरियाणा के अन्दर भी बहुत हैं उसका फर्क भी अवश्य पड़ेगा। सरकार ने कहा है कि हमने कुछ चीजों पर जैसा कि टायर, ट्यूबज, टी वगैरह पर कुछ रिलीफ दे दी है। मैं यहां हाउस में यह बताना चाहता हू कि कर तो सरकार ले रही है लगभग 60 करोड़ रुपये के लेकिन रिलीफ जो यह सरकार दे रही है, वह केवल 50 लाख रुपये तक ही है। इस रिलीफ का कंज्यूमर्ज को कोई लाभ नहीं होगा क्योंकि हर साल कीमतों में वृद्धि होती रहेगी। इसलिये मेरी मुख्य मन्त्री महोदय व वित्त मन्त्री महोदय से गुजारिश है कि वे कज्यूमर्ज की दिक्कतों को देखते हुए इस ओर विशेष ध्यान दें।

इसके साथ साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि आज हरियाणा के जिम्मे 3,900 करोड़ रुपये का कर्जा है और उसका इंट्रैस्ट ही लगभग एक साल का 377 करोड़ रुपये पड़ेगा। इसका बोल भी गरीब जनता पर ही पडेगा। इसलिये मेरी गुजारिश है कि सरकार एक ऐसी कमेटी बनाये जोकि थारोली व डीपली इन सुजेशन्ज को पढ़े और गौर करे तथा कोई ऐसा एरिया तलाश किया जाए जिससे सरकार को पैसा मिल सके ताकि सरकार की वित्तीय स्थिति ठीक हो सके। दूसरी मेरी सुजेशन है कि जो हरियाणा के अन्दर हैवी ऐडमिनिस्ट्रेशन है उसको सलैश किया जाए। इसके लिये भी बाकायदा एक अच्छे–लोगों की, जिसमें

पोलिटिकल लोग भी हों और औफिसर्ज भी हों, एक दूसरी कमेटी बनाया जाए जोकि यह छानबीन करे कि सरकारो ऐकसपैन्डोचर को कैसे कम किया जा सकता है। ये दोनों कमेटियां अपनी रिपोर्ट एक महीने के अन्दर अन्दर दें ताकि जो आपको फायनैशियल मैनेजमेंट एं उसको वढ़िया मा रूप दिया जा सके और साथ ही हरियाणा के विकास के कार्यों पर भी सुचारू रूप से ध्यान दिया जा सके। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं।

श्री धीरपाल सिंह (बादली)अध्यक्ष महोदय 17 तारीख से 1992–93 के बजट पर चर्चा हो रही है। मैं इसका विरोध करने के लिये खड़ा हुआ हू। मैंने गुप्ता जी के भाषण को बड़ी बारीकी से पढ़ा है और यह महसूस भी किया है कि हरियाणा प्रदेश एक कृषि प्रधान प्रदेश है और हमारा जो आर्थिक आधार है, वह सारे का मारा कृषि मे जुदा हुआ है। बजट को पढ्ने के बाद मैंने यह देखा है कि कृषि के उत्पादन के लिये किसानों को जो सबसिडी दी जाती रही है. चाहे वह फव्वारा सैट्स पर हो, चाहे दवाईयों पर हो, चाहे खाद इत्यादि पर हो, या किसी दूसरे मुद्दों पर दी जाती रही हो वह इस सरकार ने बिल्कुल ही बन्द कर दी है। न ही इम बजट में इस तरह का कोई प्रावधान ही किया गया एं कि आगे से किसानो को कृषि के लिये क्या क्या सहायता दी जाएगी। हमारी पैदावार अगर नही बढ़ती तो यह केवल हरियाणा प्रदेश का मुद्दा नही बल्कि यह सारे देश का मुद्दा है। यहां पर भी कांग्रेस की

सरकार है और ऊपर सैंटर में भी कांग्रेस की सरकार शै। काप्रेम की संस्कृति ऐसी है कि इन्होंने अभी तो गेहू का ही आयात किया है। केन्द्र की सरकार में कांग्रेस के नेता भी किसान विरोधो हैं और हमारे हरियाणा के नेता भी, यह दस बात का प्रमाण है। आप देखें कि हमने किसान की आर्थिक हालात को सुधारने के लिए इस बजट में कोई व्यवस्था नही रखी।

यहां पर ट्रासपोर्ट का भी जिक्र आया। कई साथी चर्चा कर रहे थे कि कितना किराया बढ़ाया णै। हम भी होली के त्योहार पर गांव में गए थे। वहां पर एक एक आदमी रो रहा था और कह रहा था कि 15 प्रतिशत किराया बढ़ाया है। यह बहुत ही ज्यादा बढ़ाया गया है। हर नागरिक और हर हरियाणा का बासी इसकी निन्दा कर रहा है। (विष्य)मैं यह नहीं कह रहा कि बसें की चलनी चाहिए। पीछे चौधरी भजन लाल ने कहा कि हम एक ऐक्सप्रैस सर्विस जारी करेंगे, बड़ा अच्छा काम किया। लेकिन हमारी जानकारी में यह नही आया कि ऐक्सप्रैस सर्विस का जो 25% किराया बढ़ाया है उसकी मार किस पर पड़ेगी? अगर आप इन नई बसों का 25% किराया बढा रहे है तो दूसरी तरफ जो बसे गांवों में जाती हैं उनका किराया कम होना चाहिए था। अगर आप ऐसा करते तब तो हम गुप्ता जी को धन्यवाद देते कि उन्होंने गांव के गरीब लोगों के इस बजट मे व्यवस्था की है। जहां तक वीडियो कोच का ताल्लुक है, इस बारे में आज एक प्रश्न भी था। हमें इनमें याता करने का मौका मिल जाता है। जितनी भी वीडियो

कोच यहां से दिल्ली जाती हैं उन सब के टी० वी० और वी० सी० आर० निकाल कर पता नहीं कहां ले गए? इस बारे में मन्त्री जी को पता होगा। अभी अभी नई गाड़ियां बन कर आई हैं। कुछ समय पहले ये लोग कहते थे कि अखबारों में आया है कि बसों की खरीद में करोड़ों रुपए का घपला हुआ। अखबारों ने तो प्रदेश के मुद्दे को लेकर कल भी यह लिखा था कि श्री सुरजेवाला और मुख्य मन्त्री जी दिल्ली गए। जो हमारे हिस्से का पानी है, जो हमारे गांव में आना है, खेत में मिलना है, उस पानी को दिल्ली के लोगों को खुश करने के लिए दिया जाएगा। आज यह भिवानी का मुद्दा हो सकता है, कल को रोहतक और परसों को सोनीपत का हो सकता है। इन्होंने कर्नाटक से बसें मंगवाई, उनमें कितना घपला हुआ है इसकी जांच सरकार करवाए। उन बसों की बौडी बहुत घटिया है इसलिए दोषी व्यक्तियों को सरकार सजा दे।

जहां तक कानून व्यवस्था का संबंध है, स्पीकर साहब, इस सरकार की कानून व्यवस्था केवल नाममात्र की है। आज हरियाणा प्रदेश में एक भी नागरिक सुरक्षित नहीं है। मेरे हल्के में 17 जनवरी, 1992 को एक नया काण्ड शुरू हो गया, इन्होंने एक नय रास्ता शुरू किया। मेरे हल्के में माडोठी गांव के पास एक औरत के सहारे एक लड़के का ट्रैक्टर छीना गया। जिसका ट्रैक्टर छीना गया उस लड़के का नाम सुरेन्द्र सिंह है। उसके बाप का नाम मुखत्यार सिंह है और वह बामोला गांव का रहने वाला है। वह औरत उसके ट्रैक्टर के आगे खड़ी हो गई और कहने लगी कि

मेरे छोटे छोटे बच्चे हैं शाम हो गई है, मुझे गांव तक लिफ्ट दे दें। गांव का निवासी होने के नाते उस लड़के में श्रद्धा थी इसलिए उसने अपना ट्रैक्टर रोक कर उसको लिफ्ट देने की कोशिश की लेकिन उस लड़के को कुछ आदमियों ने ट्रैक्टर से उतार कर मारूति में डाल लिया। उसको मारूति में डाल कर मारने की कोशिश की। लेकिन गुड़गांव के पास वह मारूति रेत में धस जाती है इसलिए वह उसको छोड़ कर भाग गए और उन्होंने वह ट्रैक्टर यू० पी० में जा कर बेच दिया। उस बारे में सरकार ने आज तक कोई कार्यवाही नहीं की। इसी तरह से मैं एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि सौंधी गांव के पास ड्रेन नम्बर 8 में से तीन महीने के बाद एक अन–नोन लाश मिली। कई दिन तक वह लाश ड्रेन नम्बर 8 के किनारे पर पड़ी रही लेकिन पुलिस ने उस बारे में यह जानने की कोशिश नहीं की कि वह किसकी लाश है। लोगों ने उस लाश को इसलिए नहीं उठाया क्योंकि उनको उसके लिए दोषी न माना जाए। लोगों ने उस लाश के बारे में पुलिस को सूचित किया। उसके बाद हफ्ता 10 दिन के बाद उस लाश का दाह संस्कार हुआ। उस आदमी के बारे में आज तक यह जानकारी नहीं है कि वह कौन था, कहां का था और किसका था। इसी तरह से सोहल्दा गांव के एक कुएं से बिना सिर की लाश मिली। मैं इन बातों की चर्चा इसलिए कर रहा हूं क्योंकि आज हरियाणा प्रदेश का कोई भी नागरिक सुरक्षित नहीं है और सारा हरियाणा प्रदेश इस तरह की घटनाओं को ले कर चिन्तित है। डेरी का काम करने वाले एक भाई जिसका नाम मुझे याद नहीं है उसको अगवा किया

गया। अगवा करके उसको बाहर ले जाया गया। उसके बाद उसको यातनाएं दी गई। अभी पिछले दिनों मुख्य मंत्री जी रोहतक गए थे। उस समय रोहतक के लोगों ने मुख्य मंत्री जी पर दबाव डाला उसके बाद रोहतक के लोगों ने राहत की सांस ली। इसी तरह से स्पीकर साहब, नगरपालिका बहादुरगढ़ के औफिस के सामने दिन के 12.00 बजे एक हत्या हुई। मुद्दा यह नहीं है कि वह हत्या किस की हुई और किसने की। मुद्दा यह है कि अगर दिन के 12.00 बजे सरे बाजार हत्या होती है तो यह सरकार पर एक कल क है। प्रशासन चलाने का काम सरकार का है। (शोर)

श्री सूरजमल स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। वह हल्का लोकदल का है। जिस आदमी की हत्या हुई है वह आदमी भी इनकी पार्टी का है और उसकी हत्या भी इन्हीं के पार्टी के एक गुण्डे ने की है। यह मरने वाला भी गुण्डा था और उसको मारने वाला भी गुण्डा है।

श्री धीरपाल सिंह स्पीकर साहब, मैं किसी के बारे में नहीं कह रहा कि वह मरने वाला कौन था और उसको किसने मारा। मैं अब भी कहता हूं कि इस सरकार की कानून व्यवस्था इस ढंग की है कि दिन के 12.00 बजे सरे बाजार हत्या हो जाती है और इस सरकार का प्रशासन उस बारे में चुप रहता है। इस बारे में सारी तहकीकात करना इस सरकार के प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह मरने वाला कौन था। इसी तरह से स्पीकर साहब, बहन शांति राठी जी ने एक बात यह कही थी कि जो भाई कांस्टेबल

था वह अपनी 6 बहनों का एक भाई था। मैं बहन जी को बताना चाहूंगा कि बहन जी जब वह मरा उस समय चौधरी भजन लाल जी की सरकार थी। इसी तरह से रोहतक आयुर्वेदिक कालेज के एक छात्र की हत्या की गई थी। वह भी अपनी 6 बहनों का एक ही भाई था, उसका नाम सुरेन्द्र सिंह दलाल था और उसका बाप टीचर था। जिस ढंग से उस समय के प्रशासन ने उनकी हत्या की उससे उस समय सारा का सारा छारा गांव, सारा का सारा इलाका और सारा का सारा रोहतक रो रहा था। स्पीकर साहब, मुझे यह कहते हुए दु:ख हो रहा है कि हम पर दोष लगता है। सवाल यह नहीं है कि दोष किसका है। आज साल भर के करीब हो गया है, इनकी सरकार को बने हुए। आज ये पिछली सरकार की हर बात को कह कर भागने की कोशिश करें, ठीक नहीं होगा। कल समय आयेगा जब जनता आपको सजा देगी। (विज)हम तो 17 चुन करके आ गए हैं लेकिन आपका कोई भी आदमी चुन करके आने वाला नही हे। आपकी सरकार है, इसलिए प्रदेश में कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी आपकी बनती है। पानी की जिम्मेदारी आपकी बनती है। मैंने भी अखबारों में पढ़ा है जिसमें हमारे मुख्य मंत्री जो ने बड़े दमखम के साथ एक बात कही कि चण्डीगढ़ के बदले अबोहर–फाजिल्का और 107 गांव हरियाणा को मिलने चाहिएं। यह खबर हमने भी सुनी और पढ़ी और आप लोगों ने भी सुनी और पढ़ी। लेकिन टेलीविजन पर इस बारे में एक खबर आई कि हरियाणा को चण्डीगढ़ के बदले उचित मुआवजा दिया जायेगा। यह खबर भी आप लोगों ने टेलीविजन पर देखी और सुनी होगी।

उसमें उचित मुआवजा का शब्द प्रयोग में लाया गया है। चण्डीगढ़ के बदले हरियाणा को अबोहर फाजिल्का और 107 हिन्दी भाषी गांव देने की बात लोप थी। इस खबर को सुन कर और देख कर फिर चिन्ता होने लगी है कि इस बारे में सरकार का क्या स्टैण्ड है? क्या सरकार अपने स्टैड पर कायम रह पायेगी भी या नहीं? पानी के स्टैड पर कायम रह पायेगी या नहीं?

अध्यक्ष महोदय, अब मैं कृषि की बात कहना चाहता हूं। 21 दिसम्बर, 1991 को बादली हल्के के आसपास के 8 गांवों में भारी ओलावृष्टि हुई। उस ओलावृष्टि से सरसों और सब्जियों की फसल नष्ट हो गई। मैंने हल्के का प्रतिनिधि होने के नाते इस बारे में चीफ सैक्रेटरी साहब को 22 तारीख को सुबह रोहतक से टेलीग्राम दिया। मुख्य मंत्री जी को इस बारे में सूचित किया। मैं डी० सी० और एस० डी० एम० से इस बारे में मिला। डी० सी० साहब कहते हैं कि हम क्या करें यह तो भगवान की मर्जी है। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या वह मन्दिर का पुजारी है? क्या उसकी यह जिम्मेवारी नहीं बनती कि जो समस्याएं हम उनके नोटिस में लायें उनके बारे में वे सरकार को आगाह करे। वहां पर ओलावृष्टि के कारण लोग रो रहे थे। एक सरकार हमारी थी कि जब जेठ के महीने में प्याज की खेती पर ओलावृष्टि हुई तो उस समय हमने किसानों को 600 रुपया प्रति एकड़ मुआवजा दिया। इस संबंध में मैं आपको बताना चाहता हूं कि सिलोठी गांव में 1990 के अन्दर ओलावृष्टि के कारण एक हरिजन महिला की मृत्यु हो गई। वहां

के सभी बिरादरी के लोग मिल कर चौधरी देवी लाल जी के पास गए। वे कहने लगे कि वह विधवा औरत थी और बहुत गरीब थी और बच्चे छोटे छोटे हैं, इनकी कुछ इमदाद करो। इस पर चौधरी साहब ने दिल्ली से ही उनको 20,000 रुपये देने का एलान किया और 2,500 रुपये डी० सी० रोहतक ने दिए। हमारे जिले रोहतक में आमतौर पर नवम्बर महीने में बिजाई होती है। जनवरी के पहले सप्ताह में प्रशासन वहां पर बिजाई की रिपोर्ट होने की खबर यहां पर कृषि विभाग को देता है। मेरे कहने का मतलब यह है कि कृषि विभाग के अधिकारी सरकार को ठीक तरह से जानकारी नहीं देते। वहां सूरजमुखी का बीज समय पर नहीं पहुंचा। झज्जर के अन्दर बीज नहीं पहुंचा है और जो पहुंचा वह सारे का सारा घटिया था। झज्जर सब–डिविजन में 70 थैली बीज पहुंचा था लेकिन उसमें से एक भी दाना नहीं उगा। (विध्न)आप जांच करवा कर देख लीजिए।

एक बात बहन चन्द्रावती ने शिक्षा के बारे में कही कि नकल हो रही है। स्पीकर साहब, केवल नकल ही नहीं हो रही बल्कि एक–एक पर्चा आउट किया गया। शिक्षा का स्तर आज इसलिए गिर रहा है क्योंकि आज के मुख्य मन्त्री यह चाहते हैं कि गांवों के लोग पढ़ें नहीं और वे बावले ही रहें क्योंकि न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी। अगर कोई गलत बात होती है तो हम विपक्ष वालों की पूरी जिम्मे–दारी उसमें बनती है कि हम उस मुद्दे को उठाएं। 10वीं के सारे के सारे पेपर आउट हुए हैं इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है? (विघ्न)स्पीकर साहब, इतना ही नहीं

पेपर तो आउट हुए ही इसके साथ ही जो लड़के इम्तहान में बैठे वे कोई और थे। रोल नम्बर किसी का और इम्तहान में कोई और बैठा। अगर इसी ढंग से नकल को बढ़ावा दिया जाएगा तो शिक्षा का स्तर गिरता जाएगा और आने वाला कल हरियाणा के लिए काला होगा। इस सब के लिए हम सब की बराबर की जिम्मेदारी होगी। हम लोग जो आज विपक्ष में बैठे हुए हैं अगर ऐसी बातों से सरकार को सूचित न करें या सरकार को आगाह न करें तो गलत बात होगी। किस तरह से आल शिक्षा का स्तर गिर रहा है, अगर हम लोग चुप बैठे रहें तो हम लोगों की भी इसमें बराबर की जिम्मेदारी होगी। स्पीकर साहब, आपके माध्यम से मैं विल मन्त्री जी से अनुरोध करूंगा कि कृषि के लिए वे पैसा दें, नहरों के लिए पैसा दें, माईनरों के लिए पैसा दें। जिन माईनरों पर काम चल रहा है, इस बजट में इस साल उनके लिए कोई पैसा नहीं रखा गया है। अगर पैसा रखा ही नहीं है तो यह बात मान कर चलना होगा कि काम रुक जाएगा। अगर काम रुक जाता है तो जो पैसा उस काम पर खर्च हो चुका है वह वेस्ट हो जाएगा। जो पैसा वहां पर प्रयोग हो चुका है, वह तो वेस्ट होता ही है जो दोबारा पैसा अलौट होगा वह भी बेस्ट होता है।

Mr. Speaker : Your time is over please.

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर साहब, इन शब्दों के साथ आपका धन्यवाद करते हुए मैं अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री बंसीलाल (तोशाम): अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में

सबसे बड़ी समस्या नहरों के पानी की है, इसलिए मैं सबसे पहले इस पर चर्चा करूंगा। एस ० वाई ० एल ० का पानी हरियाणा में कब आएगा कब नहीं आएगा यह बात तो मुख्य मन्त्री जी ही ज्यादा बता सकते हैं लेकिन जो पानी हमारे पास है उसके सही इस्तेमाल के लिए बजट में पूरे रुपये का प्रोविजन नहीं किया गया है। इन्होंने वर्ल्ड बैक की स्कीमज, जिनमें माड्रेनाईजेशन औफ ऐग्जिस्टिंग कैनाल वर्कस भी शामिल है, के लिए 19 करोड़ 50 लाख रुपये की राशि सारी स्टेट के लिए रखी है। 324 स्प्रिंकलर सैट्स लगाने के लिए 50 लाख रुपये का प्रोविजन इन्होंने रखा है। हो सकता है कि फाईनैसं मिनिस्टर साहब यह कहें कि हमने 38 करोड़ रुपये का प्रोग्राम रखा है। अध्यक्ष महोदय, मैं पहले ही बता दूं कि 19 करोड़ 50 लाख रुपये वर्कस के लिए और 18 करोड़ 50 लाख रुपये ऐस्टेब्लिशमैंट के लिए रखे हैं। इसी तरह से स्प्रिंकलर सैट्स के लिए 85 लाख रुपये रखे हैं जिसमें 50 लाख रुपये वर्कस के लिए और 35 लाख रुपये ऐस्टेब्लिशमैंट के लिए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिये से सरकार से यह जानना चाहता हूं कि इतने सस्ते स्प्रिंकलर सैट्स कब से हो गए हैं कि 324 स्प्रिंकलर सैट्स 50 लाख रुपये में लग जाएं? इन सैट्स को लगाने के लिए वित्त मन्त्री जी ने कोई प्रोविजन किया होता तो अच्छी बात थी। महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी, भिवानी, झज्जर सिवानी, हिसार, गुड़गांव और फरीदाबाद जिले का कुछ इलाका ऐसा है जहा स्प्रिंकलर सैट्स के बिना काम नहीं चल सकता है। जे० एल० एन० झज्जर तहसील, महेद्रगढ़, रिवाड़ी, गुड़गांव और

फरीदाबाद के लिए लाईफ लाईन है। अध्यक्ष महोदय, मुझे यह देख कर हैरानगी हुई कि वर्कस के लिए 1 करोड़ 39 लाख 37 हजार रुपये रखे गए हैं। लेकिन वित्तमंत्री जी कहेंगे कि हमने तो लगभग सवा सात करोड़ रुपया रखा है। इसमें से 5 करोड़ 75 लाख 63 हजार तो सिर्फ ऐस्टैबलिशमैंट के लिए है। अब 1 करोड़ 39 लाख में से झज्जर तहसील, महेन्द्रगढ़ जिला, रिवाडी जिला, गुड़गांव जिला, फरीदाबाद जिला और सारे डैजर्ट के जो एरियाज हैं वहां खर्च होगा?

इसी तरह से वितमंत्री जी ने अपनी बजट की स्पीच में जिक्र किया है कि 20 करोड़ रुपया पंजाब के हिस्से की एस० वाई० एल० के लिए रखा है। अध्यक्ष महोदय यह रुपया भारत सरकार से अकाऊंटैट जनरल के पास आया और सीधा पंजाब को ट्रांस्फर कर दिया गया। उसमें न हमारे वितमंत्री जी के कहीं दस्तखत हुए और न ही कहीं मुख्यमंत्री जी के दस्तखत हुए। न इस सरकार का कुछ उसमें लेना है और न ही कुछ देना है। दिल्ली से ये रुपया आए और पंजाब को गए।

अध्यक्ष महोदय, इन्होंने भिवानी लिफ्ट इरिगेशन स्कीम, लोहारू लिफ्ट इरीगेशन स्कीम, हरियाणा में एस० वाई० एल० का पोर्शन और नंगल लिफट इरीगेशन स्कीम जोकि अम्बाला जिले में है, उसके लिए 3 करोड़ 75 लाख रुपए का प्रोविजन किया है। उसमें से अढ़ाई करोड़ रुपया ऐस्टैबलिशमैट पर खर्च होगा और 1 करोड़ 25 लाख रुपया ऐक्चुअल काम पर खर्च होगा। इसमें

दादूपुर नलवी का कहीं कोई जिक्र नहीं है। इसी तरह से इन्होंने मेनटेनैसं आफ एग्जिस्टिंग कैनाल्ज के लिए 7 करोड़ 35 लाख रुपए रखे हैं और बजट में इसकी कोई डिटेल नहीं है कि इतने पसे का क्या होगा। इसके साथ ही एक जे० एल० एन० फीडर है। रोहतक जिले में खासतौर से किलोई हल्के में, बेरी हल्के में और हसनगढ के हल्के में पानी की सीपेज। वहां पर लोग ड्रेन के लिए बड़े परेशान हैं। वहां पर ड्रेन का कोई प्रबन्ध नहीं है। 1987 में मैंने ड्रेन सैंकशन की थी और कुछ हिस्सा बनाया भी था। तो मैं सरकार से आपके जरिए अनुरोध करूंगा कि इस ड्रेन को बनाए ताकि वहां की जो धरती कल्लर बनी जा रही है वह धरती ठीक हो जाए। अध्यक्ष महोदय, ड्रेनों की मैंटेनैसं के लिए इन्होंने 2 करोड़ और एक्चुअल काम के लिए 40 हजार रुपया रखा है। अब वित्तमंत्री जी ही बताएंगे कि उस 40 हजार रुपए में क्या होगा?

अध्यक्ष महोदय, मुझे हैरानगी हुई कि 35 से 40 प्रतिशत बजट ऐस्टैबलिशमैंट की सेलरी बिल बगैरा में चला जाता है। पहले तो मैं वित्तमंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि 35 से 40 परसैन्ट का इतना लम्बा गैप क्यों रखा और कोई पर्टीकुलर परसैन्टेज हमें बताएं कि इतनी परसैन्टेज हैं। यदि 35 और 40 के बीच में 37—172 परसैन्ट मान लें तो यह बहुत ही हैवी ऐक्सपैडीचर है। ओवर हैड ऐक्सपैंडिचर में हमको कमी करनी चाहिए। क्योंकि उसके बगैर काम नही चलेगा। हिन्दुस्तान की किसी भी स्टेट में 30 परसैन्ट से ज्यादा खर्चा नहीं है। अध्यक्ष महोदय, वाटर कोर्सिज

की मेन्टेनैसं के लिए इन्होंने सिर्फ 3 करोड़ रुपया रखा है। हरियाणा में किसानों के लिये बहुत ही लम्बे चौड़े वाटर कोर्सिज हैं उनका 3 करोड़ से क्या होगा? फ्रैश लांर्निग औफ वाटर कोर्सिज के लिए इन्होंने 9 करोड़ 22 लाख रुपया रखा है, उसकी कोई डिटेल नहीं दी है कि उसका क्या होगा और किस तरह से खर्चा होगा। इसी तरह से वित्तमंत्री जो ने सड्कों कीं मरम्मत के लिये 20 करोड़ रुपया रखा है। बाकी जो रुपया होगा कुछ मार्किटिंग बोर्ड लगाएगा। पहली बात यह है कि 20 करोड़ रुपया मेन्टेनैस के लिये बहुत ही कम हे। मैं वित्तमंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि एक किलोमीटर पर मेन्टेनैस के लिए हर साल कितना रुपया खर्च होना चाहिए और कितने साल में उस पर तारकोल और बजरी पड़नी चाहिए? अगर वित्तमंत्री जो द्रा हिसाब लगाएंगे तो आज की तारीख में एक किलोमीटर पर 40 हजार रुपए ऐवरेज खर्च आएगा। तो 20 करोड़ में आप क्या क्या ठीक कर देंगे? मुख्यमत्री जी ने अपनी स्पीच में राज्यपाल महोदय के ऐडैरस के जवाब में कहा था कि हम 30 अप्रैल तक सब सड्कों की मरम्मत करा देंगे। तो मैं आज भी मुख्यमंत्री जीसे कहता हूं कि अगर ये अगली 31 मार्च तक भी सड्कों की मरम्मत करा दें तो हम फिर भी इनके काम को सही मान लेंगे। इसी तरह से इन्होंने लिखा है कि मुख्य सड़कें वाईडन की जायेंगी। ये कहते हैं कि 12 फुट की सड्कों को 18 फुट चौड़ी करेंगे और 18 फुट की सड्कों को 22 फुट की करेंगे। तो क्या मुख्यमंत्री जी जरा इस पर भी नजर डालेंगे कि इस काम के लिये कितने रुपये की आवश्यकता पड़ेगी

और यह कितने साल का काम है? अगर यह काम आर 10 साल में भी करा दोगे तो मैं समझता हूं कि यह बहुत बड़ी बात है। इसी तरह से इन्होंने रोहतक मैडीकल कालेज के लिये कुल प्रोवीजन 348 लाख 99 हजार का किया है जिसमें 1 करोड 41 लाख ऐक्चुअल काम के लिये और बाकी सारा ऐस्टेबिलिशमेंट के लिये रखा है। अध्यक्ष महोदय, आपको यह जानकर हैरानकी होगी कि एक्सपैडीचर के मेमोरैन्डम में इन्होंने लिखा हुआ है कि–

Certain Departments of Medical College, RohtakAre not fully staffedAnd equipped inAccordance with the norms of Medical Council of India. Therefore, staff/equipmentAnd building is to be provided under the following sub-schemesAtA oost of Rs. 348.99 lacs including construction of building during the year 1992-93.

अध्यक्ष महोदय, 1975 से पहले हमारा रोहतक मैडीकल कालेज हिन्दुस्तान में चार टौप मोस्ट मैडीकल कालेजों में से एक था लेकिन आज. यह मैडीकल कौंसिल आफ इंडिया की कंडीशंज भी पूरी नहीं कर रहे है इस लिए मेरी समझ में यह नहीं आता कि यह कर क्या रहें हैं ? इसी तरस से इन्होंने डैन्टल कालेज के लिए 38 लाख 70 हजार रुपया रखा हैं तथा मैडिकल कालेज के लिए 166 लाख रुपये का और प्रोविजन किया है। उसके लिये भी इन्होंने अपने बजट में क्या लिखा है, इसे मैं पढ़कर सुना देता हूं–

"The Hospital is neither fully equipped nor fully

taffed inAccordance with the norms of Medical Council of India. WithA view to provide betterAnd modern service to the patients it has been decided to provideAdditional staffAnd material to various departments of the hospitalAt Rohtak under the following schemesAmounting to Rs. 166.00 lacs including contruction of building during the year 1992-93."

अब मैं यह दूसरा पैरा पढ़कर सुना रहा हूं—

"A separate Dental College for training of B.D.S. course was started during the year 1981-82. The college is not fully startedAnd equipped inAccordance with the norms of Dental Council of India. Therefore, staff equipment building is to be providedAs per norms of Dental Council of India, under the following sohemes.AtA total cost of Rs. 38.70 lacy including construction of building."

अध्यक्ष महोदय, अब आप ही सोचिए, ये खुद भी मानते हैं कि इनका कालेज बहुत सी कंडीशंज पूरी नहीं करता है। इन्होंने जो डैन्टल कालेज के मैमोरेन्डम में लिखा है उसे पढ़कर मुझे हैरानगी होती है। पिछली सरकार ने भी अग्रोहा में मैडीकल कालेज बनाने की बात कही थी और मैं समझता हू कि आज की सरकार भी उस पर कायम है। इस संस्था का नाम महाराजा अग्रसैन इंस्टीच्यूट आफ मैडीकल रिसर्च एंड ऐजूकेशन, अग्रोहा है। मुझे इनका बजट पढ़कर शर्म आती है क्योंकि इन्होंने सिर्फ 30 लाख रुपये का प्रोवीजन मैडीकल कालेज बनाने के लिये किया है। आप मेडीकल कालेज बनाने चले हो, रिसर्च इंस्टीच्यूट बनाने चले हो लेकिन इसके लिये 30 लाख रुपये का प्रोवीजन देखकर मैं तो

हैरान हो गया। मुझे मुख्यमंत्री जी से इस तरह की उम्मीद नहीं थी कि वे एक इंस्टीच्यूटशन को इस तरह से इग्नौर कर देंगे। आप सोचिए कि एक मैडीकल कालेज जो अग्रोहा में अग्रसैन कालेज के नाम से खोला गया था, उसमें लड़कों का दाखिला हो गया। पीछे वालों की पढ़ाई का स्टैन्डर्ड तो गिर गया, नये वालों की भी पूरी तरह से पढ़ाई नहीं हो पाती और उसके लिये इन्होंने सिर्फ 30 लाख रुपये का प्रोवीजन रखा है। इस 3० लाख रुपये से क्या बनेगा? रोहतक मैडीकल कालेज से जो स्टुडैन्ट्स पढ़कर निकलते थे, उनकी इंडिया में पूछ होती थी। रोहतक मेडीकल कालेज से एम ०डी०या डी ०एम ० करके निकले हुए बच्चों को सारे हिन्दुस्तान में इन्टरव्यू के लिये जाने पर फौरन सिलैक्ट कर लिया जाता था। आज इन्होंने क्लासें तो डबल कर दी हैं लेकिन स्टाफ वही है। कुछ कम्पीटैटं आदमी थे, वे हमारे इन भले आदमियों ने वहां से पहले ही भगा दिये। इसी तरह से मुझे एक बात पर और हैरानगी हुई है। एम ०डी ० यूनिवर्सिटी और कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, यानी दोनों। यूनिवर्सिटीज के लिये 1 करोड़ 30 लाख रुपये का प्रोवीजन किया गया है। इतने बड़े–बड़े इंस्टीच्यूशंज हैं और इनके लिये 1 करोड़ 30 लाख रुपये का प्रोवीजन किया है। कुछ तो प्रोवीजन होना चाहिए था। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी हिसार के लिये बजट में इन्होंने 5 करोड़ रुपए का प्रोवीजन किया है। ठीक है 5 करोड़ छोड़ कर अगर 10 करोड़ रुपया भी कर देते तो भी मैं समझता हूं कि थोड़ा है। लेकिन इस 5 करोड़ की डिटेल कहीं नहीं दे रखी है कि उस 5

करोड़ में से ऐस्टेब्लिशमैंट पर कितना जायेगा, बिल्डिंग्ज पर कितना जायेगा और रिसर्च पर कितना जायेगा। मैं यह चाहता हूं कि ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी हिसार और ऐग्रीकल्चर कालेज में रिसर्च के लिये दिल खोल कर पैसा दिया जाये। आज ऐग्रीकल्चर की डिवैल्पमैंट का जमाना है। दुनिया कहां से कहां पहुंच गयी है। रिसर्च का तो इसमें नाम ही नहीं है। जब तक हम रिसर्च नहीं करेंगे तब तक हम आगे नहीं बढ़ सकते इसलिये रिसर्च के लिये हम अगर ज्यादा पैसा देंगे तब हम तरक्की कर सकेंगे। बगैर रिसर्च के हम तरक्की नहीं कर सकते। इसी तरह से वाटर सप्लाई स्कीम को ले लो। रुरल वाटर सप्लाई स्कीम के लिये 18 करोड़ 5 हजार रुपया रखा गया है। इतनी बड़ी स्टेट है। 18 करोड़ 5 हजार रुपया केवल इसके लिये है। उसके साथ साथ रूरल सैनीटेशन के लिये 2 करोड़ 70 लाख रुपया रखा गया है। लेकिन इन दोनों में यह कहीं नहीं दिया हुआ है कि ऐस्टेब्लिशमैंट पर कितना खर्च होगा और वर्क्स पर कितना खर्च होगा। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से पानी की आगुमैंटेशन की स्कीम का जिक्र भी राज्यपाल महोदय के अभिभषण में आया था कि जहां पानी कम है, वहां पर हम पीने के पानी को इतने लीटर से इतने लीटर तक करेंगे। इसमें तो यह कहते हैं कि आर्गुमैंट करगे लेकिन मुझे तो बजट पढ़कर हैरानी हुई है कि इसके लिये कहीं कोई प्रोवीजन नजर नहीं आया। कुछेक गांवों का तो लगता है कि ये करेंगे लेकिन मुझे इसके लिये और कोई प्रोवीजन नजर नहीं आया। इसी तरह से टूरिजम के लिये 1 करोड़ 50 लाख रुपया सारे हरियाणा

प्रान्त के लिये रखा गया है। टूरिजम के लिये अध्यक्ष महोदय, 1 करोड़ 50 लाख रुपया जो रखा गया है, यह कम रखा गया है। इसकी डिटेल्ज इस प्रकार से है. अम्बाला में 5 लाख रुपया, करनाल में 5 लाख, रोहतक में 2 लाख सोहना में 2 लाख, होडल में दो लाख, धारुहेड़ा में दो लाख, फतेहाबाद में 15 लाख डूडाहेड़ा में 1० लाख, पंचकूला में 30 लाख, हांसी मैं 20 लाख, दमदमा में 3 लाख बहादुरगढ़ में 15 लाख, यमुनानगर में 2 लाख, नारनौल में 2 लाख, पेहवा में 2 लाख और टोहाना में 2 लाख रुपया है। मैं समझता हूं कि कम से कम 5–7 करोड़ रुपया तो टूरिजम के लिये होना ही चाहिए। जो अमाउन्ट आपने रखी है, वह कम रखी है। (व्यवधान व शोर)

चौधरी भजनलाल आप कृपा करके हमें यह सुझाव दें कि कौन सी स्कीम में से काट करके इसमें डाल दें तो अच्छा रहेगा? (व्यवधान व शोर)

श्री बसी लाल यह जो बसों के किराये बढ़ा रहे हैं उसकी आमदनी का वन–फोर्थ ही इसमें लगा दो। (विघ्न)मैंने आपको सुझाव दे दिया। इसके अलावा मैं वित्त मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि सटर से जो ग्रान्ट आती है, हर फाइनैस कमीशन के बाद उसका नार्म चेंज हो जाता है। इस वक्त इसके ऐग्जिस्टिग नौर्म्ज क्या मैं ताकि हमें पता चल सके कि कम से कम कितने परसेंट ग्रान्ट हमें सैंटर से मिलती है। इसके अलावा भारत सरकार की एक रिपोर्ट है जिसमें लिखा है कि हरियाणा की

दो डिस्टलरीज ने तो ट्रीटमैंट प्लांट लगाए हैं और दो ने नहीं लगाए हैं। स्पीकर साहब, जिन दो डिस्टलरीज ने प्लांट नही लगाए हैं उनसे ये प्लांट लगवाए जाएं। स्पीकर साहब, ऐनवायरमैट का काम ऐसा हो गया है कि अगर उसका हिसाब किताब ठीक नही होगा तो जिन्दा रहना मुश्किल हो जाएगा। चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने पापुलेशन कन्ट्रोल की बात कही। मैं इस बारे में कोई खास चर्चा नहीं करूंगा लेकिन इतना कहना चाहता हूं कि अगर हम पापुलेशन कंट्रोल कर लेते, हिन्दुस्तान जिस दिन आजाद हुआ अगर। उसी दिन से पापुलेशन पर कन्ट्रोल कर लेते तो वर्ल्ड में हिन्दुस्तान नम्बर एक पर होता स्पीकर साहब, जब हिन्दुस्तान आजाद हुआ उस दिन हम तैतीस करोड़ थे और आज छियासी करोड हो गए हैं। इस बारे में सरकार की ओर से कोई प्रावधान न होने पर मैं सरकार की गल्ली मानता हू। वर्ल्ड बैक की तो स्कीम शायद आज नही रही णै लेकिन सरकार इस मद में रुपया मुहैया करे क्योंकि पापुलेशन कन्ट्रोल करना बहुत जरुरी है। अगर हम पापुलेशन कन्ट्रोल नही कर पायेगे तो न यह देश चलेगा और न ही संसार चलेगा।

श्री सतबीर सिंह कादयान आन ए प्वाएंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, यहां पर पापुलेशन कन्ट्रोल पर बहुत कुछ कहा जा रहा है। सब से पहले तो यह तय करना चाहिए कि एक एम ०एल ०ए ० के कितने बच्चे होने चाहिए और दूसरे लोगों के कितने बच्चे होने चाहिएं।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय मैं वित्त मन्त्री से कहना चाहूंगा कि ऐग्रीकल्चर सैक्टर को कोई प्रायरिटी नहीं मिली है और जो प्रायरिटी है उसमें मैं यह जानना चाहूंगा कि फारमर्ज को डिफरैन्ट हैड्ज में क्या–क्या सबसिडी दी जाएगी। मुझे पढने पर थोड़ा सा भी कुछ नहीं मिला है या हो सकता है कि मैं न पढ़ पाया हूं। स्पीकर साहब, गेहूं के इम्पोर्ट के बारे में मैं एक बात रिपीट करूंगा कि साढ़े सात रुपये किलो–ग्राम अमेरिका का गेहूं आकर पड़े गा। स्पीकर साहब, पहले भी मैंने इस बारे में सुझाव दिया था और आज भी देता हूं कि किसान को चाहे चार सौ रुपया फी क्विंटल दो या पांच सौ रुपया दो लेकिन सबसिडी उसको दो जो गरीब आदमी हैं और जो दिन भर टोकरी उठाकर काम करता है। आप तीन चार कैटेगरी लोगों की बना दो। जो सत्र मे गरीब आदमी हैं उसके राशन कार्ड का रंग नीला कर दो, दूसरी कैटेगरी के आदमी के राशन कार्ड का रंग दूसरा कर दो, तीसरी कैटेगरी के आदमी के राशन कार्ड का रंग तीसरा कर दो और जो आदमी ऐफोर्ड कर सकता है उसके राशन कार्ड का रंग सफेद कर दो। इससे गरीब आदमी को सबसिडी मिलेगी और किसान को पूरा पैसा मिलेगा।

स्पीकर साहब, ट्यूबवैल्ज का टारगेट बीस हजार रखा है। स्पीकर साहब, बहुत लोगों ने ट्यूबवैल्ज लगा रखे हैं और कई करोड़ रुपया कर्जे के रूप में उनके जिम्मे है। मैं सरकार को सुझाव दूंगा कि बीस हजार के टारगेट को बढाकर चालीस हजार

कर दिया जाए। स्पीकर साहब, बिजली बोर्ड का जो काम है उसके बारे में मैं कहना चाहता हूं। इनका कोई आदमी मीटर पढ्ने के लिए नहीं आता है। एक महीने पांच सौ का बिल आता है और दूसरे महीने पांच हजार का बिल आ जाता है। स्पीकर साहब, बसिज की हालत भी बहुत खराब है। साढ़े पैंतीस करोड़ रुपया ट्रासपोर्ट के लिए बहुत कम है। इसमें ऐसटेबलिशमैट भी होगा और कुछ और भी होगा। स्पीकर साहब, मुझे एक बात को पढ़कर बहुत अफसोस हुआ कि कुरुक्षेत्र के लिए सिर्फ पन्द्रह लाख रुपया रखा गया है। स्पीकर साहब कुछ तो सोचना चाहिए था कि पन्द्रह लाख रुपया ही कुरुक्षेत्र के लिए रखा गया है।

अध्यक्ष महोदय, सरकार का कोई कन्ट्रोल और कोई नियन्त्रण व्हीट और राइस जो हैं, उन पर नहीं है। गरीब आदमी को सरकारी डिपो से ये चीजें नहीं मिलती हैं। इसलिए इनका उचित प्रबन्ध किया जाए। रामन डिपो पर जो सामान जाता है वह ब्लैक में बिक जाता है।

स्पीकर साहब, वित्त मन्त्री जी ने अपने भाषण में पब्लिक ऐन्टरप्राइजिज के बारे में माना है कि ग्यारह ऐन्टरप्राइजिज ऐसी हैं जो अपनी कैपीटल को खत्म कर चुकी हैं। स्पीकर साहब, मेरा कहना यह है कि आप ग्यारह ऐंटरप्राइजिज को तो बन्द कर दो और बाकी जितनी और बन्द हो सकती हैं उनको भी बन्द कर दो। आपने इनके जो चेयरमैन सफेद हाथी बांध रखे हैं उनको हटाकर जो सैक्रेटरी हैं उनको चेयरमैन बना दो और अगर कोई

फ्रीडम फाइटर हैं तो उनको इनका चेयरमैन बना दो, उनको इन ऐन्टरप्राइजिज को सौंप दो। उनको चाहे मुख्य मन्त्री जी अपनी जगह बैठा दो, हमें कोई ऐतराज नहीं है। इसी तरह से मैं एक बात का और जिक्र करना चाहूंगा कि हरियाणा ऐग्रीकल्चर विभाग के टैकनोक्रैट्स की तनख्वाहें बहुत थोड़ी हैं। पंजाब के इंस्पैक्टर्ज और हिमाचल प्रदेश के इंस्पैक्टर्ज को जितना वेतन मिलता है उतना हमारे डिप्टी डायरैक्टर को मिलता है। इस ओर सरकार को ध्यान देना चाहिये।

18.00 बजे

अध्यक्ष महोदय, अब मैं बसों के बढ़ाये गये किराये से सम्बन्धित बात बताना चाहूंगा कि सरकार ने जो बसों का किराया बढ़ाया है, यह कोई अच्छी बात नहीं की है। इससे गरीब आदमी पर ही बोझ पड़ेगा। सरकार को अपने इस फैसले पर दोबारा गौर करना चाहिये। अगर सरकार को अपनी आर्थिक स्थिति की इतनी ही चिन्ता है तो समय समय पर की जाने वाली भर्ती सरकार को फौरन बन्द कर देनी चाहिये, लेकिन बसों का किराया बढ़ाकर गरीब आदमी के ऊपर जो बोझ डाला गया है, इस पर सरकार को दोबारा खुले दिल से गौर करना चाहिये।

इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री महोदय ने पिछले दिनों गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए क्वैश्चन नम्बर 216 जोकि राज्य सभा में पूछा गया था,

जिसका सम्बन्ध जसवन्त सिंह कमीशन रिपोर्ट से था, का उत्तर पढ़ा था जोकि मैंने भी पढ़ा है। अध्यक्ष महोदय, क्वैश्चन था–

"(a) whether Government have studied the report of Jutice Jaswant Singh Commission, which wasAppointed to enquire into theAllegations of corruptionAgainst the former. Chief Minister of Haryana in 1985 ;

(b) if so, whether the Government proposed to takeAction inAccordance with the findings of the Commissions;

(c) if so, whatAre the details thereof ;And

(d) if not whatAre the reasons thereof ?"

इस का जवाब प्रधानमन्त्री श्री वी० पी ० सिंह जी ने इस प्रकार दिया–

"Shri Jaswant Singh was notAppointedAsA Commission under the Commission of InquiryAct 1952 he was onlyAppointedAsA special judge to conduct the preliminary enquiry (which. isAlways conducted by no more thanA Head Constable of the Police into the matter conntained in the memorandum submitted to the then Prime Minister byA number of Members of ParliamentAnd members of Haryana LegislativeAssembly on 4th July, 1985, making certainAllogations of corruptionAgainst Shri Bhajan Lal, the then Chief Minister of HaryanaAnd this relatives . He .submitted his enquiry .report inAugust, 1985."

एक महीने में ही अपनी रिपोर्ट देकर के वह चला गया।

न कोई ऐवीडन्स हुई और न कोई किसी की हियरिंग ही हुई। न लेना न देना, घर में बैठ कर रिपोर्ट लिख दी। (शोर एवं व्यवधान)मुख्य मन्त्री जी, जो आपने क्वैश्चन दिया वही पढ़ रहा हूं या फिर आप को ही वापिस दे देता हूं, आप पढ देना। फिर उसने यह कहा कि in this report he has come to the conclusion that there was no prima-facie caseAgainst Shri Bhajan LalAnd his close relatives . (Noise) अध्यक्ष महोदय, ये शोर डाल रहे हैं। मुझे अपनी बात तो कहने दो। अगर इनका थपिंग से काम चलता हो तो ये चला लें। मैं तो यह कहना चाहता हूं कि यह कोई कमीशन आफ इंक्वायरी नहीं था। जिन्होंने बाकायदा कम्पलेन्ट की थी उनको ऐवीडैन्स पुट करने के लिये कोई मौका नहीं दिया गया। खाली प्रधानमंत्री जी ने कागज भेज दिये और उन पर लिखवा कर वापिस मंगवा लिये।

चौधरी भजन लाल स्पीकर साहब, इनकी यादाश्त के लिये मैं इनको बताना चाहता हूं कि इनके ऐडवोकेट श्री मोहन्ता साहब ने मेरे खिलाफ मैमोरैन्डम दिया था और बाकायदा कमीशन के सामने वे पेश हुए। सारी बातें कहीं गई और एक महीने में, जैसाकि ये कह रहे हैं, वह रिपोर्ट नहीं आई बल्कि तीन महीने से ऊपर का समय जांच के बाद इस रिपोर्ट को आने में लगा है। इसके साथ मैं चौधरी बंसी लाल जी को यह बताना चाहता हू कि आज अगर इस देश के अन्दर किसी ने कमीशन को माना है तो वह भजन लाल ने ही माना है। बंसी लाल जी, 125 एम ० पीज० ओर 34 एम ० एल० एज० ने आपके खिलाफ लिखकर दिया था

कि इनके खिलाफ कमीशन बैठाओ। अगर आप बहादुर होते तो मानते। (शौर)

श्री बसी लाल अभी भी बैठा दो ताकि सारी स्थिति साफ तो जाए, क्या दिक्कत है? अध्यक्ष महोदय, मुझे यह इनका चौलेन्ज मन्जूर है। मेरे खिलाफ भी बैठा दो और इनके खिलाफ भी कमीशन बैठा दो। मुझे कोई एतराज नहीं है। एक सिटिंग जज सुप्रीम कोर्ट का इस बात की इन्कवायरी के लिये बैठा दो तो सारी बात का पता चल जाएगा।

चौधरी भजन लाल चौधरी बंसी लाल जी, मेरे खिलाफ तो बैठा लिया गया और उस कमीशन ने मुझे कलीन चिट भी दे दी है। आप अपने खिलाफ मानिये।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, यह क्लीन चिट इन्कवायरी अफसर ने दी है, कमीशन ने नहीं दी। तो जैसे किसी ..... दे दी वैसे ही उसने दे दी। उस आदमी का स्टेटस ..... से ज्यादा नहीं था।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, इन्होंने एक माननीय जज के बारे में ऐसी बात कही है, यह रिकार्ड से निकाली जाए।

श्री अध्यक्ष ठीक है वह बात रिकार्ड न की जाए।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से मैंने पिछली बार जब धर्मपाल के बारे में कहा था तो मुख्य मन्त्री जी ने

कहा था कि धर्मपाल के बारे में सुप्रीम कोर्ट में ऐसी कोई बात नहीं है। मेरे पास 7–1–1992 के इंडियन ऐक्सप्रैस अखबार की कटिंग है। (विध्न)यह मैं आपको दे दूंगा जैसे आपने मुझे क्वैश्चन दिया था। इसमें लिखा है–

"Jutice Pandia n deplored the conduct of Mr. Dharam Paul, whoseAppealAgainst the PunjabAnd Haryana High Court quashing the invetigationsAgainst Mr. Bhajan Lal they had heard for eight months in 1990. For withdrawing his complaintAfter Mr. Bhajan Lal came to power,AfterAccepting the chairmanship of the KhadiAnd village Industries Ecard, Mr. Dharam Paul deserved to be punished, heAdded."

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बसी लाल जी भी धर्मपाल को जानते हैं और मैं भी जानता हूं। उससे एक कागज पर साइन करवा लिए। उससे पहले कमीशन ने सारी बात कह दी कि कोई ऐलीगेशन साबित नहीं होता। धर्मपाल ने कहा कि मेरे से लिखवाया गया, मेरी कोई शिकायत भजन लाल के खिलाफ नहीं है। यह बात उन्होंने तब लिखी थी जब भजन लाल सिर्फ एम ० पी ० था और भारत सरकार में कोई मन्दी के पद पर नहीं था। उस समय सरकार इनकी थी जो हमारे सामने बैठे हुए हैं। उसके बाद चुनाव हुए। आपको पता है कि चुनाव का किसी को पता नहीं होता कि कौन जीतेगा और कौन हारेगा। हम चुनाव जीत गए। धर्मपाल एक बहुत अच्छा आदमी है, मैंने उसको कभी भी बुरा आदमी नहीं कहा। मैंने उसको पंचायत समिति का चेयरमैन भी

बनाया था। वह मेरे हल्के का रहने वाला है और मैं उसको आज भी गलत नहीं कहता। जब चुनाव हो गए और सभी लोगों को ऐडजस्ट करने की बात आ गई तो हमने धर्मपाल को भी ऐडजस्ट कर दिया। यह कोई गल्त बात नहीं है, वैसी लाल जी आपने अपने वक्त में कितने आदमियों को ऐडजस्ट किया था। आप मुझे ज्यादा बात कहने, पर मजबूर न करें वरना आप मुश्किल में पड़ जाएंगे।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, मैंने तो पहले ही कह दिया है कि सिटिग जज को दोनों की इन्कवायरी के लिए बिठा दो। इसके साथ साथ मैंने हरको बैक के बारे में पहले भी कहा था कि पहले दो महीनों का विल 40 हजार रुपए का आया और दूसरे दो महीनों का बिल 50 हजार रुपए का था। और वह अफसर अप्वांयटमैंट लैटर जेब में रखता है, जहां ये चाहें नाजायज अप्वायटमैंट करवा लेते हैं।

श्री अध्यक्ष वे बिल किस चीज के हैं ?

श्री बंसी लाल वे बिल टैलीफोन के थे, मैं बताना भूल गया था।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, अगर कोई अफसर टूर पर जाएगा, सरकारी वसूली करने के लिए जाएगा तो उसको टी ० ए ० बिल तो लेना पड़ेगा। उसका टैलीफोन का खर्चा भी हो सकता है और कार का खर्चा भी हो सकता है। चौधरी बंसी लाल में बड़ी

क्वालिटी हैं कि जिसके पीछे पडते शै पूरा जूता खोल कर पड़ते है। जब बोलेंगे तो चीफ सैक्रेटरी के खिलाफ बोलेंगे। ये पिछली बार भी बोले कि हरको बैक में यह हो गया वह हो गया। ये लैहम्बड सिंह के बारे में कहते हैं जो निहायत ईमानदार आदमी है। उसके बारे में कोई भी आदमी नही कह सकता कि वह क्रप्ट आदमी है। क्या ये उसके बारे में ऐसी बातें इसलिए कहते हैं कि वह एक गरीब हरिजन परिवार में पैदा हुआ है। यह कोई तरीका नहीं एं। यह कहना कि वह अप्यांयटमैंट लैटर अपनी जेब में लिए फिरता है गलत बात है। आप अपनी ओर देखे। आपने पब्लिक सर्विस कमीशन के चेयरमैन को कह दिया था कि मेरी लडकी को फर्स्ट लाना है और नम्बर वन पर रखना है। तो चौधरी साहब ऐसी बातें कहने से आप और मुश्किल में पड़ जाएंगे।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मेरी लड़की के बारे में कहा है च मेरी लड़की एच० सी० एस० में उस वक्त सिलैक्ट हुई थी जिस वक्त मैं चीफ मिनिस्टर नही था। दूसरी बात यह है कि चौधरी देवी लाल ने मुख्य मैली बनते ही हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन का रिकार्ड यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन को भेजा था और यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन ने यह लिखा था कि अंडर मार्किग हुई है। इस अनपढ़ आदमी को इस बारे में क्या पता है। (शोर)

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, मैं यह अच्छी तरह से जानता हूं कि वहां पर किस तरह की बात हुई थी। अगर मैं

वह बात कहूंगा तो इनके लिए बड़ी मुश्किल हो जाएगी। उस समय श्री हरफूल सिंह पब्लिक सर्विस कमीशन के चेयरमैन थे। इन्होंने उनसे यह कहा कि आपका भी लड़का एच० सी० एस० के इम्तिहान में बैठा है उसको भी आप पास करिए और मेरी लडकी को भी पास करिए। यह बात मेरे सामने की है। ये बात करते हैं भजन लाल से। (शोर)

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, भजन लाल को गलत बात कहने में कोई कम्पीट नही कर सकता। (शोर)

श्री सतबीर सिंह कादयान स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। मै आपसे एक स्पष्टीकरण चाहूंगा। मुख्य मंत्री जी ने स्वय यह माना है कि चौधरी बंसी लाल जी ने स्वयं इनके सामने वह बात कही है। चौधरी भजन लाल जी उस समय मंत्री थे। इसलिए इनके खिलाफ भी इन्कवायरी होनी चाहिए।

Mr. Speaker : This is no point of order. Please take your seat.

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महीदेव, इनको अनपढ़ होने के नाते यह भी नही पता है कि पब्लिक सर्विस कमीशन के चौयरमैन को किसी कैडीडेट को पास करने का कोई अधिकार नही है क्योंकि पब्लिक सर्विस कमीशन के पर्चे 400 मील की दूरी से कम मार्किग के लिए नही भेजे जाते। शायद इनको इस बात का इल्म नही है। ये कभी पड़े नही और न कभी स्कूल गए इसलिए इनको इस बारे मे क्या पता। (शोर)

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय,, न मैं कभी स्कूल गया और न कभी कालेज गया लेकिन मैंने चौधरी बंसी लाल जी की तरह से प्राईमरी करके सीधा ही बी० ए० का लाइसैस नही लिया जैसे लोग काठमाण्डू से ले कर आते हैं। मैं जितना पढ़ा हूं, पूरा पढ़ा हूं। जिस स्कूल में चौधरी बंसी लाल पढ़े हैं उसमें भजन लाल मास्टर तो हो सकता है, इनका चेला नहीं हो सकता। एक बात चौधरी बंसी लाल ने पब्लिक सर्विस कमीशन के बारे में कह दी। अध्यक्ष महोदय, अगर कोई आदमी किसी को नकल करवा दे तो वह पेपर चाहे 400 मील दूर मांर्किग के लिए जाए और चाहे 5,000 मील दूर जाए उस पेपर का फैसला करने में क्य फर्क पड़ता है।

श्री बसी लाल अध्यक्ष महोदय, इनमे इससे ज्यादा अक्ल नही है तो मैं उसका क्या जवाब दूं। (शोर)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अक्ल तो चौधरी बंसी लाल मे ही ज्यादा श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, इसी हरको बैक में चीफ सेक्रेटरी साहब की एक रिश्तेदार रखी गई है। मैं उनका नाम नहीं तेना चाहूंगा लेकिन इन्होंने याद दिला दिया इसलिए मुझे भी यह बात याद आ गई।

अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहुंगा कि ये प्लानिंग कमीशन के सामने 75 करोड़ रुपए बिजली का टैरिफ बढ़ाने की हां करके आए है। यह मुझे दिल्ली से ईल्म हुआ है।

श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला अध्यक्ष महोदय मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। प्लानिंग कमीशन की मीटिंग मैंने भी अटैड की थी और उसमें मुख्य मंत्री जी, दूसरे मंत्री तथा अधिकारीगण भी थे। चौधरी बंसी लाल जी ने जो बिजली का टैरिफ बढ़ाने की बात कही है इसमें कोई सच्चाई नहीं बै। अध्यक्ष महोदय, प्लानिंग कमीशन की मीटिंग में बिजली का टैरिफ बढ़ाने की कोई चर्चा नही चली और न हमने इस बारे में कोई वायदा किया।

श्री बसी लाल : अगर आप नही बढ़ाते तो बहुत अच्छी बात है। अध्यक्ष महोदय, ऐडमिनिस्ट्रेशन की यह हालत है कि 12 नवम्बर, 1991 से आज तक आई ० जी ० सी० आई ० डी ० की जगह खाली पड़ी है। मुख्य मंत्री जी दिल्ली में कहते हैं कि हमारी इन्टैलीजैस मजबूत की जा रही है मगर वह पोस्ट खाली पड़ी है। आई ० पी ० एस ० औफिसर्ज को अगर दिल्ली की सरकार सिलैक्ट करती है तो ये कहते हैं कि उनकी कन्सैटं पूछो और इन्होंने एक डी ० आई ० जी ० सै बगैर उसकी कन्सैट पूछे उसको एकदम रिलीव कर दिया।

चौधरी भजन लाल : श्रीमान जी आपको यह पता होना चाहिए कि वह कोर्ट से भी हार गया है।

श्री बंसी लाल : आप इस बारे मे जवाब दे देना। जिन आई ० पो ० एस ० औफिसर्ज को दिल्ली की सरकार ने अपने यहां लेने के लिए सिलैक्ट कर लिया और सिलैक्ट करने के बाद

भी वहा पर हमारा कोटा कम है, रिप्रैजैन्टेशन कम है इसके बावजूद भी ये यहां से उनको रिलीव नही कर रहे है। रिलीव इसलिए नही कर रहे हैं क्योंकि इनको दूसरे आदमी परमोट करने पड़ेगे जो इनको कनबिनिएंट नही हैं। अध्यक्ष महोदय, एच ० सी ० एस ० की स्पैशल रिक्रूटमैंट की जा रही है। एच ० सी ० एस ० की स्पैशल रिक्रूटमैट में ये 30 आदमी भर्ती करना चाहते हैं?। मैंने सुना है कि एच ० सी ० एस० की रिक्रूटमैट के लिए पब्लिक सर्विस कमीशन मे इम्तिहान हो चुके है और आज कल उनके इन्टरव्यू भी चल रहे हैं तो ये उनमें से एच० सी० एस० भर्ती कर लें। जो ये 30 आदमी एच० सी० एस० भर्ती करेंगे उसके बारे में ये रूल्ज हैं–

Rule 5 of the Punjab Civil Service (Executive Branch) clearly says

"Members of the service shall beAppointed by the Governor of Haryana from time to timeAs required fromAmongAccepted candidates whose names have been duly entered inAccordance with these rules in one or other of the registers ofAccepted Candidates to be maintained under these rules."

वे सब के सब रूल 6 में दे रखे हैं। ये रूल्ज कुछ ज्यादा लम्बे चौडे हैं। ये उससे बाहर जाना चाहते है। प्रोवाईजो आफ दी रूल्ज से बाहर जा कर सारे भर्ती करेंगे। जो मेन रूल की बौडी में हैं उनको भर्ती नहीं करेंगे। अध्यक्ष महोदय, ऐसा हाल

ऐडमिनिस्ट्रेशन का कर रखा है। इसके अलावा, कुछ दिन पहले अखबार में एक खबर आयी कि किस तरह से एच ० सी ० एस ० आफिसर्ज के ए ० सी ० आरज० को चेंज करने की कोशिश की जा रही बै। एक केस में एक आफिसर का ऐडवर्स रिमार्क्स के खिलाफ कुछ साल पहले रिप्रैजैटेशन रिजैक्ट हो गया था लेकिन मौजूदा चीफ मिनिस्टर की तरफ से डिपार्टमैंट को एक नोट भेजा गया कि चीफ मिनिस्टर साहब केस को देखना चाहते है और उस आफिसर को कहा गया कि वह पर्सनल हियरिंग के लिए चीफ सैक्रेटरी को मिल लें। पर्सनल हियरिंग देने का मतलब आप समझ सकते हैं। इसी तरह के और केसिज का भी इसमें जिक्र है जो आप देख सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, अभी इन्होंने मैरी लड़की का जिक्र किया। मुझे पता लगा है कि मुख्य मन्त्री जी ने कहा है कि यह लड़की आई ० ए ० एस ० में नही आनी चाहिए। इसके लिए इससे ऊपर के जितने भी आफिसर्ज है उनको चाहे 10 साल का या 20 साल का रिकार्ड ठीक करा लो लेकिन यह लड़की नहीं आनी चाहिए।

चौधरी भजन लाल आन ए प्वायट औफ आर्डर सर, अध्यक्ष महोदय, ये इस बात को रिकार्ड मे लाना चाहते है ताकि कल को कोई ऐसी बात हो तो फिर ये कह दें कि मैंने तो पहले ही कह दिया था। ये पेशबन्दी करना चाहते हैं। हमने न तो किसी को कहा है, न हम ऐसी घटिया बात कभी करते हैं। यह आदत आपकी है, बदले की भावना की। भजन लाल की बदले की भावना

न तो आज तक रही है और न ही रहेगी। हम सब को इंसाफ देंगे। सब को कायदे कानून के हिसाब से इंसाफ मिलेगा।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा जो एच ० सी ० एस ० की भर्ती ये करने वाले हैं और जिनकी लिस्ट करीब 275 की है, इस बारे में मैंने उस दिन भी बताया था वह सही बात है। वह 275 या 270 या 272 या 260 आदमियों की लिस्ट है। इन सब के पूरे नाम कमीशन मांगता है लेकिन ये पब्लिक कमीशन को पूरे नाम देना नहीं चाहते। उसमें गड़बड़ करना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, एक एच० सी० एस० मि० एम० एल० वर्मा के भाई का मैंने पता किया। उसका मुझे पता चला कि उसके पास एन० एल० एफ० की वहुत बड़ी एजेंसी है। मैंने सुना है कि वह कम से कम 50 हजार रुपये महीने कमाता बै। उसके पास लम्बा चौड़ा बिजनैस है। उसको फिर एच० सी० एस० में क्यों भर्ती करें? उनके मां बाप की पैशन कर दो, कोई एतराज नहीं। उनका एक भाई ए० एफ० एस० ओ० शायद करनाल में है। एक भाई का लड़का पुलिस में है तो क्या जरूरी है कि उसको एच० सी० एस० बनाया जाये। यह फैमिली की डैफिनेशन में तो आता नहीं। अगर ये फ्लड गेट खोलना चाहते हैं तो खोल लें।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, जितनी बार ये कोई बात कहते हैं उस समय ये कोई न कोई ऐसी बात कह देते हैं जिस पर मुझे मजबूर हो कर खड़ा होना पड़ता है। एम० एल० वर्मा और उसके परिवार की जिस तरह से हत्या हुई है उससे

हरियाणा के बच्चे बच्चे को हमदर्दी है। चौधरी बंसी लाल जी आपने उस दिन भी इस बात को उठाया था अब फिर उठा रहे हो क्योंकि जो आदमी नास्तिक होता है वह इस तरह की बात करता है। अध्यक्ष महोदय, मैं इनके नास्तिक होने की एक मिसाल बताता हूं। एक जस्टिस कौशल थे। वे बीमार हो गए और उनको हार्ट अटैक हो गया। जो उस समय ऐडवोकेट जनरल थे उन्होंने हरियाणा भवन में इनको बताया कि कौशल साहब को हार्ट अटैक हो गया है और वे बड़े सीरियस हैं। इस पर ये कहते हैं कि अरे पता कर कौशल कितनी देर में मरेगा। यह जल्दी पता करके बता। वह बड़ा बदमाश है, उसे मरना चाहिए। यह मेरे सामने की बात है। मैं औन ओथ कहता हूं। बंसी लाल जी इंसान को परमात्मा को याद करना चाहिए। ऐसा वाक्या किसी के साथ भी हो सकता है। पता नहीं आपके साथ हो जाये या किसी के परिवार के साथ हो जाये। हमको ऐसी बात नहीं करनी चाहिए और परमात्मा से डरना चाहिए। इन्सान को परमात्मा को याद रख करके कोई बात करनी चाहिए।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, ये जो कह रहे हैं वह गलत है। ये जो कनकोक्शन कर सकते हैं हिन्दुस्तान की 86 करोड़ जनता में कोई नहीं कर सकता।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, श्री जगन नाथ कौशल जिन्दा हैं, भजन लाल जिन्दा है और बंसी लाल जी जिन्दा हैं। गीता पर हाथ या तो बंसी लाल जी रख लें या जगन नाथ

कौशल रख लें–सच्चाई सामने आ जायेगी।

श्री बंसी लाल जगननाथ कौशल से आप ही पूछ लें।

चौधरी भजन लाल स्पीकर साहब, अगर गलत बात लगती है तो आप उनसे पूछ लें।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, एक बात मेरे नोटिस में आई है कि चीफ मिनिस्टर के दामाद की फैक्टरी का ब्याज माफ करने के बारे में फाईल चल रही है। अभी तक उस फाईल पर कोई फैसला नहीं हुआ है। इस तरह की बात नहीं होनी चाहिए।

चौधरी भजन लाल चौधरी बंसी लाल जी जब आप पीछे एक साल तक चीफ मिनिस्टर रहे तो आपने जोर लगा लिया कि भजन लाल के दामाद की फैक्टरी में कोई कमी मिल जाये। चार साल तक चौधरी देवी लाल और ओम प्रकाश चौटाला ने ऐडी चोटी का जोर लगा लिया लेकिन बाल मात की कमी निकाल नहीं सके। भजन लाल के परिवार के या दामाद के लिए कोई रियायत मिलने का सवाल पैदा नहीं हो सकता। कायदे कानून के मुताबिक काम करते है। उनका परिवार कोई ऐसा वैसा परिवार नहीं है। वह कोई छोटा मोटा परिवार नहीं है। वह हमारे समाज में सबसे टोप का परिवार है। सारे हिन्दुस्तान में जैसे टाटा–बिडला की लोग मिसाल देते हैं वैसे उस परिवार की मिसाल देते हैं। उनको किसी चीज की कोई कमी नहीं है कि वे ब्याज माफ कराने के लिए ऐप्लाई करें। कायदे कानून के मुताबिक जो सब को रियायत

मिलती है, वह उनको भी मिलनी चाहिए। अगर उनको कायदे कानून से एक पैसे की फालतू रियायत मिल जायेगी तो भजन लाल एक दिन भी चीफ मिनिस्टर नहीं रहेगा।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, मैंने तो ब्याज की बात कही है, इनके खानदान के बारे में तो कुछ नहीं कहा है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही एक बात यहां पर बहन चन्द्रावती जी ने उठाई कि चीफ सैक्रेटरी, चीफ गैस्ट होंगे और एम ० एल ० एज ० को बुलाया जाएगा। मुख्य मन्द्री जी ने कहा है कि चीफ सैक्रेटरी प्रोटोकोल में बहुत कुछ है। मेरे पास हरियाणा गवर्नमैंट का यह 22 अगस्त, 1978 का प्रोटोकोल आर्डर है। यह आर्डर आप की ही गवर्नमैंट का ईशू हुआ है। इसमें मैम्बर औफ लैजिस्लेटिव असैम्बली और मैम्बर पार्लियामैंट प्राटोकोल में 22वें नम्बर पर आते हैं और इसमें चीफ सैक्रेटरी टू गवर्नमैंट विद इन हिज स्टेट 24वे नम्बर पर आता है। इस का मतलब यह हुआ कि चीफ सैक्रेटरी एम ० एल ० ए ० से 2 नम्बर नीचे आता है लेकिन ये चीफ सैक्रेटरी को खुदा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

चौधरी भजन लाल स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। चीफ सैक्रेटरी के बारे में इन्होंने फिर कह दिया। जैसे कि मैंने पहले कहा था कि चीफ सैक्रेटरी से इनको इतनी तकलीफ हो रही है कि पता नहीं उनके नाम से इनको रात को नींद भी नहीं आती होगी। मैं समझ नहीं सका कि इस का क्या कारण है? अध्यक्ष महोदय, मैं एक ही बात कह सकता हूं कि शादी अगर

किसी चपड़ासी की भी हो और वह भजन लाल को कार्ड भेजे तो ईमानदारी से भजन लाल चपड़ासी की शादी में भी जाएगा। (विघ्न)श्रीमान जी आप मेरी बात तो सुनिये। शादी एक फंक्शन है। अगर किसी फंक्शन में कोई मन्त्री चला जाता है या कोई एम ० एल ० ए ० चला जाता है तो क्या यह कोई बुरी बात है। उस आदमी ने क्या गुनाह कर दिया है? अगर वे समझते हैं कि उन्हें नहीं जाना है तो वे मत जाएं। अगर किसी का कार्ड नहीं आता तो कह देते हैं कार्ड नहीं भेजा। मैं तो कहता हूं कि अगर चपड़ासी भी कहीं कोई फंक्शन करता है और मुझे कह दे कि ''मेरा यह फंक्शन है, भजन लाल जी आना'' तो मैं उस चपड़ासी के फंक्शन में भी जाता हूं, मैं आपकी तरह से घमण्डी आदमी नहीं हूं। ऐसी बातें घमण्डी आदमी ही करते हैं। घमण्ड तो रावण का भी नहीं रहा। रावण जितना न तो कोई बलवान हुआ है और रावण जितना न ही कोई विद्वान हुआ है। आप तो उस रावण के पासंग में भी नहीं हैं। घमण्ड के कारण ही उस रावण का भी पता नहीं लगा। जब इन्सान ऐसी बात करता है तो उसका पतन बहुत जल्दी हु आ करता है।

श्री बसी लाल असली रावण से कम्पैरिजन तो आप ही कर सकते हैं, असली रावण तो आप ही हो (हंसी)

श्री उपाध्यक्ष चौधरी भजन लाल जी टाईम बहुत ज्यादा हो गया है और सदन की कार्यवाही 6.30 बजे तक चलनी है।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, इनको बोलने का पूरा टाईम दीजिए।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं वित्त मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि एडवोकेट जनरल के दफतर में कितने असिस्टैंट, डिप्टी और ऐडीशनल एडवोकेट जनरल लगा रखे हैं? अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री जी की हालत यह है कि ये माफ किसी को नहीं करते। हाईकोर्ट के जजों के रिश्तेदार लगा रखे हैं। मेरे वक्त में किसी हाईकोर्ट के जज के रिश्तेदार को डिप्टी या ऐडीशनल ए ० जी ० लगाया गया हो तो ये बता दें। लेकिन इन्होंने उनके रिश्तेदार लगा रखे हैं ताकि वे भी कहां कुछ असर डाल सकें। उनको भी औबलाईज करने की कोशिश की गई है।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट औफ आर्डर है। चौधरी देवी लाल और चौधरी बंसी लाल किसी और आदमी को तो तब लगावें जब इन्हें अपने रिश्तेदारों से फुर्सत मिले। इनको अपने रिश्तेदारों को लगाने से ही फुर्सत नहीं मिलती। ऐडवोकेट और डाक्टर्ज काबिल से काबिल बनाने पड़ते हैं। जो अच्छे हैं हमने उनको मैरिट पर लगाया है और मैरिट पर ही वे आये हैं। स्पीकर साहब, ये यह बात इसलिए कह रहे हैं ताकि यह बात अखबारों में आ जाए और हाईकोर्ट के जजिज का नाम ले दो ताकि हाईकोर्ट के जजिज भजन लाल और सरकार के खिलाफ हो जाएं। अध्यक्ष महोदय, न तो हमें किसी की फेवर चाहिए और न ही हमने कभी फेवर ली है। हमने तो जो रीजनेबल

और ठीक आदमी है उनको बाकायदा ऐडवोकेट जनरल लगाया है, डिप्टी ऐडवोकेट जनरल लगाया है और उनको ऐडीशनल ऐडवोकेट जनरल लगाया है। स्पीकर साहब, अब यह कह देंगे कि एच ० एल ० सिब्बल को क्यों लगाया है? एच ० एल ० सिब्बल से ज्यादा काबिल वकील क्या कोई चण्डीगढ़ में और है? क्या वे हरियाणा से सम्बन्ध रखते हैं? आप डाक्टर से इलाज करवाने के लिए अमेरिका तक जाते हैं। चौधरी देवी लाल जी गए थे और शायद आप भी कभी गए होंगे, अगर नहीं गए तो कभी जाना पड़ सकता है। लोग इलाज के लिए अमेरिका तक इसलिए जाते हैं ताकि उनको अच्छा डाक्टर मिते। वकील भी लोग काबिल से काबिल करते हैं और काबिल वकील चाहे बम्बई से लाना पड़े और चाहे दिल्ली से लाना पड़े, वे लाते हैं। जो काबिल वकील होता है उसी को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में लेते हैं। (विज)अगर ज्यादा काबिल डाक्टर्ज हरियाणा में हों तो फिर इलाज करवाने के लिए बाहर जाने की आवश्यकता ही क्यों पड़े? जहां तक वकीलों की बात है, वकील तो यहां पर भी बहुत से हैं लेकिन सवाल काबलियत का है।

श्री बंसी लाल स्पीकर महोदय, यह इनका पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन तो था नहीं, ये मेरा टाईम बेकार में खराब कर रहे हैं और स्पीच दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा हे यह भी जानना चाहूंगा कि किस–किस जज के रिश्तेदार ऐडवोकेट जनरल के औफिस में क्या–क्या लगे हुए हैं, किस–किस जज के रिश्तेदार

कापोंरेशन्ज में, यूनिवर्सिटी में, बोर्डज में, कमेटीज में, इम्प्रूवमैंट ट्रस्टस में, मैडिकल कालेज में और इन्जीनियरिंग कालेज में क्या–क्या लगे हुए हैं? पहले ऐडवोकेट जनरल की टर्म्ज एण्ड कश्डीशन्ज क्या होती थी और आज के ऐडवोकेट जनरल की टर्म्ज एण्ड कंडीशन्ज क्या हैं? जब से यह सरकार आई है तब से आज के ऐडवोकेट जनरल खुद को, उसके लड़के को, उसके ग्रैन्डसन को तथा उसका लड़का जो दिल्ली में है, उसको हरियाणा सरकार ने कितनी फीस आज तक खजाने से दी है, यह हम जानना चाहते हैं? अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से 'टाडा' का इस्तेमाल एक ऐसी चीज हो गई है जैसे कि नमक–मिर्च जो भी मुख्यमंत्री जी की मुखालफत करे, उसे 'टाडा' में बन्द कर दिया। मैं मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि हिसार जिले में कितने लोगों पर 'टाडा' लगा रखा है? अध्यक्ष महोदय, 'टाडा' का जुल्म हमारे हरियाणा प्रान्त में आसानी से नहीं लग सकता है।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यांयट आफ आर्डर है। इन्होंने कह दिया कि जिसने भजन लाल की मुखालफत की उसके खिलाफ 'टाडा' लगा दिया। तो मेरे खिलाफ तो बंसी लाल जी सबसे ज्यादा आप ही हैं। अध्यक्ष महोदय, हमने न तो इनके खिलाफ न इनके किसी रिश्तेदार और न ही किसी स्पोर्टर के खिलाफ 'टाडा' लगाया है।

श्री बंसी लाल अगर हिम्मत हो तो यह काम भी कर लो।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, हिम्मत तो मेरे में बहुत ज्यादा है। परन्तु यह हिम्मत का सवाल नहीं है, यह सवाल है इन्सानियत का, इन्साफ का और ज्यादती का। बंसी लाल जी आपको तो मामले का पता ही नहीं है। जब मैं यह मामला सदन के सामने रखूंगा तब आपको पता लगेगा कि कितनी बड़ी साजिश थी और किन किन लोगों के खिलाफ थी और कौन आदमी उसमें शामिल थे।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, 'टाडा' के सैक्शन 3 और 4 के तहत इन्होंने जिन लोगों को पकड़ रखा है वास्तव में उन पर 'टाडा' लागू ही नहीं होता है। अगर ये कहते हैं कि किसी ने किसी किस्म की कांस्प्रेसी की थी तो उसके लिए IPC में प्रोविजन था। अध्यक्ष महोदय, एक पब्लिक सर्विस कमीशन का इन्होंने चेयरमैन बनाया। कुछ महीने तो इन्तजार किया कि उसकी उम्र हो जाए और उसको लगाया जाए लेकिन उस पर भी 'टाडा' लगा दिया। अध्यक्ष महोदय, ओ० पी० जीन्दल और उसके दो लड़कों के खिलाफ भी इन्होंने 'टाडा' लगा दिया और बन्द कर दिया। तो मेरे कहने का मतलब यह है कि अध्यक्ष महोदय, ये किसी को भी 'टाडा' के बगैर छोड़ने वाले नहीं हैं।

चौधरी भजन लाल : मेरा प्यांयट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने अपने राज में कितने ही लोगों को जेलों में बन्द कर दिया था और आज कितने ही लोग उनमें से यहां बैठे हुए हैं।

श्री बसी लाल अध्यक्ष महोदय, इनका जहां जी करता है, वहां 'टाडा' का इस्तेमाल करते हैं। तो मैं सरकार से कहूंगा कि यह 'टाडा' का इस्तेमाल इस तरह से न करें जिस तरह से आज ये अपने विरोधियों के विरुद्ध कर रहे हैं।

चौधरी भजन लाल हमने 'टाडा' का इस्तेमाल विरोधियों के खिलाफ नहीं किया है।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, हरियाणा भवन की रिजर्वेशन की क्या हालत है, यह भी मैं बताना चाहता हूं। अगर वहां कोई भी एम० एल० ए० चला जाए तो वहां सब कमरे बुक होते हैं और कमरों में जाकर देखो तो वहां कोई भी सही आदमी नहीं होता है। जहां भी जाएं वहां मुख्यमंत्री जी के मेहमान होते हैं।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। ये तो अपने जमाने की बात कर रहे हैं या चौधरी देवी लाल के जमाने की बात कर रहे होंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं कह नहीं सकता इत्तफाक से वहां पर कोई फैमिली मैम्बर चला गया होगा। लेकिन कुछ एम० पीज० भी हैं जिनको मकान नहीं मिले हुए हैं। ऐसे कुछ भाई हैं जो कमरों में ताला लगा कर चले जाते हैं। दूसरे, चौधरी देवी लाल जी के वक्त में उनकी सरकार इतना खर्च कर गई कि पूछो मत। खान खाकर चले गए, कमरों में रह गए परन्तु एक नया पैसा भी नहीं देकर गए। वह मामला अभी तक

लटका हुआ है और ये कहते हैं कि हरियाणा भवन में भजन लाल के रिश्तेदार रहते हैं। अध्यक्ष महोदय, इनको सदन में कलेजे पर हाथ रखकर सच्ची बात करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि क्या इनको झूठ बोलने का लाईसैसं मिला हुआ है, जो मर्जी चाहे ये बोलते रहते हैं?

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, ये कहते हैं कि इनके मेहमान वहां पर नहीं रहते हैं। तो ये एम ० एल ० एज ० को यह अधिकार दे दें कि वे रिजर्वेशन के कमरों को ऐक्च्यूली चौक कर लें कि उनमें इनका कोई मेहमान बैठा है या नहीं बैठा है। अगर वे कमरे खाली हों तो उनको वे कमरे फौरन दे दें। इसी तरह से इन्होंने पब्लिक रिलेशन के लिए 1 करोड़ 45 लाख रुपये रखे हैं।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : फाइनैसं मिनिस्टर साहब आप कितना समय लोगे?

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता)अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात कहने के लिए आधा घंटा लूंगा।

श्री अध्यक्ष अगर हाउस की सैस हो तो बैठक का समय आधे घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए?

अवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष बैठक का समय आधे घंटे के लिए बढ़ाया

जाता है।

वर्ष 1992–93 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, पब्लिक रिलेशंज डिपार्टमैंट का बहुत मिसयूज हो रहा है। एक खबर कल के ही अखबार में है कि चीफ मिनिस्टर के लड़कों के लिए सचिवालय के पास कोई क्रिकेट का क्लब बगैरह बनाया जा रहा है। इसलिए आप यह देखें कि इस पर पैसा कौन खर्च कर रहा है? अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से व्यापारियों के मर जो इंस्पैक्टरी राज है उसको खत्म किया जाना चाहिये क्योंकि व्यापारी इस इंस्पैक्टरी राज से बहुत तंग हैं। इसी तरह से शराब के जो ठेके नीलाम हुए थे उनमें से बहुत से ठेके ऐसे हैं जो नीलाम नही हुए हैं। पहले शराब के ठेकों की नीलामी ग्रुप सिस्टम से होती थी। इससे अच्छे या बुरे ठेके लोगों को मिल जाते थे जबकि आज बहुत से ठेके नीलाम ही नहीं हुए हैं। यह महज इसलिए किया जा रहा है कि इसमें बहुत गड़बड़ घोटाला है। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से मैट्रिक और 10 + 2 के जो पर्चे लीक हुए हैं उसके बारे में सरकार कहती है कि हम इंक्वायरी करवायेंगे। तो मैं इस बारे में सरकार को यह सुझाव दूंगा कि आप यह इंक्वायरी हाई कोर्ट के सिटिंग जज से करवायें। इसके अलावा इन्होंने एक फरीदाबाद में एस ० पी ० लगा रखा है, वह कहता है कि मैं हरियाणा विकास पार्टी को ठीक करूंगा। अध्यक्ष महोदय, पहले एक डी ० आई ० जी ०, आई ० जी ० और कई आदमी मेहम में सबको ठीक कर

रहे थे, वे तो उनको ठीक कर नहीं सके। अब उसी तरह से फरीदाबाद का एस ० पी ० भी हरियाणा विकास पार्टी वालों को क्या ठीक करेगा? उसको तो यह भी नहीं पता कि क्या हो रहा हे?

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, आन ए प्वांयट आफ आर्डर। ये फिर पेश बंदी करते हैं। जब इनके लोगों ने गलत काम कर रखे होंगे तो पुलिस उनके खिलाफ कार्यवाही जरूर करेगी। अध्यक्ष महोदय, यह सब इसलिए कह रहे हैं कि ऐसा करने से वह पुलिस का एस ० पी ० इनसे डर जायेगा। कितनी बार आपने पार्लियामैंट में कहा चाहे यहां पर कहो लेकिन अगर किसी ने भी गुनाह कर रखा है चाहे वह किसी भी पार्टीं का क्यों न हो तो कायदे कानून के मुताबिक, उसके खिलाफ कार्यवाही जरूर की जायेगी। हमारी पार्टी का एम ० एल ० ए ० भी बैठा हुआ है, हमने उसके खिलाफ भी एफ ० आई ० आर ० दर्ज की हे। अगर हम चाहते तो उसके खिलाफ एफ ० आई ० आर ० दर्ज नहीं हो सकती थी। इसी तरह से आपके एम ० एल ० ए ० के खिलाफ भी एफ ० आई ० आर ० दर्ज करवायी हुई है लेकिन आप अपने एम ० एल ० ए ० को बचाने के लिए जो एस ० पी ० को डराने की बात करते हैं, हम आपकी ऐसी बातों से डरेंगे नहीं और कायदे कानून के मुताबिक जिसका गुनाह होगा, उसके खिलाफ कार्य वाही होगी।

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ब्रूट

मैजोरिटी के कारण ही धमकी दे रहे हैं और मैं इनका चौलेन्ज मंजूर करता हूं। हिसार में भी हमने इनका चौलेन्ज मंजूर किया था और वहां इनको ठिकाने लगा दिया था। फरीदाबाद का भी हमें चौलेन्ज मंजूर है और वहां पर भी हम इन्हें ठिकाने लगा देंगे।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, ये क्या ठिकाने लगा देंगे? ये हमें किस बात का चौलेन्ज दे रहे हें?

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, हमारा कोई एम ० एल ० ए ० गड़बड़ी नहीं करता। लेकिन मुझे इनका हर चौलेन्ज मंजूर है। (शोर)

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यांयट आफ आर्डर है। जब फरीदाबाद के एस ० पी ० की बात आयी है तो मैं भी फरीदाबाद डिस्ट्रिक्ट से एम ० एल ० ए ० होने के नाते यह कहता हूं कि वह एस ० पी ० सारे हरियाणा में निहायत ऐफिशियेन्ट एस ० पी ० हैं और हमें उस पर फख्र है। (शोर)चौधरी बंसी लाल जी तो सीनियर नेता हैं लेकिन पता नहीं इनकी उस अफसर से क्या बात है? जितने भी बढ़िया अफसर हैं उन सबके खिलाफ चौधरी बंसी लाल जी पता नहीं क्या क्या कहते हैं?

श्री बंसीलाल अध्यक्ष महोदय, मैंने तो आज तक उस रास ० पी ० की अपनी लाईफ में शक्ल भी नहीं देखी है लेकिन जो हकीकत है, वह तो मैं कहूंगा ही कहूंगा। अगर उससे ये कोई

ज्यादती करवाना चाहेंगे तो उसको रोकना हमारा काम है और किसी कीमत पर भी हम ज्यादती नहीं होने देंगे। पूरी स्टेट में हम ज्यादती नहीं होने देंगे। फरीदाबाद का एस ० पी ० क्या चीज है? वह यदि झूठे केस दर्ज करता है तो अदालतें भी हैं। इनका चौलेन्ज हम मंजूर करते हैं। हम इनकी ब्रूट मैजोरिटी से डरते नहीं हैं। आखिर में मैं यह कहना चाहूंगा कि आज की सरकार जिस ढंग से सौदेबाजी कर रही है, जिस ढंग से 'टाडा' का गलत इस्तेमाल कर रही है, उसने ला एंड आर्डर का भट्ठा बैठा रखा है। पब्लिक में किसी बहिन–बेटी की इज्जत महफूज नहीं हैं। मुझे आज किसी आदमी ने बताया, सही पर्टिकुलर्ज तो वह नहीं दे सका, कि हिसार जिले में दो औरतों पर 'टाडा' लगाया गया। अगर यह बात ठीक है तो बड़ी ही शर्म की बात है कि औरतों के ऊपर भी 'टाडा' लगाया जा रहा है। इसके अलावा मुख्य मंत्री जी यह भी स्पष्ट करें कि सैक्रेटेरियेट के बराबर लड़कों के लिये जो बन रहा है, वह क्या है?

चौधरी भजन लाल यह बिल्कुल बे–बुनियाद बात है। किसी औरत पर हमने 'टाडा' नहीं लगाया है। 1986 में 'टाडा' का इस्तेमाल चौधरी बंसी लाल जी ने खुद इस हाउस के मैम्बर आनन्द सिंह डांगी के खिलाफ किया था। आज आप क्या बोलते हो?

श्री बंसीलाल अध्यक्ष महोदय, अन्त में मैं यह कहना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री जी इस बात पर भी नजर डालें कि उनके

लड़कों के लिये सैक्रेटेरियेट के बराबर कुछ मन रहा है, यह पता लगना चाहिये कि वह क्या है? इन शब्दों के साथ मैं अपनी रात समाप्त करता हू। धन्यवाद।

चौधरी भजन लाल अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से उनको यह बताना चाहता हूं कि वे चाहें तो किसी अफसर से पता कर लें या मौके पर जाकर खुद देख लें। वह सिक्योरिटी प्यांयट आफ व्यू से टावर बन रहा है। मेरे लड़के ने आपके बेटों की तरह से कभी कोई गलत काम नहीं किया है। मेरा बेटा आपके बेटे की तरह से कोई गलत काम नहीं करता है।

श्री बंसी लाल : स्पीकर साहब, मेरे बेटे ने कभी कोई गलत काम नहीं किया

श्री अध्यक्ष : अब फाईनैसं मिनिस्टर साहब बोलेगे।

वित्त मन्त्री (श्री मांगे राम गुप्ता)अध्यक्ष महोदय, 16 तारीख को इस सदन में बजट पेश हुआ था

वाक आउटस

श्रीमती चन्द्रावती आन ए प्वांयट आफ आर्डर, सर।

(इस समय बहुत से माननीय सदस्य बोलने के लिये खड़े हुए।)

श्री अध्यक्ष जो बोलने से रह गये हैं, उनको कल टाईम

देंगे। अब आप बैठिये।

प्रो ० राम बिलास शर्मा : आन ए प्वांयट आफ आर्डर, सर! स्पीकर सर, इतना अच्छा सदन चल रहा है। आज आप नाराज क्यों हो रहे हो? मेरी तो गुजारिश यही है कि बजट पर मैं बोला नहीं हूं। आप मुझे बेशक कम समय दे दें। अगर हमारी पार्टी के ज्यादा एम ० एल ० ए ० नहीं बन कर आये हैं तो इसमें मेरा क्या कसूर है। यह तो जनता का फैसला है। बजट पर अपनी बात कहने का कम से कम हमें हक तो है। आप हमें हमारे हक से महरूम न करें। आप बेशक 5 मिनट ही दें, ज्यादा समय न दें।

श्री अध्यक्ष : कल डिमांड्ज आयेगी, उस वक्त आप अपनी बात कह लेना।

प्रो ० राम बिलास शर्मा स्पीकर साहब, गुप्ता जी ने तो बजट में धेला–धडिया कर दिया है। कागजों का पेट भर कर इस तरह से पेश किया है कि कोई बात मतलब की कही ही नहीं है। सारी बात डायरैक्शनलैस कही गयी है। यह मीयरली स्टेटमैंट आफ स्टेट ऐक्सचौकर के अलावा और कुछ भी नहीं है।

श्री अध्यक्ष अब आप बैठिये। आपको बोलने का कल टाईम देंगे।

श्रीमती चन्द्रावती स्पीकर साहब, मैं भी बोली नहीं हूं।

श्री अध्यक्ष आपको भी कल टाईम देंगे।

श्रीमती चन्द्रावती : कल बजट थोड़े ही है।

श्री अध्यक्ष : आज वोटिंग भी तो नहीं है। कल डिमांडज आएंगी जिन पर मैम्बर्ज बोल सकते हैं।

श्रीमती चन्द्रावती जब वित्त मंत्री महोदय ने जवाब ही दे दिया तो बजट कहां रह गया। फिर आपका क्या पता कि आप बिना बुलवाये ही डिमांडज पास कर दो। श्री अध्यक्ष रू ऐसी कोई बात नहीं। अब आप बैठिये।

प्रो० राम विलास शर्मा : अगर आप हमें बोलने के लिये समय नही देते तो हमें तो वाक–आउट करना पड़ेगा।

श्री बंसी लाल स्पीकर साहब, श्री राम बिलास शर्मा और चन्द्रावती दोनों को टाईम दे देना चाहिये क्योंकि दोनों ही अपनी–अपनी पार्टी को रिप्रेजैटं करते हैं। अभी 640 हुए हैं। आपने हाउस को एक घंटा बढ़ाने के लिये कहा था। अभी हाउस का टाईम बढ़ सकता है और उसके बाद फाइनैसं मिनिस्टर जवाब भी दे सकते हैं। इसलिये मैम्बर्ज को बोलने का टाईम दिया जाना चाहिये।

श्री मांगे राम गुप्ता अध्यक्ष महोदय, बजट पर जो चर्चा हुई उस पर हमारे माननीय सदस्यों को बोलने का मौका मिला

श्रीमती चन्द्रावती स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने का मौका नहीं दिया इसलिए दें वाक आउट करती हूं।

(इस समय श्रीमती चन्द्रावती सदन से वाक आउट कर गई।)

प्रो० राम बिलास शर्मा स्पीकर साहब, मेरी रिक्वैस्ट करने के बावजूद मुझे बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा है इसलिए मैं भी वाक आउट करता हूं।

(इस समय श्री राम बिलास शर्मा सदन से बाक आउट कर गए।)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, श्रीमती चन्द्रावती और श्री राम बिलास शर्मा को आपने चूंकि टाईम नहीं दिया है इसलिए हम एज ए प्रोटैस्ट वाक आउट करते हैं। (इस समय श्री बंसी लाल हरियाणा विकास पार्टी के सभी उपस्थित सदस्यों सहित सदन से वाक आउट कर गए।)

वर्ष 1992–93 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री मांगे राम गुप्ता : स्पीकर साहब, विपक्ष के हमारे जो साथी हैं और जो एस० जे० पी० के नेता हैं तथा विपक्ष के भी नेता हैं, चौधरी सम्पत सिंह, उन्होंने बजट का विरोध करते हुए बहुत कुछ कहा। आपने काफी विस्तार से बोलने के लिए उन्हें मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, सदन के अन्दर दूसरी विपक्षी पार्टी, हरियाणा विकास पार्टी है जिसके नेता चौधरी बंसी लाल हैं। उन्होंने भी खूब विस्तार से चर्चा की, बजट का विरोध किया और सरकार के सामने कुछ विचार रखे। तीसरी पार्टी जनता दल है। पहली दोनों पार्टियों के नेताओं में काफी कम्पीटीशन रहता है। एक को मौका मिल जाए तो दूसरा उससे ज्यादा टाईम लेना

चाहता है। बहन चन्द्रावती को आपने गवर्नर ऐडैरस पर बोलने का मौका दिया स्पीकर साहब, सब से ज्यादा अगर बोलने का मौका दिया जाता है तो वह मौका राम बिलास शर्मा को दिया जाता है

प्रो० राम बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, गवर्नर ऐड्रैस पर बोलने का आपने मौका दिया था और ये ऐहसान जता रहे हैं। स्पीकर साहब, यह तो आपकी जुरिस्डिक्शन है कि किसी मैम्बर को कितनी देर बुलवाना है। बोलने का हमारा राइट है। हमने आपसे रिक्वैस्ट की है कि बजट पर मुझे बोलने दिया जाए लेकिन गवर्नर ऐडैरस पर बोलने के लिए ये हम पर ऐहसान जता रहे हैं।

श्री मांगे राम गुप्ता स्पीकर साहब, मैं इसलिए कह रहा था कि इस सदन में जो सीनियर मैम्बर हैं उनको आप ज्यादा समय देते हैं।

श्रीमती चन्द्रावती आन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, वित्त मन्त्री ने जो कुछ कहा है उसका इशारा हमारी तरफ है। किसी भी माननीय सदस्य को चाहे वह वित्त मन्त्री है या चाहे मन्त्री है उसको एहसान नहीं जताना चाहिए। हम आपकी इजाजत से बोलते हैं। बोलने का हमारा हक है। इनको अपने शब्द वापिस लेने चाहिएं।

श्री मांगे राम गुप्ता स्पीकर साहब, मैं तो इनकी सराहना कर रहा था और कह रहा था कि कुछ सदस्यों ने विरोध भी किया और अच्छे सुझाव भी दिए हैं। अगर इनको तकलीफ होती है तो

मैं नाम नहीं लेता। अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि चौधरी सम्पत सिंह ने बड़े विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि हरियाणा में अस्सी प्रतिशत लोग देहात में रहते हैं और दूसरे सदस्यों ने कहा कि हमारा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। अध्यक्ष महोदय, मुझे एक बात याद आती है और आपको भी याद होगा। हमारे सदन के एक बहुत ही सीनियर मैम्बर थे और आज वे हमारे बीच में नहों हैं। वे सदस्य श्री मंगल सैन थे। एक दफा वे रोहतक से चुनाव लड़ रहे थे। उन्होंने अपनी स्पीच में कहा कि रोहतक के लोगों मुझे अब की बार चुनाव में कामयाब कर दो, मैं बनने के बाद इस रोहतक को लुधियाना बना दूंगा। आप जानते हैं कि लुधियाना में बहुत इंडस्ट्रीज हैं और लुधियाना बहुत अच्छा शहर है। (शोर एवं व्यवधान)अध्यक्ष महोदय, वे चुनाव में जीत गये और सरकार में वे इंडस्ट्रीज मिनिस्टर भी बन गये उन्हे पूरा समय काम करने का मौका भी मिला लेकिन उनके समय में रोहतक की कोई तरक्की नहीं हुई उससे अगले चुनाव में वे फिर खडे हो गये, वही बात फिर लोगों के सामने आई। डाक्टर साहब ने कहा कि इस बार यदि फिर वोट दे दो तो है रोहतक को लुधियाना बना द्गा। साथ में खडे एक व्यक्ति ने कहा कि डाक्टर साहब आपने तो पिछले चुनाव के मौके पर भी यह कहा था कि रोहतक को लुधियाना बना दूंगा पर आप रोहतक को लुधियाना तो नहीं बना सके लेकिन गोहाना जरूर बना दिया है। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, अभी यहां पर मेरे विरोधी भाइयों ने

बोलते हुए सरकार के ऊपर तरह तरह के लांछन लगाए कि गांवों के अन्दर बदबू आती है, गांवों का कोई सुधार यह सरकार नहीं कर पाई है, सड़कें नहीं है, पानी का कहीं निकास नहीं है। इस तरह से उन्होंने बोलते हुए लोगों के साथ बड़ी हमदर्दी दिखायी है। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार ने और इनके नेता ने यह नारा दिया था कि हम गांवों को शहर बना देंगे लेकिन पिछली सरकार सारा पैसा गांवों की बजाये शहरों पर लगाती रही, गांवों को पूछा तक नहीं। वह सरकार चली गई फिर दोबारा हरियाणा के लौगों ने भारी बहुमत देकर के यहां पर जनता पार्टी की सरकार बनाई लेकिन उनके समय में गांव शहर तो नहीं बन सके लेकिन शहरों को गांव अवश्य बना दिया गया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम कुमार कटवाल अध्यक्ष महोदय, मैं इनको यह कहना चाहता हूं कि जितना पैसा पिछले 40 सालों में कांग्रेस के राज में गांवों में पहुंचा है उससे कहीं ज्यादा हमारे राज में केवल 4 सालों में ही गांवों में पैसा पहुंचा होगा।

श्री मांगे राम गुप्ता अध्यक्ष महोदय, मेरे जिला जींद के मेरे हल्के के पड़ोस के ये विधायक हैं। बहस की तो कोई बात थी ही नहीं। अध्यक्ष महोदय, मेरे जिला जींद का आज से 10 साल पहले एक मन्त्री था जोकि मेरा विरोधी था। उन्होंने अपने वक्त में कोई काम नहीं किया। मैं जब आज से 10 साल पहले मन्त्री था तो मैंने उनके गांव में प्राईमरी से मिडल स्कूल करवाया था और अब जबकि मैं फिर दोबारा मन्त्री पद पर आया हूं तो मैंने उसी

स्कूल को मिडल से अपग्रेड करवा के हाई–स्कूल बनवाया है। मेरा कहने का मतलब यह है कि चाहे किसी के गएके का काम हो, यह सरकार किसी के साथ किसी भी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं रखती है। सभी को एक समान समझती है। ये अपोजीशन के भाई चाहे कुछ कहे जाएं। इनकी सरकार अगर एक गांव में किसी स्कूल को अप–ग्रेड नहीं कर सकती तो फिर ये किस मुहं से यहां पर नुक्ताचीनी करते हैं। यहां पर पैसा देने के मामले में भी भेदभाव की बात कही गई। अध्यक्ष महोदय, जींद बहुत बड़ा टाउन है और इस कांस्टिचुऐंसी में 52 गांव पड़ते है। (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Jind isAlsoA part of the state. (Interuption) Charity beingsAt home but it does not end there.

श्री राम कुमार कटवाल अध्यक्ष महोदय, जीन्द में सट्टा भी इनके जरिए चल रहा है।

श्री मांगे राम गुप्ता अध्यक्ष महोदय, इस बेचारे को तो में क्या बताऊं सम्पत सिंह जी होते तो उनको बताता। अध्यक्ष महोदय, यहां पर विरोधी पक्ष की ओर से सब से बड़ी चर्चा बसों के किराए में बढ़ौतरी के बारे में आई। उन्होंने कहा कि बहुत भारी बोझ हरियाणा की जनता पर डाल दिया। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि जब भी आप किसी सड़क से निकलेंगे तो हर बस अड्डे पर सैकड़ों की तादाद में सवारियां खड़ी मिलती हैं। प्राईवेट व्हीक्लज जिनकी ठीक ढंग से बौडी नहीं है और जिनमें बैठने की सुविधा ठीक नहीं है वे आज बसों से भी दुगना किराया

लेते हैं। फिर भी उनमें बैठने के लिए लोग तरसते हैं। ऐसे हालात में जब हरियाणा में बसें न हों तो हमें सवारियों के लिये अच्छी बसें प्राप्त करनी थीं। हमने 625 बसों की खरीद करनी है और इसके लिये 40–42 करोड़ रुपये की जरुरत थी। अध्यक्ष महोदय, क्या हम यह बात नहीं समझते कि किराया बढ़ने से लोगों को दुख होगा। 50 करोड़ 48 लाख रुपए का जो इनके टाइम का किसानों के नाम ऋण था, उसका ब्याज बढ़ गया था जो हमारी सरकार ने माफ किया। अगर वह पैसा हम माफ न करते तो उसी पैसे से हम ये बसें खरीद लेते।

श्री सतबीर सिंह कादयान स्पीकर साहब, ये हमेशा फिग्गर भूल जाते हैं। हमारे टाइम में ओल्ड ऐज पैन्शन का 110 करोड़ रुपए का प्रोवीजन था। अब इन्होंने 30 करोड़ रुपए रखा है। तो वह 80 करोड़ रुपया भी तो ये बजट में ही खा गए हैं।

श्री मांगे राम गुप्ता अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों जब सैशन औफ था तौ हरियाणा में केवल यही लोग नहीं गए बल्कि हम भी गए थे। आज हरियाणा की जनता यह कहती है कि हमें किराया बढ़ाने से कोई दिक्कत नहीं हुई है, हमें तो बैठने के लिए अच्छी बसें मिलनी चाहिएं। दें बताना चाहता है कि आज भी हमारी बसों का किराया रेल से ज्यादा नहीं है जबकि पहले हमेशा बसों का किराया रेल के किराए से ज्यादा होता था। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसीलाल जो इस सदन के सब से सीनियर माननीय सदस्य हैं। स्पीकर साहब, असल में बात यह है कि इन्होंने तो हमेशा राज

किया है ये कभी विरोधी पक्ष में बैठे ही नहीं थे। ये अब की बार भी विरोधी पक्ष में बैठने नहीं आना चाहते थे, इस बार भी इनका हरियाणा का मुख्य मंत्री बनने का इरादा था। तो अध्यक्ष महोदय, जो आदमी हमेशा पावर में रहा हो और इनको मजबूरी में एक मौका विपक्ष में बैठने का मिल गया, उस वजह से आज इन्होंने बजट के बारे में इतनी लम्बी चौडी बातें कहीं है। जब 1986 में चौधरी बंसी लाल हरियाणा के दोबारा मुख्यमन्त्री बने तो ये हरियाणा की जनता के गरीब लोगों के, व्यापारियों के, अधिकारियों के, कर्मचारियों के, किसानों के और मजदूरों के बहुत हितैषी थे। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी के हिसाब से हरियाणा प्रदेश के अन्दर जो जो काम लिने गए उनके बारे में आपको पता ही है कि 1987 में कांग्रेस पार्टी चुनाव हार गई। अध्यक्ष महोदय इनके मुख्य मन्त्री के पद पर रहते हुए 1987 में कांग्रेस पार्टी चुनाव हार गई थी। उस समय इनके मुख्य मन्त्री रहते हुए आपको पता ही है कि कांग्रेस पार्टी का क्या हाल हुआ था। इस 90 के हाउस में केवल 5 सदस्य कांग्रेस पार्टी के जीत कर आए थे।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, श्री मांगे राम गुप्ता ने कहा कि मैंने मुख्य मन्त्री होते हुए 1986–87 में जो काम किए उनकी बदौलत कांग्रेस पार्टी चुनाव हार गई। अध्यक्ष महोदय, हिन्दुस्तान में उस समय केवल मैं ही एक मुख्य मन्त्री था जिसने सबसे पहले सरकारी कर्मचारियों को फोरथ पे कमीशन दिया था।

इसके अलावा मैंने एस० वाई० एन० के बारे में भी आपके सामने आकड़े रखे थे। एस० वाई० एल नहर का भी मेरे मुख्य मन्त्री होते हुए एक साल के अन्दर सबसे ज्यादा काम हुआ था। हरियाणा प्रदेश के अन्दर जितने भी डिवैएपमैंट के काम हुए हैं वे सभी मरे वक्त में हुए है। मैंने जो करतुते भुगती वे सारो मे दे से पहले की कांग्रेस पार्टी को सरकार के कारण भुगती। मेरे से पहले की कांग्रेस पार्टी की सरकार के जो मन्त्री किसी गांव के अन्दर 50 आदमी भी इकट्ठे रही कर 'सकने थे उनके कारण भुगती।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, अब चौधरी बंसी लाल जी अपनी सफाई के लिए कुछ भी कहें उसमें मुझे कोई एतराज नहीं है। वह जनता का फैसला था। वह मरा फैसला नहीं था। उस समय यदि चौधरी बसो लाल जी अच्छे काम करते तो ऐसी बात नहीं होती। हरियाणा के लोग अच्छे कामों को बहुत जल्दी नहीं भूलते, भूलने में समय लगता है। उस समय ये खुद ही चुनाव नहीं जीत सके थे। अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदेश की आर्थिक स्थिति जैसी थी उसको ध्यान में रखते हुए बजट बनाना बड़ा कठिन है। आज कोई भी टैक्स लगवाने के लिये तैयार नहीं है और न ही हमने इस बजट में किसी प्रकार का कोई टैक्स लगाया है। किसी माननीय सदस्य ने एक बात यह भी कही कि बिजली के रेट बढ़ाए गए हैं। हमने कोई बिजली के रेट नहीं बढ़ाए हैं। आज हरियाणा के अन्दर सरकार के अदायरे में 1 रुपया 5 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली तैयार होती है लेकिन आज हम

किसानों को 30 पैसे प्रति यूनिट से भी कम रेट पर बिजली दे रहे हैं। ये किसानों के बहुत बड़े हितैषी बनते हैं। अध्यक्ष महोदय हमारी यह सरकार इन्सानियत को साथ ले कर चलती है। चाहे किसान है, चाहे मजदूर है, चाहे हरिजन है, चाहे बैकवर्ड है, चाहे कर्मचारी है, चाहे अधिकारी है, चाहे शहर में रहने वाला है और चाहे देहात में रहने वाला है, सरकार किसी के साथ कोई भेदभाव रख कर नहीं चलती। हम किसी थोथे नारे पर सरकार नहीं चलाते और न ही थोथे नारे पर इलैक्शन लड़ना चाहते हैं। हमारे पास जितने साधन हैं उनके हिसाब से जिस व्यक्ति को, जिस वर्ग को जिस चीज की ज्यादा जरूरत होती है उस जरूरत को पूरा करने की तरफ हम पूरा ध्यान देते हें। और उसके मुताबिक ही बजट में पैसा अलौट किया गया है।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष गुप्ता जी, आप बोलने के लिये कितना समय और लेंगे?

श्री मांगे राम गुप्ता अध्यक्ष महोदय, मैं 15 मिनट का समय और लूंगा।

श्री अध्यक्ष अगर हाउस की सैसं हो तो बैठक का समय 15 मिनट के लिए और बढ़ा दिया जाए।

आवाजें ठीक है जी, समय 15 मिनट के लिए और बढ़ा दिया जाए।

श्री अध्यक्ष ठीक है, बैठक का टाईम 15 मिनट के लिए और बढ़ाया जाता वर्ष 1992–93 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

19.00 बजे

श्री ओम प्रकाश जिन्दल आन ए प्वायंट आफ आर्डर। अध्यक्ष महोदय, मांगे राम जी ने कहा कि बजट हम बहुत अच्छा लाये हैं। इनके इस बजट से ही हरियाणा की सारी जनता रो रही है। सारी जनता इसलिये रो रही हु क्योंकि इससे सभी लोग चाहे कोई अमीर है, चाहे कोई गरीब है चाहे कोई बच्चा है और चाहे कोई बूढ़ा है सभी दुखी हैं, हरियाणा रोडवेज की आज सबसे घटिया बसें हैं। मेरा इस बारे में सरकार को सुझाव है कि अब जो नयी बसें खरीदी जाएं उनकी इन्श्योरैसं करवाई जाये।

श्री अध्यक्ष : आप अपनी बात कल कह लेना अब आप बैठिए। गुप्ता जी आप अपनी बात कहें और किसी को आप ऐक्साईट न करें।

श्री मांगे राम गुप्ता अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने और दूसरे विरोधी पक्ष के साथियों ने कहा कि ऐग्रीकल्चर साइड में कोई सुविधा नहीं दी गई। चौधरी बंसी लाल जी के पास जो फिर्ग्ज हैं उनको शायद इन्होंने ध्यान से नहीं देखा होगा। मैं बताना चाहता हूं और आप नोट कर लें कि वर्ष 1990–91 में सीड पर सबसिडी 354.10 लाख की थी और अब 1992–93 में 479.20

लाख रुपये रखी है। इसी प्रकार से मैडीशन पर सबसिडी 1990–91 में 241 लाख रुपए की थी जो अब 1992–93 में 259 लाख रुपये की रखी गई है। अध्यक्ष महोदय फर्टीलाईजर पर सबसिडी 1990–91 में 60 लाख थी जो अब 1992–93 में 75 लाख रुपये की गई है। टोटल सबसिडी 1990–91 में 1136 लाख 24 हजार रुपये की थी और अब 1992–93 में 1572 लाख 25 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है। (शोर एवं विघ्न)

श्री बंसी लाल स्पीकर साहब, वित मन्त्री जी यह बताएं कि इस में से कितना पैसा ऐक्चूअली सबसिडी पर खर्च होगा और कितना पैसा ऐस्टेब्लिशमैंट पर खर्च होगा।

श्री मांगे राम गुप्ता यह ऐक्चुअल सबसिडी का ही है। स्पीकर साहब, एक बात इन्होंने वाटर कोर्सिज और सिंचाई के बारे में कही कि वाटर कोर्सिज के लिए पैसे का कोई प्रावधान नहीं किया है। अध्यक्ष महोदय, 'काडा' एक कार्पोरेशन है उसके द्वारा अगले बजट में 11 करोड़ 24 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है जो पक्के खाल बनाएगी। ये कहते हैं कि खालों को पक्का करने के लिये एक भी पैसा नहीं रखा है। (विघ्न)अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी नें यह भी कहा था कि स्टेट को सैंटर से कितनी सहायता मिलती है। मैं उनके नोटिस में यह बात लाना चाहूंगा ताकि वे नोट कर लें कि इन्कम टैक्स के जरिए 1992–93 में 63 करोड़ 25 लाख रुपये आए। (विघ्न)यह करीब 85 प्रतिशत बनता है। यूनियन ऐक्साईज डियूटी से 2 % मिलता है, ऐडीशनल

ऐक्साईज डियूटी का 2.17% मिलता है, रेलवे पैसेंजर टैक्स का 2. 657% मिलता है। 1991–92 में हमें सैंटर से 208 करोड़ 54 लाख रुपये की सहायता मिली और वर्ष 1992–93 में हमें सैंटर से 225. 8 करोड़ रुपये की सहायता मिलेगी। एक चर्चा मैडिकल कालेज के बारे में आई और ये कहते हैं कि मैडिकल कालेज के लिये कोई प्रावधान नहीं किया है। अध्यक्ष महोदय, मैडिकल कालेज, रोहतक के लिये हमने नान प्लान में 14 करोड़ 38 लाख 41 हजार और प्लान में 3 करोड़, 59 लाख 63 हजार रुपये यानी टोटल 17 करोड़ 98 लाख रुपये का प्रावधान किया है। (विघ्न)एच ० ए ० यू ० के लिये नौन प्लान में 17 करोड़ 10 लाख 64 हजार रुपये और प्लान में 5 करोड़ यानी टोटल 22 करोड़ 10 लाख 64 हजार रुपये का प्रावधान रखा है, के ० यू ० ए ० के लिये टोटल छ करोड़ 55 लाख और एम ० डी ० यू ० के लिये 6 करोड़ 94 लाख रुपये रखे हें। अध्यक्ष महोदय, अग्रोहा मैडिकल कालेज के बारे में पिछली सरकार ने एक ऐग्रीमैंट किया था। कि उस कालेज के लिये जितना पैसा अग्रवाल समाज इक्कट्ठा करके देगा उतनी ही ग्रान्ट हरियाणा सरकार देगी। (विध्न)अध्यक्ष महोदय हमारी सरकार ने पहले ही इतना पैसा दे दिया है जितना अग्रवाल समाज वाले जमा नही करा सके। अग्रवाल समाज उतना पैसा जमा नहीं करवा सका जितना हरियाणा सरकार ने रिलीज कर दिया है। (विध्न)एक करोड़ रुपये की राशि जमीन ऐक्वायर करने के लिये थी उस का सारा पैसा हरियाणा सरकार ने दे दिया है। जितना पैसा अग्रवाल समाज ने इकट्ठा करके दिया उसके बराबर का पैसा मैचिंग ग्रांट

द्वारा हरियाणा सरकार द्वारा रिलीज किया जा चुका है। 30 लाख रुपये का प्रावधान हमने इसलिये रखा है क्योंकि बहुत दिनों से अग्रवाल समाज वाले ज्यादा पैसा इकट्ठा नहीं कर सके। इसलिये ज्यादा पैसे का प्रावधान करने का कोई लाभ नहीं था। 30 लाख रुपया तो हमारा है और अगर वे ज्यादा पैसा इकट्ठा कर देंगे तो हम भी ज्यादा पैसा इस कालेज के लिये दे दे गे। (विघ्न)

श्री राम भजन अग्रवाल अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि अग्रोहा कालेज का नाम चूंकि बदला जा रहा है, तो क्या ग्रांट देने से नाम? बदलने का कोई संबंध है?

श्री अध्यक्ष राम भजन जी, आप बैठिए गुप्ता जो आप अपनी बात जारी रखे।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी ने हरियाणा की पापुलेशन के बारे में जिक्र किया है। जब तक पापुलेशन पर कन्ट्रोल नहीं होगा तब तक कोई डिवैल्पमैंट नही होगी और यह भी कहा कि बजट में इसके लिये कोई प्रावधान नहीं किया गया है। मैं आपके जरिए से माननीय सदस्य की जानकारी के लिये बता रहा हू. कि 1991 की जनगणना के अनुसार हरियाणा की आबादी 1 करोड़ 63 लाख है। वर्तमान जन्मदर 31.8 प्रति हजार है (जबकि 1989 में यह दर 34.8 प्रति हजार थी और 1991 में यह घटी है। (शोर एवं व्यवधान)

साथी लहरी सिंह अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ

आर्डर है। हाउस को मिसलोड किया जा रहा है। ये पूरी तरह से तैयार होकर नहीं आए हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लाल अध्यक्ष महोदय, वित्तमन्त्री जी कह रहे हैं कि हमारी आबादी नहीं बढ़ी है लेकिन इनकी बजट स्पीच में पेज 18 पर लिखा है–

" it isA matter of concern that the growth rate in Haryana's population during the last decade has been higher than the national growth rate "

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी आम जरा स्पीड से अपनी बात कहिए (शोर एव व्यवधान)

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं केवल एक साल की बात कर रहा हूं पिछले 10 साल के हम कसूरवार नहीं हुं। अध्यक्ष महोदय, वर्ष 1991–92 में फेमिली प्लेंनिंग के आप्रेशन 79 हजार 47 सौ किए जा चुके हैं जबकि इस वर्ष का लक्ष्य 90 हजार 480 रखा गया है। ये कह रहे हैं कि हमने फैमिली प्लैनिंग के आप्रेशन का बजट में कोई प्रावधान नहीं किया है। 1991–92 में 18 करोड़ 78 लाख 47 हजार रुपये का बजट में प्रावधान हमने किया है। परिवार कल्याण का शतप्रतिशत पैसा भारत सरकार उपलब्ध कराती है। इसलिये ज्यादा बात' हमने बजट में नही कही है।

श्री अमर सिंह अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर

है।

श्री अध्यक्ष : कोई प्वायंट आफ आर्डर नही. आप गुप्ता जी को बोलने दे। (शोर एवं व्यवधान)गुप्ता जो आपको कितना टाईम और चाहिए।

श्री मांगे राम गुप्ता अध्यक्ष महोदय, सिर्फ 5 मिनट और लगेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष अगर हाउस की सैन्स हो. तो बैठक का समय 5 मिनट और बढ़ा दिया जाए।

आवाजें ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष बैठक का समय 5 मिनट के लिये और बडा दिया जाता

वर्ष 1992–93 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

साथी लहरी सिंह अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : लहरी सिंह जी आप बैठ जाएं, गुप्ता जी को डिस्टर्ब मत करे।

श्री मांगे राम गुप्ता अध्यक्ष महोदय, शिक्षा के स्तर की

बात इन्होने कही। हमने महिलाओं की शिक्षा के लिये हरियाणा मे ऐसे कदम उठाए हैं कि अनपढ़ता को दूर करने के लिये हमने बी० ए ० तक लड़कियो की शिक्षा की कर दी है। (थम्पिंग)यहां तक कि जो हरिजन लडीक यां अपनी वर्दी और किताबें नहीं खरीद सकती है, सरकर ने उनकी वर्दी और किताबो का सारा खर्चा भी माफ कर दिया है। साथ ही हमने कोई भी नया टैक्स नही लगाया है। आपने ऐसा बजट कोई भी नहीं देखा होगा कि जिस में किसी भी प्रकार का टैक्स न लगाया गया हो। अध्यक्ष महोदय, हमने पहली बार हरियाणा में कुछ ऐसौ चीजों पर टैक्स कम किया है जिससे सरकार के रैवेन्यू में भी वृद्धि होगी और कन्ज्यूमर को भी कम कीमत पर सामान मिलेगा तथा व्यापारियों को भी परेशानी कम होगी। हुमने किसान के ट्रैक्टर के लिये टायर और टयूब की कीमत पर आधा टैक्स कम कर दिया है। लेकिन ये लोग यह सब नहीं कर सकते थे। हमने गरीब आदमी को इस बजट में बहुत राहत प्रदान की है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगा कि विरोधी पक्ष के लोगों ने बजट के बारे में जो कहा है उसमें कोई जान नही है इसलिये यह बजट सर्वसम्मति से पास किया आये। यह बजट हरियाणा की जनता और हरियाणा की सुख समृद्धि के लिये ही है। (धन्यवाद)

Mr. Speaker : Hon'ble members, now the House standsAdjourned till 9A.M. tomorrow.

19.18 hours

(The Sabha then *adjourned till 9-00 A.M. on Tuesday, the 24th March, 1992).